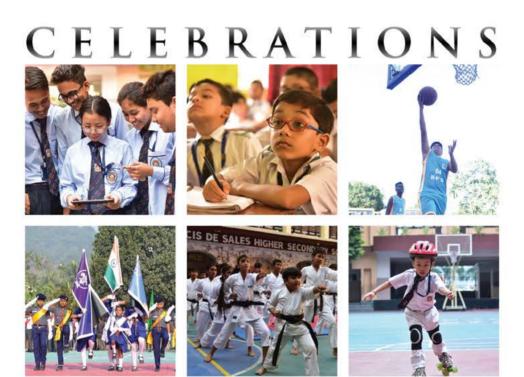


ST. FRANCIS DE SALES

HIGHER SECONDARY SCHOOL

NARENGI



TOUCHING LIVES, MOULDING FUTURE

14TH EDITION ANNUAL 2019 - 2020

Website: www.sfsnarengi.ac.in E-mail ID: office@sfsnarengi.ac.in



A HOLISTIC SOCIETY OF COMPASSIONATELY HUMAN, SPIRITUALLY ENLIGHTENED, INTELLECTUALLY AWAKENED, PROFESSIONALLY SKILLED, SOCIALLY COMMITTED AND CULTURALLY INTEGRATED PERSONS BASED ON THE VALUES AS LIVED AND TAUGHT BY JESUS CHRIST AND SAINT FRANCIS DE SALES.

CONTENT

| | Messages | I - VI | 52. | Did you know | 21 |
|------------|---|--------|-----|---|----------|
| | Editorial | VII | 53. | Please don't read it, it's only meant for me | 21 |
| _ | | | 54. | Chocolaty facts | 22 |
| English | | | 55. | 11 Essential wisdom for life | 22 |
| | D: I I d | 1 | 56. | Barbados | 22 |
| 1. | Bring back those days | 1 | 57. | A little bird's song | 23 |
| 2. | Acid attack in India | 2 | 58. | Up in the dark sky | 23 |
| 3. | India as an emerging superpower | 3 | 59. | Friendship | 24 |
| 4. | Maa | 4 | 60. | Quotes | 24 |
| 5. | Assam, my home | 4 | 61. | I have a little dog | 24 |
| 6. 7 | A good student | 5 - | 62. | Jokes | 24 |
| 7. o | So blessed by you, Mom | 5 = | 63. | Being a teenager | 25 |
| 8. | Dream | 5 6 | 64. | Wonders of the world | 26 |
| 9. | Life as an NCC Cadet Life | 6 7 | 65. | Water therapy for good health | 27 |
| 10. | | 7 | 66. | Importance of Teacher's Day | 27 |
| 11. 12. | Early to bed, early to rise Tension | 8 | 67. | Monsoon or rainy seasons | 28 |
| 13. | Precious resource | 8 | 68. | My mother | 28 |
| 13. 14. | | 8 | 69. | My parents | 28 |
| 15. | The ingredient of friendship The Kite | 8 | 70. | My dearest mother | 29 |
| | | 9 | 71. | Butterfly | 29 |
| 16. 17. | Quotes My inspiration - Kiran Bedi | 9 | 72. | My class teacher | 29 |
| 18. | The discovery of Pluto & the dwarf planet | 10 | 73. | Father & mother in different languages | 29 |
| 19. | Why rain is important | 10 | 74. | Jokes | 30 |
| 20. | * | 10 | 75. | The Color Blue | 30 |
| 21. | Honesty Friendship | 10 | 76. | Quotes | 30 |
| 22. | SFS School is the best | 11 | 77. | My first day in SFS | 31 |
| 23. | A Smile | 11 | 78. | Honesty | 32 |
| 23. 24. | Prayer | 11 | 79. | Mother Nature | 32 |
| 25. | Shaheed Bhagat Singh | 12 | 80. | Discipline | 33 |
| 26. | Birds up in the sky | 12 | 81. | The sleeping Sun | 33 |
| 27. | 5 Worlds amazing waterfalls | 13 | 82. | Time explains it's value | 34 |
| 28. | Ice Cream | 13 | 83. | The Brocken Clock | 35 |
| 29. | The New Bloossoms | 14 | 84. | A letter to my friend about a trip to Manipur | 36 |
| 30. | Ice Cream Man | 14 | | during the summer vacation | 27 |
| 31. | India | 14 | 85. | An unusual gift | 37 |
| 32. | When I see myself as a footballer | 15 | 86. | Our Inspiration, "Kalpana Chawla" | 37 |
| 33. | Names | 15 | 87. | Amazing facts | 38 |
| 34. | Tongue twister | 15 | 88. | Mother Teresa | 38 |
| 35. | Great lines from literature | 16 | 89. | My inspiration | 39 |
| 36. | Student life | 16 | 90. | Real freedom is transcendental | 40 |
| 37. | Rules | 16 | 91. | The power of the word sorry | 41 41 |
| 38. | Healthy living | 17 | 92. | That smile | 42 |
| 39. | Amazing facts | 17 | 93. | Indian Cuisine - the coalescence of flavours | 43 |
| 40. | Environment | 17 | 94. | Experiencing time | 43 |
| 41. | Mom | 17 | 95. | Why modern generation is so stressed | 43 |
| 42. | Shooting Star | 17 | ٨٥ | CAMECE | |
| 43. | C.V. Raman | 17 | AS | SAMESE | |
| 44. | Be the real you | 18 | 1. | মা | 45 |
| 45. | Plan for failure | 19 | 2. | ্য আমাৰ পৰিৱেশ | 45 |
| 46. | Life of a teenager | 19 | 3. | মহৎ লোকৰ বাণী | 45 |
| 47. | Dealing with bullying | 19 | 4. | 'মা' কোন ? | 46 |
| 48. | The parts of speech | 19 | 5. | নোবোলো তোমাক সোণৰ অসম | 46 |
| 49. | Marie Curie | 20 | 6. | বানপানী | 46 |
| 50. | The Big Bang Theory | 20 | 7. | পৰিপাটিতা | 46 |
| 51. | Miss me, but let me go | 20 | 8. | সময় | 46 |
| | ~ | | - | | |

CONTENT

| 9. | আমাৰ অসম | 46 | 64. | আশা | 68 |
|-----|---------------------------------------|-----------|-----------|-----------------------------------|----------|
| 10. | মহৎ লোকৰ বাণী | 47 | 65. | কৌতুক | 68 |
| 11. | নেমুৰ উপকাৰিতা | 47 | 66. | কিছুমান জানিবলগীয়া কথা | 69 |
| 12. | জানানে ? ? | 47 | | | |
| 13. | ব্ৰজন ভোদা ল'ৰা | 48 | | | |
| 14. | মেঘৰঞ্জনী | 48 | HI | NDI | |
| 15. | গোঁফ থকা পক্ষী | 48 | | | |
| 16. | জীৱনৰ অৰ্থ বিচাৰি | 48 | 1. | सूरज | 71 |
| 17. | দুৰন্ত অসম জীয়ৰী - হিমা দাস | 49 | 2. | बंदर मामा | 71 |
| 18. | চিম্পাঞ্জি | 50 | 3. | कड़वा सच | 71 |
| 19. | গৰম পানীৰ উঁহ | 50 | 4. | जिदंगी | 71 |
| 20. | আমাৰ বিদ্যালয় | 50 | 5. | मित्रता | 71 |
| 21. | দেউতা | 51 | 6. | प्यारे पापा | 71 |
| 22. | ড০ এ.পি.জে আব্দুল কালাম | 52 | 7. | पानी की बचत | 72 |
| 23. | ৰূপমৰ অনুভৱ | 53 | 8. | आज के विद्यार्थ | 72 |
| 24. | মা-দেউতা | 53 | 9. | रंग | 73 |
| 25. | মা-দেওভা ভাৰত জননী | 53 53 | 10. | माँ की अहमियत | 73 |
| 26. | ভাৰত জন্ম। জীয়াই আছোঁ মই | 53 53 | 11. | कामयाबी पाना आसान है | 74 |
| 27. | | | 12. | <i>जिन्दगी</i> | 74 |
| 28. | আহিবনে সুদিন | 54 5.4 | 13. | एक कविता हर माँ के नाम | 75 |
| | কুইজ | 54 | 14. | जीवन की परिभाषा | 75 |
| 29. | চৰাই | 54 | 15. | सुबह का मंजर | 75 |
| 30. | কাক কি কোৱা হয় ? | 55 | 16. | सीखो सीखो | 75 |
| 31. | সাঁথৰ | 55 | 17. | भेरी इच्छा पूरी करनी दो | 75 |
| 32. | অসমীয়া কৌতুক | 55 | 18. | रंग-बिरंगी धरती | 76 |
| 33. | এলবার্ট আইনষ্টাইন | 56 | 19. | कलम | 76 |
| 34. | কেইটামান মূল্যৱান বাক্য… | 57 | 20. | प्रकृति - | 76 |
| 35. | শান্তি | 57 | 21. | त्रपृतात माइकल जैक्सन | 76 76 |
| 36. | হাঁহিৰ খলকনি ৰগৰ | 57 | 22. | माइकल अक्सन मैं और मेरा परिवार | 77 |
| 37. | সাঁথৰ | 57 | 23. | | 77 |
| 38. | বান | 58 | 24. | हिन्दी चुटकुले पानी बचाओ | |
| 39. | সপোন | 59 | 25. | | 78 |
| 40. | মা | 59 | | <i>यशपाल</i> | 78 |
| 41. | সাঁথৰ | 59 | 26. | प्रकृति | 78 78 |
| 42. | কলাগুৰু বিষুপ্ৰসাদ ৰাভা | 60 | 27. | क्रिकेट का खेल | 78 |
| 43. | বিহুৰ বিষয়ে জানিবলগীয়া তথ্য কিছুমান | 61 | 28. | अटल बिहारी वाज्पेजी | 79 |
| 44. | পঢ়ি পঢ়ি হাঁহক, হাঁহি হাঁহি পঢ়ক | 61 | 29. | समय का सदुपयोग और सफलता | 80 |
| 45. | প্ৰহৰী | 62 | 30. | खुद को पहचानिये | 80 |
| 46. | শ্ৰী শ্ৰী মহাপুৰুষ মাধৱদেৱ | 62 | 31. | भ्रष्टाचार का रोग | 81 |
| 47. | কোনে কৈছে | 62 | 32. | मानवता | 81 |
| 48. | শ্ৰীমন্ত শংকৰদেৱৰ কবিতা | 62 | | | |
| 49. | সন্ধিয়াৰ লগন | 63 | | | |
| 50. | সাঁথৰ | 63 | | | |
| 51. | এলাহ | 63 | Рн | oto Gallery | |
| 52. | স্বাধীনতা দিৱস | 64 | — | | |
| 53. | ইন্দিৰা মিৰি | 64 | | Students | 83 - 94 |
| 54. | ডকমকা কাণ্ড | 65 | | | |
| 55. | वर्धानी विद्य | 66 | <u>Рн</u> | oto Gallery | |
| 56. | বঙালা। বহ পথিলা | 66 | I — | | 00 10= |
| 57. | সাবিলা সত্রীয়া নৃত্য | 66 | | Teachers | 96 - 105 |
| 58. | সন্ত্ৰাগ্ৰ পৃষ্ঠ্য কাউৰী | 67 | | | |
| 59. | কাভৰ। পখিলা | 67 | <u>Gr</u> | оир Рното | |
| 60. | পাৰল। সাঁথৰ | | | | 105 |
| 61. | সাথৰ মোৰ মৰমৰ ভণ্টি | 67 | | Teachers | 107 |
| 62. | | 67 | | | |
| 04. | প্ৰথম পদবীৰ ব্যক্তিসকল | 68 | | | |

63. আমাৰ বিদ্যালয়







Archbishop's House Post Box 100,Guwahati - 781 001

Assam, India

Phone: +91 0361-2547664 Email : jmoolachira@gmail.com URL : www.guwahatiarchdiocese.org

Message

I am pleased to learn that St. Francis de Sales School, Narengi is bringing out its fourteenth edition of the school magazine titled "Celebrations". It is going to be an opportunity for the students of the school to showcase their creative skills. My deepest congratulations to all of you for taking such painstaking efforts in promoting their intiatives.

Globally, the education scenario is on a progressive transformation. Together with the curricular and non-curricular activities, modern education helps the students to know their indispensable role in harmonising the fragmented world and helps them to contribute their share in building a peaceful, equitable and optimistic society. May all our Catholic schools spare no stone unturned in introducing this complex task in our campus.

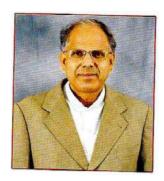
I wish and pray that this new effort may help the students to have a greater understanding of the universal brotherhood and respect for diversity to form an ideal global community. May our educational initiatives help individuals to transform themselves and adapt the multicultural environment to live a happy life.

With my best wishes and prayers,

+Archbishop John Moolachira Archbishop of Guwahati 20 February 2019

+ John M.

Guernhall & 791001, Page 100 of 100 o



Fr George Panthanmackel MSFS
Provincial of Northeast India Province

Dear Rev. Fr GeorgePoovathunkal, the Principal, the staff and students,

It gives me immense joy in learning that the SFS School, Narengi, is bringing out its School Annual "Celebration". Congratulations to the staff and young budding writers and artists of SFS School for their hard work in making this annual magazine of the academic year 2017-2018.

Today the concept of education has changed tremendously in its outlook with the mass media, globalisation and other technological influence affecting the people and the society at large. Hence the learned teachers have to assume tremendous responsibility to bring about formation and change in the students into vessels containing in them latest technology and wisdom to transform the whole world into a heaven of brotherhood, peace and freedom. Further, teachers are the role models to the students who can help their pupils to handle day to day situations in a mature way. The pupils are to be made aware of their rights and obligations to help the needy, to be the agents of social change, promoting brotherhood and love in the society.

The basic school curriculum should reflect and address the needs of the civilised society such as respect for others regardless of age, race, gender, colour, class,appearance and religion. Education must promote peace and harmony and should never fuel jealousy, anger, hatred and suspicion of any kind anywhere, as taught by Jesus Christ and St Francis de Sales. It should promote concern for the "Mother Earth" with the understanding to safeguard its ecosystem for the future generations. The young children have lots of energy and energy needs to be channelled and consumed in a constructive manner, through love and positive thinking. It could be through the process of creative participation and involvement in the academic, co-curricular and extracurricular activities.

I firmly believe that our dear children in SFS School, Narengi, will one day become agents for peace and builders of universal brotherhood, as they are fortunate to be imparted with such a resourceful and meaningful education from the management, teachers and mentors. I wish them every success and implore God's choicest showers of blessings.

Fr George Panthanmackel MSFS Provincial of Northeast India Province

সিদ্ধার্থ ভট্টাচার্য্য

Siddhartha Bhattacharya, MALUS

Cabinet Minister
Department of Education,
Guwahati Development Department,
Department of Law and Justice
Government of Assum



Block-D, 4th Floor, Assam Secretariot, Dispur, Guwahati-781006, Assam Tel No.: 0361-2237267 Mobile No.: 94350-10789

E-mail: siddharthabhatta@gmail.com minskeredu26@gmail.com



MESSAGE

It gives me immense pleasure to learn that St. Francis De Sales School, Narengi is going to bring out 14th edition of the school magazine "Celebrations".

School magazines provide an opportunity to the students to express their literary talents. In this regard, they get a chance to explore various themes and topics of their interest. Writing in the school magazine increases their skills and boosts their confidence to write more. A school magazine provides the students a platform not only to start their literary journey but also to express themselves without any hesitation.

I hope that the writings published in the magazine "Celebrations" would enrich its readers, giving them new insights on a range of different topics. I congratulate the editorial board of the magazine and convey my heartiest greetings to the entire fraternity of St. Francis De Sales School, Narengi.

- Isravel agares

(Siddhartha Bhattacharya)



Atul Bora
M. L. A. Assam
Dispur Constituency



Date 1: 3, 2019,

To

Fr. George MSFS Principal SFS School, Narengi Guwahati 781171 01/03/2019

It gives me immense pleasure to learn that St. Francis Sales School, Narengi is bringing out the 14th Edition of the School Magazine, "Celebrations".

The School Magazine is a reflection of the progress made by the School over the years and it finds place in the School Record Book. I expect that "Celebrations" will be the mirror of the activities of the school in general and the students in particular. In these years, the School has contributed to the development of education in the locality and has taken up programmes for its future growth. The School is definitely having a bright future.

I wish that the school magazine will be admired by all

Member, Dispur LAC



Education is an unending lifelong process. It begins when one enters the stage of life until he/she exits. Formal education is given by educational institutions. The aim and objective of any educational Institution is to instill in the student genuine human and spiritual values, a genuine concern for the welfare of others and commitment to truth and justice and last but not the least, academic excellence and all round development of one's personality to meet various situations in life.

Primary and secondary education plays a vital role in an Individual's career and intellectual development. It works as a solid foundation for successful higher education and subsequent life stages. These days, we witness many institutions and schools imparting education at various levels. They are doing their level best, however, I believe that education is not just about books and examination; it is all about a force and great differentiator.

Keeping all these in mind, the SFS School, is working to achieve these values. To shape the children's lives and give better human values, the school has been serving in this part of the North Eastern India. The Staff and the Management of the School has been providing and conducting various programmes, by which children are made aware and taught how to become better citizens of India. It is a matter of great pleasure that SFS School, Narengi is bringing out the 14th edition of School Magazine "CELEBRATION". The School has shown its worth in imparting quality education and all round development of the children. The School Magazine not only provides a platform for the development of writing and creative skills of the students but also highlights the activities and achievements of the School in various aspects during the session.

I would like to extend my heartiest felicitations to the Principal, Staff and Students and wish them the very best in all their Endeavours.

To conclude, I quote the words of our great Late Dr A P J Abdul Kalam-"Great teachers emanate out of Knowledge, Passion and Compassion"

Mr. Dwipan Sarma Guwahati



Fr. George Thomas Principal St. Francis de Sales Hr. Secondary School – Guwahati

Touching lives, moulding future - This is what makes St. Francis de Sales Hr. Secondary School, Narengi, Guwahati, unique and different. More than being merely a school that disseminate high quality, unending and unlimited vista of academic excellence, SFS Narengi, offers diversified experience of life to the learners. We honestly believe that education is all about helping the students to learn about life and enabling them to live happily at all moments irrespective of the life situation that they are in. Is it not true that the journey of life is to be reached in its destination fulfilled and enriched? An affirmative answer to this question is what we strive day after day in the portals of SFS, Guwahati. Interactive class room teaching, simulations, role plays, activity-based learning, drilling conceptual clarity to the young minds, guest lectures through accomplished personalities from different walks of life, Personality development sessions, Model united nations, science exhibitions, sports and various tournaments, 16 different co-curricular activities, Assessments such as Abacus, Asset and Detailed Assessments to test the academic depth of the students in comparison to national to state average and many more.

The year that is gone offers us many reasons to cheer about. The excellent, result of students in Cl.X and XII CBSE Board examination is an indication of this academic supremacy which is rock solid. The extraordinary success of the students at various state, national and international events such as CBSE Science exhibitions, debate, quiz, karate and basketball tournaments speaks about the depth of its educational vibrancy and reach.

Celebrations sketches the writing and artistic skill of the desalites Narengi. Their imaginations, experiences, achievements, success and unforgettable moments of the year gone by is part of this annual. My congratulations to the artists, writers, poets and all the desalites for contributing to this beautiful magazine. The editorial board has worked tirelessly to get this edition completed on time. They are truly amazing.

Touching lives, moulding future.

God bless and long live sfs

EDITORIAL

The annual school magazine, Celebrations is a platform for students to showcase their numerous creative abilities, be it poetry or painting in front of an audience and readers. It unleashes for the students a wide spectrum of creative skills that have been involved designing the magazine. This magazine is like a mirror which reflects some sorts of activities undertaken by the Desalites. We are hopeful that this small piece of literary work will not only develop the taste for reading and writing but also develop a sense of belongingness to the institution as well. To make this magazine special we tried to provide the paintings and drawings of the students related to the field. The editorial team is highly thankful to the students for their creative task to make this magazine lively.

We thank all who have extended their help to bring out the magazine.



Editorial Team

ENGLISH

BRING BACK THOSE DAYS

- NEHA GUPTA (XI COM)

Sitting in the harbour With solitude beside me, Joy deserts my heart and Sadness resides in me. Remembering the days Of fun and frolic, The days, when I played with My friends under the rays of the sun. The days when I Swayed my swing and sang When I was a bird Without a wing. The seasons have changed And lost their essence. I, too, am, lost in the crowd And missing their presence. Everything has changed No one is the same, It's not my fault as Past time never remains. Missing the crazy days Of my childhood, I would love to go back To those days, if I could. I wish some magic should Happen and God listens to my prayer, I wish my lovely old days Of fun and frolic,

Please bring back those days.

ACID ATTACK IN INDIA

- MANISHA DHAR (XI COM)

A cid attack is the worst of crimes that take place not only in India, but in every part of the world. Concentrated hydrochloric acid is used as a weapon in this act of violence. According to International Acid Survivors Trust around 1500 acid attacks happen every year.

The most notable effect of an acid attack is the lifelong disfigurement. According to the Acid Survival Foundation in Pakistan, there is a high survival rate amongst victims of acid attacks. Consequently the victims are faced with physical challenges.

God forbid, an attack does happen, you can help minimize serious acid damage.

- Water is essential to minimize acid damage to skin.
- Sunglass may offer some protection
- Use your hands and protect your face.





INDIA AS AN EMERGING SUPERPOWER

- SUBHAM SHARMA (XI COM)

The Republic of India is considered to be one of the emerging superpowers of the world.

The potential is attributed to several indicators; the primary ones bring its demographic trends and a rapidly expanding economy and by GDP India became world's fastest growing economy in 2015 with 73% GDP rate. The country must overcome many economic social and political problems before it can be considered a superpower.

India lies in the cultural region of the Indian ocean - a zone with unprecedented potential for growth in the scale of transoceanic commerce with many Eurasian and increasingly Afron-Asian sea trade territorial waters. The subcontinents' land and water resources, though strained, are still sustaining its massive population.

MAA - JANVI BRAHMA (XI COM)

She sacrificed herself to see the smiles on their faces

None other than the one who
Brought us into this world
The loving and caring, Maa
Who knew, God would create such a fine
piece of perfection
The woman with a strong heart
So gentle, so kind
The one who created happiness
The loving and caring, Maa

When you got hurt, she felt the pain

When you succeeded, she felt the joy

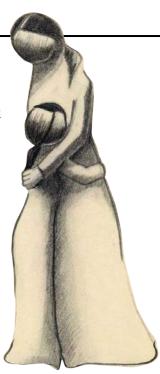
And when you made a mistake, she was there to mend it

And in life, don't you forget

Behind every successful person,

There is

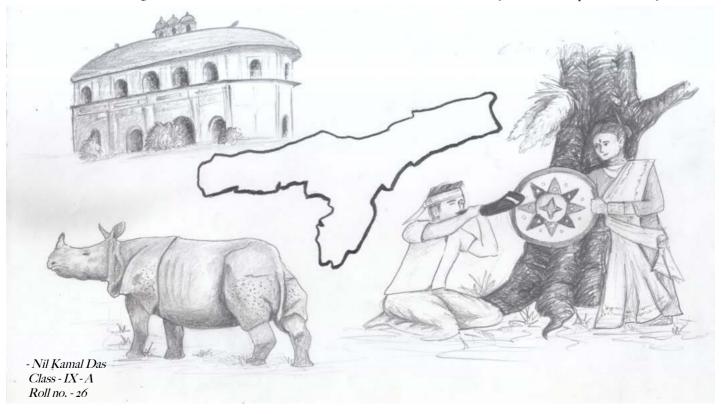
A loving and caring, Maa.



ASSAM- MY HOME

- SIDDHARTHA PRATIM BORGOHAIN

Assam a land of virgin forests, lies nestled among the eastern range of the Himalayas. The mighty river Brahmaputra, which originates in the heart of the Himalayas and flows through Assam, adds beauty to the state. It is a life giving source of water as well as a source of sorrow during the floods. The river itself is the main water way and is full of streamers, ferry-boats and fishermen's boats. This brings the tea from the gardens and reaches the international markets and they fill the tea pots of many homes.



A GOOD STUDENT

- SONIYA MUNDA TULI

- A Always liked by the teachers.
- G Greets everyone with respect.
- O Obedient to teachers and parents.
- O On time to school.
- D Dresses neat and clean.
- S Studies with interest.
- T Treats everyone with love and care.
- U Understands everything taught.
- D Does daily homework.
- E Eager to know things.
- N Never misbehaves.
- T Talks less in class.



SO BLESSED BY YOU, MOM

- TANISHA RAHMAN (I C)

A mother who always cares,
A mother who's always there.
A mother who always prays,
A mother who always stays.
When things get rough,
When life gets tough,
When all is just too much to bear,
God's word she shares
God's light she shines.
So blessed God made this mother mine.

DREAM

- JYOTI KUMARI (IX B)

Hold fast to dreams
For if dreams die
Life will be like broken winged bird
That cannot fly

Hold fast to dreams
For when dreams go
Life becomes a barren field
Frozen with snow!

To be an NCC cadet is unique. It's being **I** hardworking, dedicated, punctual and most of all an achiever. It includes the attitude of never giving up and it makes and builds your character. Life as a cadet is one of the best experiences one can ever have as it teaches them life as it is and also shows how it is to be an officer of the armed forces. The best time for a cadet in his/her NCC life is camping. As they have to sweat out all their energy in parades, drills and of course the best part is that you have your friends to share it with you. The morning PT sucks all your energy out but after all the struggle and hard work when you are been awarded with the achievement with your uniform then it is a totally different moment for every cadet. Camps like ROC where there is separate contingent for parades of girls and boys and also camps like All India Sainik camp showcases one's talent and physical fitness.

The best part of being in the National Cadet Corps is that we have to attend the unit for parade, drills and practices.

WE THE CADET OF THE NATIONAL CADET CORPS, DO SOLEMLY PLEDGE THAT WE SHALL ALWAYS UPHOLD THE UNITY OF INDIA. WE RESOLVE TO BE DISCIPLINED AND RESPONSIBLE CITIZENS OF OUR NATION. WE SHALL UNDERTAKE POSITIVE COMMUNITY SERVICE IN THE SPIRIT OF SELFLESSNESS AND CONCERN FOR OUR FELLOW BEINGS.

LIFE AS AN NCC CADET

- NAYANJYOTI DAS (IX B)

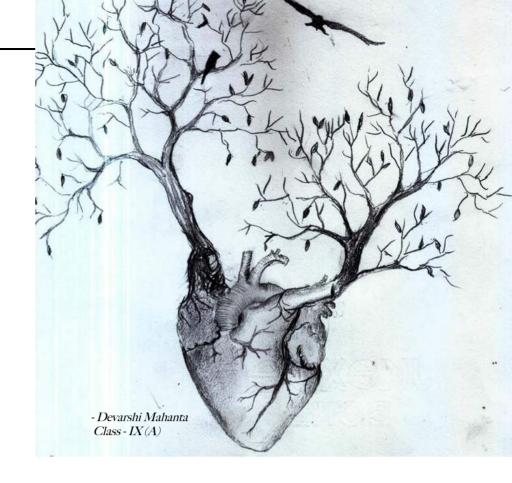


- Nilanjan Das Class - IX Roll no. - 27

LIFE

- SUBHADEEEP BARUAH (VIII C)

Life is a journey
As everyone knows
Some end early
Others go long.
Life is a river
Passing through,
Meets many obstacles
But never stops its flow
Life is a clock
Never waiting at all.
If you can utilize it
It's a 100% is yours.
It comes once
So, dissolve in it well.



EARLY TO BED, EARLY TO RISE

- ALICE NGAIMUANKIM (VIII C)



An exasperated mother in vain, attempts to awake her son, calls out to him; "John! John! Hurry up and get out of bed. It's already 9:00 and you are still in bed. Have you no intention of going to school today?"

"But mom.... I want you to give me one good reason why I should go to school."

"One? I'll give you two reasons why you should go to school. First, you are 50 year old and second, you are the principal."

Well, we don't all have to be school principals to have to get up early. In fact, you don't even need to be a school goer to get up early. It is obvious that if you lose an hour in the morning you'll spend all day hunting for it.

The wisdom of the proverbs "Early to bed, early to rise, makes a man healthy wealthy and wise" is never seriously disputed, however much it may be neglected in actual practice.

An early riser is a wealthy person, rich in health and spirit. He/she is always on a mission of success.

Yes, for indeed, early to bed and early to rise, makes a man and of course a woman, too, healthy, wealthy and wise.

TENSION

- BIKASH KUMAR RAI (VIII C)

Tension! Tension! Tension! Everywhere tension, Students have tension Regarding examination. Teachers have tension of completing their lesson Working people are in tension, For their promotion Other people are in tension To get their monthly income. Scientists are in tension To make new invention Thinkers are in tension About the new generation God is in tension About his creation Tension! Tension! Tension! The world is in tension!



- Hridayananda Bora Class - IX(A) Roll no. - 15

PRECIOUS RESOURCE

- PARISHMITA BASAK (VIII C)

Oh you are precious, tree,

Standing strong, still and free
Never bothered by cold or
heat
Providing things of daily need
Cutting you down still
Never tried to know your pain
Now that you have vanished
The birds resting on you
Don't have a home to stay
The fresh air that you provide
Is getting dirty day by day
Knew you were precious
But never bothered
And now that you're fading
We are on discussion.

THE KITE

- JINAV RAJKHOWA (VI C)

Flip, flap! Flip, flap!
Rise my kite
Up and up in the sky,
That is so blue and bright
Flip! Flap! Flip! flap!
Goes the kite
Sometimes to my left
And sometimes to my right
Flip! Flap! Flip! Flap!
Flies the kite,
High and high above
It fills me with delight.

THE INGREDIENT OF FRIENDSHIP

- ALICE NGAIMUANKIM (VIII C)

Preheat the oven of love,
With plenty of secrets and hugs
Mix in giggles and laughs
That make your side split half
Bake with love and care
And all the things you both
share
Decorate with frosting of trust
This is really a must
Enjoy the cake, do not eat it fast
Just like your friendship;
Make it last.





"Opportunities don't happen, you create them."

- Chris Grosser

"If opportunities don't knock, build a door."

- Milton Barle

"It is your attitude, not your aptitude, that determines your attitude."

- Lig Lagu

"Try not to become a person of success, but rather try to become a person of value." - Albert Einstein



MY **INSPIRATION** - KIRAN BEDI

- MRIDUSMITA NAYAK (VI C)



The person who inspires me the most is none ■ other than kiran Bedi. She was born on 9th June, 1949, in Amritsar, Puniab.

She is a retired Indian police service officer, social activist, former tennis player and politician who is the current lieutenant governor of Puducherry. She is the first woman to have become an IPS officer. She remained in service for 35 years. Between 1965 and 1978, she won several titles at national and state- level championships for tennis. After joining IPS Bedi served in Delhi, Goa, Chandigarh and Mizoram. She also won the president's Police Medal in 1979.

She was one of the key leaders of the 2011 Indian anti- corruption movement, and joined the BJP in January 2015. On 22 May 2016, Kiran Bedi was appointed as the Lieutenant governor of Puducherry.

- Kritika Kashyap Class - IX(C)

THE DISCOVERY OF PLUTO AND THE DWARF PLANET

- GAURAV NATH (VIC)

In 1915, an American astronomer, Percival Lowell, believed that the motion of the planet Uranus was being affected by yet another planet beyond Neptune. Other astronomers felt that the motion of Neptune itself was being affected by some planet beyond it. So, a systematic search began with the telescope. On February 18, 1930, an American astronomer, Clyde William Tombough discovered a new object near the position that had been predicted by Lowell. This was named Pluto.

The name, as suggested by an 11 year old girl from England, meant 'Roman Gold of the Underworld'. This was accepted as its first two letters were the initials of Percival Lowell. In the beginning, Pluto was given the status of a planet. But later, in 2006, it was categorized as a dwarf planet. Pluto was the first object to be discovered which was later identified as the Kniper belt.

HONESTY

- ANJALI TIWARI (VI C)

The day I was honest
Gave me joy & made my life the best
May it be hard to be honest
But try once in your life,
You will be the happiest
Every dishonest moment makes us
Lie a thousand times
But one truth among a million lies,
Can change our life
& make us feel proud.

WHY RAIN IS IMPORTANT

- DIPSIKHA PHUKAN (VI C)

The plants we grow, the animals we raise and I the requirement of the human body to stay hydrated are all dependent on water or clean water. Rainwater fills streams, rivers and lakes. It carries with it not only the potential for life but also a history of its own past. Rain is not only the lifeblood of human existence but also our history and it commands our respect. Rain is important because it feeds our immediate needs without requiring us to tap our reserves and the water table. Rain provides a renewable resource that can meet food production, if managed properly. But we must understand that nothing in nature exists by itself. Rather, our waterways and the rainfall that feeds them are all interconnected and affect the population along the way. Rain makes our life happy. Rain water must always be stored. Sometimes due to this rain floods occur but this is our doing because, we throw garbage irresponsibly.

FRIENDSHIP

- SOPHIA T. BAITE (VII B)

Friendship is like a
Golden thread that binds two hearts....
A feeling that keeps growing

Even when we are far apart....

No matter where we are..

I want you to know,

You're a friend I feel....

Always close to!

SFS SCHOOL IS THE BEST

- PRACHI KALITA (VII B)

St. Franci's De Sales School
Navengi

- Shrutika Parajuli
Class - VIII (A)

I study in SFS school
It is a temple of learning
I feel very proud to study here,
I like to praise it aloud;
So that every child may know
It is a wonderful school where I love to go
The teachers here are very good and caring
They love and teach us nicely.
Our school principal is very kind and loving
They love each one of us
And we love them too.
East to west
SFS School is the best.

A SMILE

Roll no. - 44

- SONAMONI DAS (VII B)

mile - what a simple and innocuous word! But how meaningful and powerful it is! Smile means more than it appears to the viewer. The word 'smile' reminds me of Monalisa's enigmatic smile. A smile on the face can be genial or ironical, pleasing or contemptuous. But here we are concerned with a genial and healthy smile that unarms even the most hostile. When one is depressed or in pensive mood, faced with a grueling or painful situation it s the smile that unloads the tension weighing on the head of a person. It is the enlightened individual only who will give genuine expression to a genial smile for he has learnt to count the blessings that God had bestowed on him; tons of favours that he has done to him, innumerable gifts that he has showered on him.

PRAYER

- RANI KUMARI (VII B)

A little prayer,
From a little heart,
In the morning,
Before the day does start!
A word of 'thank you',
Said at night,
To God Almighty,
Is what is right!

- Hridjit Barman
Class - VIII (C)
Roll no. - 22

Bhagat singh was an Indian socialist and a revolutionary who was born on 27th September 1907. He is considered to be one of the most influential revolutionaries of the Indian Independence Movement. He is also known as 'Shadeed Bhagat Singh' his Sikh jat family had earlier been involved in revolutionary activities against the British Raj. He studied European revolutionary movements and became attracted to Marxist Ideology'.

He was involved in numerous revolutionary activities and gained prominence in the 'Hindustan Republican Association'. Late Lajpat Rai was killed at the hands of police. Bhagat singh wanted revenge for this incident. As a consequence to this incidence, he bombarded the Central Legislative Assembly with two bombs and they surrendered. While in prison, Singh and two others had written a letter to Lord Irwin, wherein they asked to be treated as prisoners of war and consequently to be executed by firing squad and not by hanging.

He was executed on 23rd March 1931. He was hung in jail while many people in India prayed for his life. The soul of the legend remained eternal in the hearts of the Indians.

BIRDS UP IN THE SKY

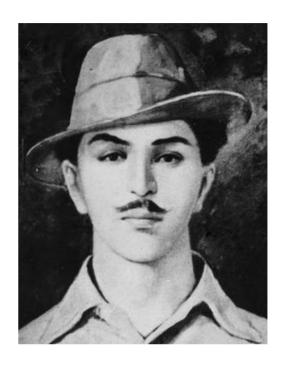
- SHREYA DEB (VII A)

Birds I always see you up in this sky,
To talk with you I always feel shy,
Some birds look like blue dye,
Watching it I think it's a friendly guy,
Sometimes you seem to be afraid of others,
I think you are like my naughty brothers.

I wonder how sweetly it sings!
And sometimes I want to borrow its wings,
You migrate to and fro for without any hindrance,
But we need vehicles to move to a certain distance.
Do you look and judge yourself any day?

SHAHEED BHAGAT SINGH

- BIKRAMADITYA SWARGIARY (VII A)



But I look at myself thousand times a day.

That is why you are called a bird, And me, myself, a crazy girl!



5 WORLD'S AMAZING WATERFALLS

- PARISMITA KALITA (VII A)

- IGUAZU FALLS: It is located in Argentina Brazil border. Its total height is around 60-82 m/ 197-269 ft and width around 2.7 kilometers. Its flow rate is 1756 m 3/s.
- KAIETEUR FALLS: it is located in Guyana. Its total height is around 226 m/ 741ft and width is 371 ft/ 113 meters. Its flow rate is 600 m 3/s.
- HUANGUOSHU FALLS: it is located in China. Its total height is around 77.8 m/255 ft and width 101 m/331 ft. its flow rate is 18.2 l/s km2
- NIAGARA FALLS: it is located in Canada. Its height is around 51m / 167 ft and neither its width nor
 its flow rate is known.
- YOSEMITE FALLS: it is located in the USA. Its height is around 739m/ 2425 ft. its width and flow rate is not known.

ICE CREAM

- PARISMITA KALITA (VII A)

Lee itself was something very difficult to make in those days. So water ice and ice creams were luxurious dishes prepared for rules. It was during the 1st millennium AD that the Chinese started to try out different fruit-flavored cold drinks and desserts, with snow and ice. The Persians and Arabs followed this method to make shaved snow and pour syrups on them.

Water ices became popular in Europe during the 1660's. It is said that for the very first time ice cream was served in England, in 1671 May to Charles II with white strawberries. Kulfi is the most popular traditional frozen dairy dessert from India. It was made for the Mughal emperors during the 16th century.

Though there have been many varieties of ice cream cones initially, the most appealing version of ice cream was made by a man named, Ernest A. Hamur in 1904, in United States of America.



THE NEW BLOSSOMS

- NAMRATA DEKA (VII C)

It is the day of the new blossom For which the king is awaiting. It is the sparkling of the tiny drops. That shines like the stars twinkling It is the sprinkling of rain pearls Due to which the flower blooms It is the spread of love and Affection, that blooms the Blossoms in us: It is a kind of new life Gaining within us When the fresh air of blossom Touches our heart We feel flying like a butterfly On the earth Landing the world with Beautiful fragrances.

INDIA

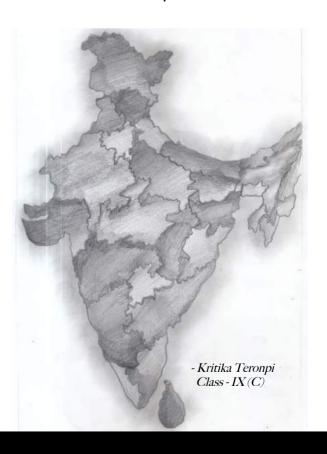
- ANIKET BORGOHAIN (VI A)

Our's is a land of sages,
Known for bravery for ages
None can with it compete
Its culture none can beat.
Whatever caste or religion.
All live here in unison.
With rivers, sweet fountains,
It's a land of high mountains
Its green forest are pretty,
And are source of prosperity
Lets for it work hard
For its safety, be on guard.

ICE CREAM MAN

- NISHITA BARMAN (VI A)

When summer's in the city And brick's a blaze of heat The ice cream man with his little cart Goes trundling down the street Beneath his round umbrella Oh what a joyful sight, To see him fill the cones with mounds Of cooling brown and white Vanilla, chocolate, strawberry Or chilly things to drink From bottles full of frosty-fizzy Green, orange, white or pink Of roses and sweet pear The way children cluster round



WHEN I SEE MYSELF AS A FOOTBALLER

- YONAH KHAKHLARI (VI A)

Football what a good game,
Kick and scream
Start with a warm up
Warm up can be the successful story
We walk on the pitch
And fall in a ditch



On no; one player is hurt
He got hurt on his foot
The game with only 10 players
The game finishes with a smile
Cause who knows what will happen in a while....

NAMES

- PRACHI DARUKA (VI A)

Everybody has
A name
Some are different
Some the same
Some are short
Some are long
All are right
None are wrong
I like my name
It's special to me
It's exactly who
I want to be!

TONGUE TWISTER

- PRACHI DARUKA (VI A)

Peter Piper picked a peck of Pickled peppers. A peck of pickled Peppers Peter Piper picked, if Peter Piper picked a peck of pickled Peppers, where's the peck of pickled Peppers Peter Piper picked?

A good cook could cook as much Cookies as a good cook who Could cook cookies.

GREAT LINES FROM LITERATURE

- IPSHITA KALITA 3 A

Work hard and stay positive and get up early.
 It's the best part of the day.

- Mahatma Gandhi

Dreams transform into thoughts and thoughts result in action.

-APJ Abdul Kalam

Suffering is the essence of success.

- APJ Abdul Kalam

 Behind the parents stands the school and behind the teacher the home.

– Mahatma Gandhi

 It is health that is real wealth and not pieces of gold and silver.

- Mahatma Gandhi

 The best way to find you is to lose yourself in the service of others.

- Mahatma Gandhi

 It's much better to be good in a way that no one knows anything about it.

- Anna Kare Nina

STUDENT LIFE

- DHARAM ADITYA PRADHAN 3 A

The happiest period of a person is when he or she was a student. Student life is golden because it is the most important part of human life. It is the period of joy and happiness because the mind of a student is free from cares and worries of a grown up life. In this period, the character of men is built so it is called the formative periods of human life. As a student he must develop his intellect. He should also try to acquire all good qualities. The duty of a student is to obey his parents and teachers and respect the elders of the society.

RULES

- FARHANA BHUYAN 3 A

Oh! Why do we have rules?
They rule my life, and that I don't like!
Rules, rules, and more rules,
From morning to night
Could I be free from rules?
Just for a day or night
Rules, rules and rules!

HEALTHY LIVING

- LENDIMOA JAMIR 3 A

Get moving! Do something active every day. Being active is fun! Kids and teens should do 60 mnts or more of physical activity each day.

Eat smart! What you eat and how much you eat are important. Food is the fuel for your body. Without right food, your body just can't work well. And too much or too little food is bad. Can you think of more things like this that you do all the time??

Here are five simple steps:-

- · Move everyday
- Try new fruits and veggies
- · Drink lots of water
- Do jumping jacks to break up TV time
- Keep your body clean.

AMAZING FACTS

- HARPREET NARZARY (3 A)

- The internet started in U.S in 1969 as a military system designed to work even in the event of a nuclear war. It came into general use only in the 1990s and now does not belong to anyone.
- Simple medical problems may one day be treated by computers.

- A personal computer small enough to fit on an arm is being developed
- Marvin stone who invented the drinking straws copied the simple shape from a hollow stalk of grass
- The ancient Egyptians made ink from squashed beetles.

ENVIRONMENT

- LIZA BORO (3 A)

Environment is the surrounding in which we live. The air we breathe, the water we drink, plants, animals and other living beings, etc come under an environment. It is very important for us. It gives us many useful things. That is why we should keep our environment clean. That is why environment day is celebrated on the 5th of June every year.



- Anushree Sarkar Class - IX (C)

MOM

- AYUSH SINGH (3 C)

Mom a special word
The loveliest
I've ever heard
A toast to you
Above all the rest
Mom you're so special
You are simply
The best
I love you more that you know.

SHOOTING STAR

- ANISHA DEVI (3 C)

I have a telescope
It is very cool
I can see the moon and the stars
One night suddenly, I saw a
shooting star

Wow! I made a wish
I want to become a pilot, when I
grow up

I hope my wish comes true.

And suddenly, I thought,

If I could see one more shooting star.

C.V. RAMAN

- PINAKSHI SARMA VI B

C V Raman is best known for his work in the field of light scattering. Raman was intrigued by the blue colour of glaciers and the Mediterranean Sea and wanted to unravel the mystery as to why water a colourless liquid, appeared blue to the eyes. Thus he began a series of experiments on the scattering of light which ultimately led to what came to be known as the 'RAMAN EFFECT. also discovered that when light interacts with a molecule, the light changes its colour and the molecule vibrates. The change of colour can act as a 'finger print' for the molecule. Today, Raman spectroscopy, which relies on these 'finger prints' is in the laboratories all over the world.

Be yourself
Accept yourself
Value yourself
Forgive yourself
Bless yourself
Express yourself
Trust yourself
Love yourself
Empower yourself

Accepting who you are is the biggest achievement of any person.

Very often, when we talk about mental health and its crucial factors, we get varying answers. But undoubtedly, it is self – acceptance that has proven to be the most pivotal factor in mental health. According to the research done by psychologists, many a time it is found that the absence of the ability to accept oneself can lead to variety of emotional difficulties including uncontrolled anger and depression. The power that is caught up in self-evaluation may also be needy and may devote considerable attention and personal resources to arrogance in order to compensate for perceived personal shortfalls. It can be only reduced by substituting it with self-acceptance. Today, everybody wants to become the best in whatever he or she does in life. That is quite natural and we should always positively encourage that. But in that process there should not be feeling to be better than others. We all are unique and hence comparison with others is meaningless.

Most people, however, blame unconditional self – acceptance as taking life very easily and suggest that unconditionally accepting oneself will lead to doldrums.

But in real life situations, we must accept this practice of unconditional self-acceptance in a healthy manner. Instead of rating ourselves based on some discrete behaviour and attribute, we can learn unconditional self-acceptance to strive for our goals without self hate, shame, anger or anxiety. It also teaches us to stop rebuking ourselves and not think negatively of ourselves when we face challenges and failures, even though we may greatly dislike these negative experiences.

Self-acceptance will surely help you to be the 'REAL YOU'.

BE THE REAL YOU

- REESHA SINGH IX C



PLAN FOR FAILURE

- Being consistent is not the same as being PERFECT

- RESHMA BEGUM IX C

You probably realize that consistency is important for making progress, doing better work, getting in shape and achieving some level of success in most areas.

I write about the power of consistency often — why reputation is more important than perfection, how small gains add up to big results and why falling in love with boredom is mastery.

But once you realize the power of consistency, there is a danger that comes with this knowledge. And that danger is falling into an all or nothing mindset.

LIFE OF A TEENAGER

- JUBIN TUMUNG IXA

"You get emotional, you get angry But you are actually Learning what life is."

When people turn into teenagers, they feel proud and happy about it. It's the age when we get to know what life is. We all start to get emotional. We get confused for reasons unknown but it's a part of growing up. Life of a teen is not an easy one; it's the age when we prepare to become an adult. It's the age where we get to know ourselves more. We start to take our own decision and become mature.

DEALING WITH BULLYING

- HRIDISHA SAIKIA IX A

Everyday thousands of teens wake up afraid to go to school because of bullying. Sometimes, parents, teachers and other adults may not understand how extreme bullying can get.

Bullying is when a person is picked on over and over again by an individual or a group with more power, in terms of physical strength or social standing.

Two of the main reasons people are bullied are because of appearance and social status. Studies show that people who are bullied are at risk of mental health problems such as stress, depression, anxiety etc. and may also think a lot about committing suicide.

If you are being bullied, here are some bullying survival tips — ignore the bully and walk away, hold the anger, be confident, take charge of your life, and talk about it to your closed ones.

THE PARTS OF SPEECH

- NOSHIN NILOFER VIII B

Every name is called a noun,
As field and mountain, street and town.
In place of noun the pronoun stands.
As 'he' and 'she' can clap their hands,
The objective describes a thing,
As magic wand or bridal ring.
The verb means action, something done,
As read and write and jump and run.
How things are done the adverbs tell,

As quickly, slowly, badly, well.
The preposition shows relation,
As in the street or at the station.
Conjunctions join, in many ways.
Sentences, words or phrase and phrase.
The interjection cries out,
"Hark!" I need an exclamation mark!"

MARIE CURIE

- RUKSANA KHATUN CLASS VIII B

Marie Skłodowska Curie was born in Warsaw. Poland on 7th Nov. 1867. She was a French physicist and chemist who conducted pioneering research on radio activity. She was the first and only woman to win a noble prize twice in two different sciences. She studied in Warsaw's Clandestine Floating University. In 1891, aged 24, she went to study in Paris, where she earned her higher degrees and conducted her subsequent scientific work. She won the Nobel Prize in chemistry. She founded the Curie institute in Paris and in Warsaw which are major centres of medical research today. Even after becoming a French citizen, Marie Sklodowska Curie never lost her sense of Polish identity. She taught her daughters the polish language and also took them on visit to Poland. Curie died in 1934, aged 66, at Sancellemoz, France due to anemia caused by exposure to radiation while carrying test tubes of radium in her pockets during research. Marie Curie has been an inspiration to many women, especially those involved in scientific research.

THE BIG BANG THEORY

- TANJIL WAZAD VIII B

The Big Bang Theory is the prevailing cosmological model of the universe. It describes

how the universe is expanded from a very high density and high temperature state and offers a comprehensive explanation for a broad range of phenomena including the abundance of light elements, the cosmic microwave background, large scale structure and Hubble's Law. About 13.8 billion years ago, space expanded very quickly. Formation of atoms started which eventually led to the formation of stars and galaxies. As a whole, the universe is growing and the temperature is falling as time passes. It could be said that time had no meaning before the Big Bang. If the Big Bang was the beginning of time then there was no universe before the Big Bang.

MISS ME BUT LET ME GO.....

- RIYA TIWARI VIII B

When I come to the end of the road And the sun has set for me. I want no rite in a gloom filled room Why cry for a soul set free

Miss me a little, but not too long And not with your head bowed love, Remember the love that we once shared Miss me, but let me go.

For this is a journey
That we must all take
And each must go alone,
It's all a part of the Master's plan
A set on the road to home.

When you are lonely and sick of heart Go to the friends we know, And burry your sorrows In going good deals Miss me, but let me go.

DID YOU KNOW



- The first oranges weren't orange.
- The longest English word is 189,819 letters long.
- Chewing gums burn about 11 calories per hour.
- The toothpaste "Colgate" in Spanish translated to "Go hang yourself."
- Human thigh bones are stronger than concrete.
- Earth is the only planet that is not named after a God.
- The male ostrich can roar just like a lion.
- Honey never spoils.

PLEASE DON'T READ IT, IT'S ONLY MEANT FOR ME.....

- KANCHAN GUPTA VIII B

Please don't read it, it's only meant for me...that's it. Just move along now, there's nothing here to see.

Besides, I'm sure you'd rather just go outside and play, so put the poem down now and slowly back away.

Hey, why are you still reading?

That isn't very nice

I've asked you once politely

Don't make me ask you twice.

I'm telling you, it's private

Do not read one more line

Hey! That's one more. Now stop it.

This isn't yours; it's mine.

You're not allowed to read this.

You really have to stop

If you don't quit this instant

I swear I'll call a cop.

And all because you read this instead of having fun,

It's too late now,

The poem's nearly done.

There's only one solution.

Here's what you'll have to do:

Tell all your friends and family

They shouldn't read it too.

CHOCOLATYFACTS

- NAZIFA ANJOM RAHMAN - XI - HUM

- The scientific name for the tree that chocolate comes from Theobroma cacas means "food of the Gods."
- The smell of chocolate increases theta brain waves, which triggers relaxation.
- Chocolate has over 600 flavour compounds while red wine has 200.
- The English chocolate company 'Cadbury' made the first chocolate bar in the world in 1842.
- M & MS were created in 1941 as a means for soldiers to enjoy chocolate without it melting.
- In 2013, Belgium issued a limited edition of chocolate flavoured stamps.
- Eating dark chocolate may improve blood flow and lower blood pressure.
- Dark chocolate is a powerful source of antioxidants.
- The film Willy Wonka and the Chocolate Factory was financed by Quater Oats to promote its new Wonk Bar Candy.
- The ancient Maya are believed to be the first people to regularly grow cacas trees and drink chocolate.
- Known as "The world's Most Expensive Chocolate Bar" the Wispa Gold Wrapped Bar is offered by Cadbury.

11 ESSENTIAL WISDOM FOR LIFE

- LUNA BASISTHA XI ARTS

- There's a lesson to be learned in everything you experience.
- Happiness comes from within.
- Anger is self destructive.
- Forgiveness will set you free, but revenge out.
- Regret is more painful than failure.
- Money is just paper with number on.
- Other people's mistakes are lessons for you too.
- Connecting with you is worthwhile.
- Bending over backward will break your spine.
- Discovering your life's purpose will give you a meaning.
- Making the best of every situation leads to your triumph.

BARBADOS

- PINAKSHI SARMA VI B

Barbados, a small island, lies north of Venezuela in the Atlantic Ocean. Coral reefs circle a large part of the island. Barbados is thought- to have been originally inhabited by Arawak Indians.

But, when the Europeans arrived, it was uninhabited. The Portuguese were the first Europeans to set foot on this island. However, it was the British who first established a colony there in 1627.

When the British arrived in Barbados, the island

was almost totally covered in dense jungle, with a very large population of wild pigs! The colonists cultivated tobacco, cotton and later sugar, which proved to be enormously profitable. Slaves were brought in from Africa to work on sugar plantation. The name "Barbados" is derived from the bearded fig trees once found in abundance on the island.

A LITTLE BIRD'S SONG

- SHYAMANTIKA PATHAK VI B

Sometimes I've seen
Sometimes I've heard,
Up in the tree.
A little bird singing a song,

A song to me,

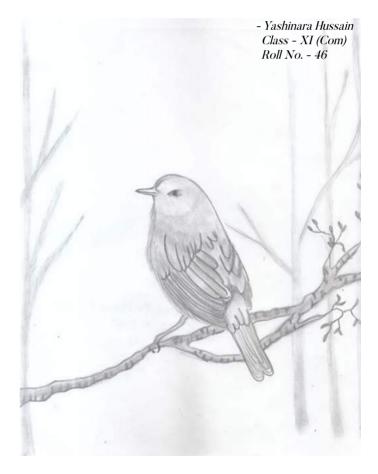
A little brown bird up in the tree sometimes he stays

Sometimes he sings,
Then to the wind.
He spreads his wings
Flying away,
Away from me,
A little brown bird
Up in the tree.

UP IN THE DARK SKY

- RIYA SINHA VI B

Up in the dark sky,
What do I see?
Big stars and small stars,
Are winking at me,
What are they saying?
What can it be?
All that I know is,
That they are winking at me.



FRIENDSHIP

- KOSMI SAHARIA VI B

Friendship is nothing but a relationship in which we even share our views, our ideas and all our feelings which we can't or we won't share with anyone else. There's no such relationship like friendship. Friends are important. It might be our classmates, our teachers, our parents, a tree, a book etc. Nothing is better than friendship. Friends make our life happy and comfortable who never make us feel awkward. Friends are a precious gift of the Almighty. I think the luckiest person is the one who has true friends and I am one of them who have true friends. I have three best friends with whom I never hesitate to share anything. Having a friendly nature is one of the most important virtues a person must possess which will help us to have happier lives.

QUOTES PINAKSHI SARMA VI B

- Sunsets are proof that endings can be beneficial too.
- You told me that dreams can come true but you forgot to tell me that nightmares are dreams too.
- It's hard to forget someone when they have given you so much to REMEMBER.
- At some point you need to realise that some people can stay in your heart but not in your life.
- Sleep doesn't help if it's your soul that is tired.
- If you're researching for a person who will change your life TAKE A LOOK IN THE MIRROR.
- You can't sell DREAMS to someone who has walked through NIGHTMARES.

I HAVE A LITTLE FROG

- JYOTIRUPA BHUYAN III B

I have a little frog,

His name is Tiny Tim.

I put him in the bathtub,

To see if he could swim,

He drank up all the water.

He gobbled up the soap,

And when he tried to talk.

He had a bubble in his throat.

JOKES

An old man had limited hair on his head

He went to a barber shop

Barber in anger asked

Shall I cut or count?

Old man smiled and said

"Colour it."

Life is to be enjoyed with whatever you have.

BEING A TEENAGER

- SANJEEV KALITA XI SC



I miss me, the old me.

The happy me, the bright me, the smiling me;

The gone me.....

Having anxiety and depression is like being scared and tired at the same time. It's the fear of failure, but no urge to be productive. It's wanting friends, but hate socializing. It's wanting to be alone, but not wanting to be lonely. It's feeling everything at once then feeling numb.

Biologically, depression is associated with a reduced level of the neurotransmitter serotonin in the brain and with an imbalance of the neurotransmitter nor epinephrine. Psychological risk factors for depression include low self-esteem, poor image, a tendency to be highly self-critical and feeling helpless when dealing with negative events. Depression may be a reaction to environmental stresses including trauma like verbal, physical or sexual abuse: the death of a loved one or being the victim of bullying or peer pressure.

About 3k youth die by suicide each year in the US, making it the 36th leading cause of death. Therefore, the warning signs for teen suicide can include the following- A sudden change in behaviour, lack of motivation, social isolation, symptoms of depression, hopelessness etc.

If the symptoms indicate that a teen is suffering from clinical depression, the health care provider strongly recommends treatment, which may include addressing any medical conditions that cause or worsen depression. Most practitioners continue treatment of major depression for at least 6 months to a year after symptoms have stabilized. Psychotherapy is a form of mental health counselling that involves working with a trained therapist to figure out ways to solve problems and cope with depression.

The major types of antidepressant medications prescribed for adults are the selective serotonin reuptake inhibitors (SSRIs), the tricycle antidepressants (TCAs) and the atypical antidepressants.

About one half of teens who take antidepressant medications get better. It may take anywhere from one to six weeks of taking medication at its effective dose to start feeling better.

Attempts at prevention of teen depression tend to address both specific and non-specific risk factors and strengthening protective factors by using an approach that's appropriate for the teen's developmental level. Family members and friends are advised to seek and encourage the depressed teen to receive mental health evaluation and treatment. Family members may consult with the teen's primary care doctor or seek mental health service.

Once the depressed youth is in treatment, family members can help encourage good mental health by gently encouraging him/her to adopt a healthy lifestyle. Examples of that include encouraging the teen to drink plenty of water, maintain a healthy diet, get adequate sleep, participate in regular exercise and engage in appropriate stress management activities.

Friends can encourage the depressed peer to remain socially active rather than becoming isolated. As, in depression, we don't control our thoughts, our thoughts control us. So, it's always better that people understand this.

Well, twinkle twinkle little star I hope you know how loving you are. Up above the world so high; please don't cut your wrists tonight. Twinkle Twinkle little star I hope you know how loving you are......

WONDERS OF THE WORLD

- KAINAAT NASCE III B



MACHU PICHU (PERU)

A symbol of the empire of India, it was built around 1450 AD. It is more than 7000 feet above sea level in Andes Mountains. Machu Pichu means old peak or Old Mountain. It is also known as the lost city of the Incas. A city of stone built without the aid of wheels or iron tools.



TAJ MAHAL (AGRA)

Built by Mughal Emperor Shah Jahan, in memory of his wife Mumtaz Mahal, who died after their 14th child. It is made up of white marble.



COLOSSEUM (ROME)

It is an amphitheatre in the centre of the city of Rome, Italy. It is considered as one of the greatest Roman Architecture. It was built by the Flavion Dynasty. It was used for 390 years.



CHICKEN ITZA (MEXICO)

Situated in the Yucataneity in Mexico, this city was built by the Maya people. It exhibits multiple architectural styles. It was developed between 750 AD and 900 AD.



GREAT WALL OF CHINA (CHINA)

It was built between 5th C.B.C and 16th CE. It is a stone and earth fortification created to protect the borders of the Chinese Empire from the Mongol invasions. It spans over 4000 miles.

WATER THERAPY FOR GOOD HEALTH

- ARIHANT SINGHA III B

Recently scientists have researched and discovered that water therapy to cure all diseases. There are three things we should do every day in our life.

- As soon as we get up from bed in the morning, we should drink 1 litre of tepid water without brushing our teeth. Just because Alkalinity of mouth will help to dissolve Alkaline in the stomach through water.
- After breakfast, lunch and dinner we should drink hot water after 40 min. Hot water helps to dissolve the entire fatty contains inside intestine and it helps to quickly digest.
- Please drink water only when sitting but not standing. In a standing position when we drink water it creates lots of problems in the joints and muscles.

IMPORTANCE OF TEACHERS' DAY

- SAMUEL JOSHI III B

ach year, Teachers' Day is celebrated on 5th Of September in India. Teacher's day is

marked in honour of Sarvapalli Radhakrishnan. who was born on September 5th. 1888. He was India's first Vice President second and President. He was scholar, great philosopherand Bharat Ratna Recipient. Since the year became president, India has commemorated



Dr. Radhakrishnan's birth anniversary by paying tribute to its teachers and gurus on this day.

A teacher is a friend, philosopher and guide who holds our hands, opens our mind and touches our heart. The contribution of a teacher cannot be ignored at all. On Teachers' Day, students across India honour the teachers and special programmes are held in schools and colleges.

MONSOON OR RAINY SEASONS

- ANSHIKHA JHA III B

The summer season is followed by the rainy or monsoon season in India.

During this season, cool winds blow from the sea and bring rains. Dark clouds gather in the sky. Lightning and thunder are followed by the rains. Rains help farmers to grow crops. Wells, rivers and ponds fill up once again. Floods occur in some places where there is too much rain. Streets become flooded during the monsoon. Peacocks dance when it rains and frogs jump too. We use raincoats, gumboots and umbrellas. We make paper boats and play with them. Rain water is the cleanest form of water. We feel so happy in the season.

MY MOTHER

- KUWOLI BHATTACHARJEE III B

She is my mother,

She is good in nature,

She takes care of me,

She is very bright and caring,

She tries to make me better,

She is my sweetest mother.

MY PARENTS

- RUMANA RAHMAN I B



When I am sad, they combat me
When I am sick, they care for me,
When I misbehave, they discipline me,
Because they love me.

When I need help, they help me,
When I lose all faith, they help me to regain it,
When I need forgiveness, they forgive me,
Because they love me.

When I am cold, they give me shelter.

When I need help with my homework, they help me with the best they can,

When I am lost, they come and find me,

Because they love me.

MOM, DAD I ALWAYS LOVE YOU FOREVER.

MY DEAREST MOTHER

- JUWAKSHI KASHYAP I A

No one is like her,
My mother is so dear.
She is not only my mother,
But my friend and guide,
I like her very much.
Because she is so kind,
She is also my teacher,
Who shows me the right way
I love her dearly.

BUTTERFLY

- JESPITA REZBI REHMAN II A

I am a little butterfly
I have wings,
I fly like a king.....
I fly around flowers
Then I feel glorious.....
I am a butterfly..........



MY CLASS TEACHER

- PURNAKSHI TALUKDAR II A

The name of my class teacher is Rezina Hassen. She is an excellent young lady. She comes to our class on time every day in the first period. She marks our attendance and then starts teaching. She teaches us English. She is very punctual, dutiful and efficient. She loves us very much. She is never angry with us. We all respect her. She advises us to be truthful, honest and punctual in life. She corrects our mistakes carefully. She tells us to keep the class neat and clean. I learn much from my class teacher. So, I am proud of having Rezina Hassen ma'am as my class teacher.

FATHER AND MOTHER IN DIFFERENT LANGUAGES

- SONAKSHI BARUA II A

- 1. Mizo Pa and Ma
- 2. Tamil Appa and Amma
- 3. Marwari Aaasa and Maasa
- 4. Marathi Baba and Ai
- 5. Manipuri Ipaa and Imaa
- 6. Urdu Abbu and Ammi
- 7. Punjabi Papaji and Mataji
- 8. Tibetan Pola and Amala
- 9. Khasi Papa and Mai
- 10. Nepali Baa and Aama

- Bhargab Patowary

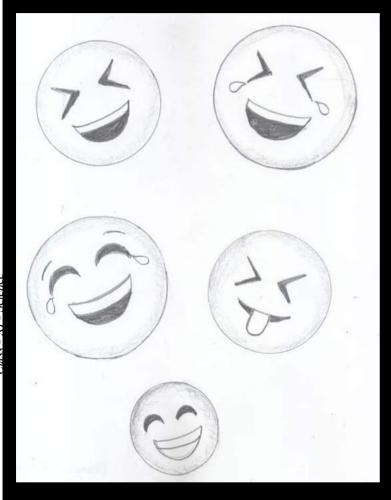
JOKES

- PURNAKSHI TALUKDAR II A

1. Son – "Papa, please wake up fast."

Papa – What happened son?

Son - You forgot to take your sleeping pills......



2. Patient — "Doctor, I have pain in my eye whenever I drink tea."

Doctor — "Take the spoon out of the mug before you drink."

3. Teacher – "Which one is closer – Sun or Africa?"

Student - Sun

Teacher – Why?

Student – We can see the Sun all the time but can't see Africa.

THE COLOUR BLUE

- PURNAKSHI TALUKDAR II A

Blue is the favourite colour of millions of people. The sky is blue, the sea is blue and many love this colour. But did you know that there is no natural food available in this colour? This may be because blue is closely linked with poisonous food. When food turns blue, it is believed that the food has turned poisonous.

QUOTES

- NILAKSHI SINGH IV C

• Because of your smile, you make life more beautiful.

- Thich Nhat Hanh

 Beauty is power; a smile is its sword.

- John Ray

• Nothing you wear is more important than your smile.

- Connie Stevens

• Smile is the key that fits the locks of everybody's heart.

- Anthony J D Angel

 My best friend is the one who brings out the best in me.

- Henry Ford

• Walking with a friend in the dark is better than walking alone in the light.

- Helen Keller

MY FIRST DAY IN SFS

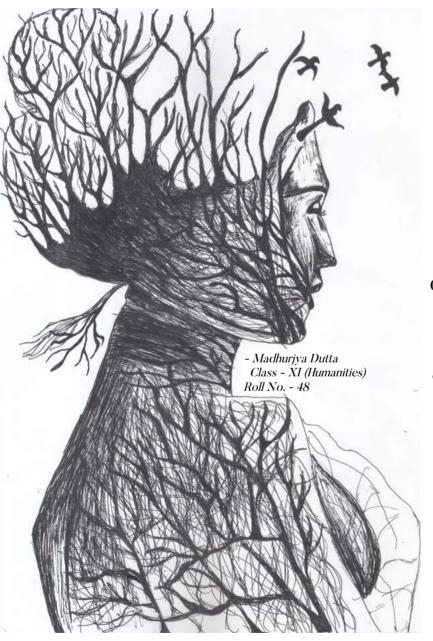
April, 2018. I was really very nervous on the first day. After leaving my last school and friends, I was very sad. I was confused and afraid of the new school, new friends and new environment and so I cried. But they welcomed me with a welcome song along with candle lights which removed that fear from me. Rashmi madam held my hand with love and thus I started my school life with SFS.



HONESTY

- RIA AHMED IV A

Without honesty we would be turned characterless. Honesty is one of the building blocks of good character and character is what establishes who we are and what we are going to achieve. Honesty is the cornerstone of character. If one is found wanting in honesty he will be found lacking in character as well.



MOTHER NATURE

- ANKUSH CHOUDHURY V B

Often I marvel at Mother Nature
And its unique adventures
It has in stock for us.
I have to say Mother Nature is the boss.
Everyone has DNA- like life experience
Sometimes it can be monotonously intense.

But Mother Nature is supreme
And Mother Nature is extreme
Often I ponder on why Mother Nature is
sporadically insane with jealousy
Committing many a time unspeakable atrocities

Tornados, earthquake and volcanic eruptions
It showers, making its necessary modifications
Tidal waves are its trademark of destruction of
natural and artificial creations.

But Mother Nature always makes up with multiplication and replication living.

DISCIPLINE

- PARITIWARI V C

Discipline may be defined as strict obedience to certain rules and regulations. Discipline in life is something like a capital without which no progress and prosperity can be achieved. Discipline is taught in schools and colleges. A well disciplined life is a successful life. Much of a man's success depends on his disciplined activities. The importance of discipline cannot be overemphasized. Life without discipline is a ship without rudders. It is an essential precondition for the growth of society and spread of civilization. Thus, it is needless to underline how much important discipline is in public life. So, if we do not abide by discipline, there will be chaos and confusion in all aspects of life and consequently the state may come to a total collapse. Thus, in public life the importance of discipline is the highest.





THE SLEEPING SUN

- NEHA DAS (II B)

One day the sun thought, why do only I have to wake up early? Why do only I need to be punctual? From tomorrow I will not wake up on time. The next day, the sun did not wake up on time. There was darkness everywhere. The little plants and trees felt weak because they did not get the light of the sun. When the sun woke up, it saw problems everywhere. The sun regretted and thought, unpunctuality can lead to trouble for everyone depending on me. From that day onwards the sun became punctual and never woke up late.

MORAL OF THE STORY IS; NEVER BE LATE FOR YOUR WORK.

TIME EXPLAINS ITS VALUE

- ARCHITA AJANTA GOGOI (VA)

Time is the most precious thing of our lives and although we don't have control over it, but if we manage it in a constructive way. It often serves us with the most memorable and successful experiences of our lives.

To realize the value of one year,

Ask a student who failed a grade.

To realize the value of one month,

Ask a mother who gave birth to a premature baby.

To realize the value of one week,

Ask the Editor of a weekly newspaper.

To realize the value of an hour,

Ask the students who are waiting for their results.

To realize the value of a minute.

Ask a person who missed the train.

To realize the value of a second,

Ask a person who just avoided an accident.

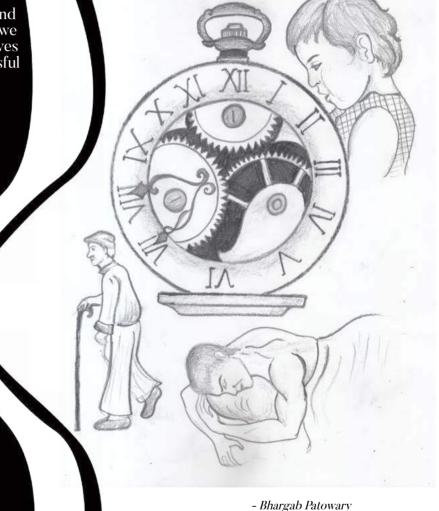
"A minute now is always better than a minute later"

Treasure every moment!

Yesterday is history,

Tomorrow is mystery,

Today is a gift. That's why it's called the present.



- Bhargab Patowary Class - XI (Science)

nce upon a time, there lived a rich couple. They had two sons named Ramu and Raju and a daughter named Rani. Their house was surrounded by a beautiful garden. Behind their house was a playground for them to play. And the interior of the house was well furnished with furniture and beautiful wall hangings and rare dried flowers. The house was well kept, and Ramu, Raju and Rani were taught to keep their own rooms neat and tidy.

One evening, Ramu and Raju were playing ball with their friends in the playground. Their parents had not yet returned from their work and Rani had gone for her tuitions. After an hour of playing they came back to the house with the ball. Ramu, standing far from Raju, said, "Raju, please give the ball to me. I'll put it on the shelf." Raju threw the ball towards Ramu who missed the catch and the ball hit the wall clock, breaking it into pieces.

They didn't know what to do. Ramu told Raju, "We will not tell anyone that we broke the clock." Raju said, "If we tell our parents, they will scold us. So, if they ask we will pretend that we don't know anything about it."

After a while, the parents came back from work. As they came in, they noticed the clock on the floor,

broken into pieces. They called their sons and asked them whether they saw the wall clock broken.

Raju said, "oh! The clock is broken. How sad!

Ramu joined Raju saying, "Really sad... it was hanging on the wall, when we came in after play." The parents didn't blame anybody. Their father said to them, " It is good to tell the

THE BROKEN CLOCK

- SYEDA NASIBA FIRDOSHI

truth if any of you have broken it".

As the father was telling them this, Rani came in. The mother asked Rani, "Do vou know how this wall clock broke?" She answered; I saw the clock on the wall before I left for my tuitions." The parents were confused because when they left for work in the morning, the clock wasn't broken. The mother told them, "Now all of you go and study. We'll find out about the clock later on" Ramu and Raju were worried and they couldn't concentrate on their studies. They felt guilty and had no peace of mind. Ramu said to Raju, "I feel bad and ill at ease because we have told a lie. Raiu then remembered what his teacher had told him in the class: Never lie; truth alone can set you free."

"Ramu, we have committed two mistakes. One, we broke the clock and two, we have told a lie". Said Raju, and now we have lost our peace of mind.

Ramu too acknowledged that they had done wrong; they decided to ask pardon from their parents.

So both went to their parents crying and told them the truth. They asked pardon for denying breaking the clock and telling a lie. Their parents embraced them and said, "We are really proud that you have admitted your mistake. As a reward for your sincerity we'll buy a computer." The boys went back to their studies happily. There was peace in their hearts and resolved to never tell lies thereafter.

MORAL OF THE STORY - THE TRUTH WILL SET YOU FREE!

Dear Amy,

I hope you're fine. Summer vacations are my favorite thing when it comes to school holidays. As you know, I always visit my family in Manipur every summer vacation. So, I visited them once again this year. This time, the trip was shorter than before and lasted only 12 days. Anyway, the trip was very nice. We went to Manipur by flight on 9th of July. We had lots of fun in Manipur, but I'm going to tell you the best parts. On 11th of July, my family and I went to a swimming pool called Dinthar, in Mata with some cousins, And you know that I can't swim, but my cousins and my aunt taught me the whole time and now, I can almost swim. That day was really fun. On 12th July we went to Kakching Garden in Imphal. That place was incredible! The plants and bushes there were really very pretty. Oh! And we bumped into one of our neighbors there. We took lots of pictures in that beautiful garden. It was very far from where we live. On 17th, we went to a place called Thaneon. It is very far from our home in Manipur. The roads were bumpy and curvy and as it was in a hilly area, it was cold. We made some new friends there as well. We returned home on 18th. The trip took 10 hours. Isn't that long? The views we got from the hill were magnificent. We returned on 21st July to Guwahati. It was really a good visit to my family in Manipur. Oh, and on the other days, I played with my cousins, went to my parents' friend's house, etc. I really miss home but here I've got lots of friends to be with and so, this place isn't all that bad. What do you think?

Anyway, write me again on your trip.

Yours sincerely Ching

A LETTER TO MY FRIEND ABOUT A TRIP TO MANIPUR DURING THE SUMMER VACATION.

- CHINGGOUHOIH VALTE (VA)

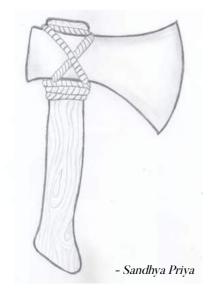


AN UNUSUAL GIFT -ROHIT MANDOL

George Washington became the 1st president of the United States. On his 6th birthday, his father gave him a little axe with a wooden handle. George liked it very much and was eager to use it. In his excited mood, George rushed into the garden. His father had grown beautiful apple trees. He wanted to try out his new axe. He began cutting everything. In one corner he saw some beautiful apple tress. He cut all of them.

In the evening, when his father went into the garden for a stroll, he was surprised to see that all the apple trees, he had grown, were lying down on the ground. He shouted aloud, 'GEORGE! Who has done this?' After a while, an inner voice troubling George said, "Father, I was sorely tempted to use the axe you gifted me. So, I went about chopping every plant. This is what I did to the trees. With much love his father hugged him and said 'I'm glad you said the truth. I'd rather lose all my trees than hear my sons telling a lie and become a prey to temptations"

MORAL OF THE STORY-HONESTY IS THE BEST POLICY.



Alpana Chawla was born in the small town of Karnal in the state of Haryana on 17th March 1962. She was intelligent right from her childhood. In 1997, Kalpana Chawla made India proud by becoming the first Indian woman to go into space. She was selected by the NASA from amongst thousands of candidates. She went as a mission specialist on a space shuttle named "Columbia" on 16th January, 2003 with her seven companions.

OUR INSPIRATION "KALPANA CHAWLA"

- DHRITISHMAN DEKA (II C)



But unfortunately, Columbia broke up on reentry to the Earth atmosphere on 1st Feb' 2003 and all seven members died. To honor Kalpana Chawla India's latest weather satellite 'METSAT' has been named "Kalpana- I". Kalpana Chawla is still an inspiration for all the youth who dream of making wonders in the world.

AMAZING FACTS

- Kangaroo : Did you know Kangaroo cannot walk backwards.
- Number four: It is the only number that has the same number of letters.
- Hands and feet bones: Hands and feet have more than half of the bones in the human body.
- Volcanoes: Australia is the only continent in the world that has no volcanoes.



MOTHER TERESA

- JULBIKKA RIZBI (II B)

other Teresa said "Every person is a temple of God, Service to man is service to God". Mother Teresa was a teacher but she left her country and came to India to serve the poor and sick here. She built her charity home with great difficulty. She took into her home the poor, the sick, the hungry, the dying, the lonely, the unwanted and thrown away babies and gave them all new life with lots of love. She cared for each one alike. She did not choose them by caste but by love. She always said " I do not care who they are as I see God in everyone of them." She would see the face of God in everything, everyone and every place. She believed every person whether rich or poor, has the dignity and right to be loved. This feeling for others is called compassion. God has given us all this goodness but we do not use it.

MY INSPIRATION

- PRACHI GIRI (IX A)



"Failure
Should be
An option,
But giving
UP Should
NOT"

–Muniba Mazari

Nown as the "Iron lady of Pakistan". She is a wheel chair bound model and 1st UN woman Ambassador in Pakistan. She is none other than Munibas Mazari. Born on 3rd March 1987 in Pakistan. She is a model, activist, television host etc. At an early age of 21, Muniba met with a car accident which paralyzed her for the rest of her life. She was bed ridden for 2 years in hospital. Her bravery healed all her painful feeling and her "hope" raised her. People called her disabled but she called herself "differently abled". People see her disability, she sees her ability. She is my inspiration and has inspired millions of people, she is a "guru" that taught the world many important lessons of life.

REAL FREEDOM IS TRANSCENDENTAL

- SWARNA PRABHA BARO (XI COMM)

verybody wants freedom as far as \dashv talking is concerned but are we really greatest irony is that nobody really wants to be free because freedom brings along with it, responsibility. To be dependent on someone else is simple because the responsibilities are then on the other person. We talk of truth and freedom but we live in lies and slavery because each bond of slavery frees us from some responsibility. One who wants to be really free has to accept immense responsibilities. He cannot dumb his responsibilities on anybody else, whatever he does, whatever he is and he alone is responsible for himself. Freedom is a loaded word. Feelings run very high as it is either granted or denied. People argue about fight for it, die for it but do we even understand what it is?

Freedom has two sides — the first side is freedom from nationality, from a certain race, from a certain political ideology. But this is only one half and then there will come sadness — sadness because the other half is missing. Freedom 'from' is fulfilled, but freedom for what?

Freedom in itself has no meaning, unless it is freedom 'for' something, something creative – freedom to sculpt, dance, and create music, poetry and painting.

Freedom 'from' and freedom 'for' alone are not true freedom. They both together, is freedom. "The real freedom is the third kind, the transcendental freedom", says Osho. It is neither 'from' nor 'for', it is simply freedom. It is just freedom. One simply enjoys being oneself, for its own sake; it is and ends into itself.

THE POWER OF THE WORD SORRY

- SHERIN GEORGE (XI COM)

How many of us say, 'sorry' as often as we should? Realizing the errors and finding in ourselves the ability that we could also be wrong. May be only a few of us has this ability in ourselves.

In this teens particularly, it is the hardest part to admit this fact. We always justify our actions or think it to be always correct or put the blame on somebody else escaping the responsibility on ourselves. But is it right to do so?

Just try saying 'sorry' and really mean it. It works wonders. When someone is really angry with you, be it your parents, friends, teachers or anyone and their temper has reached the boiling point, you are being pulled up for some mistakes you have knowingly or unknowingly made, don't agree (as hard as it not to) let the person have their say, then just say, "I am sorry", you will see the magic formula which begins to work at that moment. It feels really good!



Admitting a mistake does not lower anyone or takes away an ounce of your pride. It eases our situations that are fiery. If we can control ourselves when someone else is angry, then we have already conquered ill temper. This is a very good quality of a human being which is not too hard to achieve. 'Sorry' is a very powerful word. It can make a heartless person feel something. So, go ahead and say 'Sorry' you will hardly need to use the word for you have mastered the art of calming a temper down.

THAT SMILE

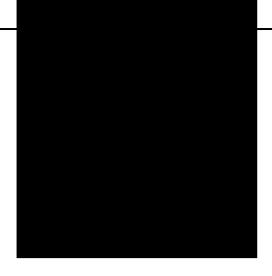
- REESHA SINGH (IX C)

Life consists of thousands of memories but some memories consists life in them.

Every time I go to sleep a flashback of your smile runs through my mind. I still remember the day when I first met you and the chocolate you offered me. It is the only gift which I still have in my treasury. I always eagerly waited for your arrival and I still wait with a hope that you will surely come one day.

Life goes on and time heals everything. I know you won't come back, I know you can't see my tears, I know you can't hear my voice but still every time the wind hits me I feel that's you, giving me your blessings. The charm of your last smile still makes my heartbeat go faster.

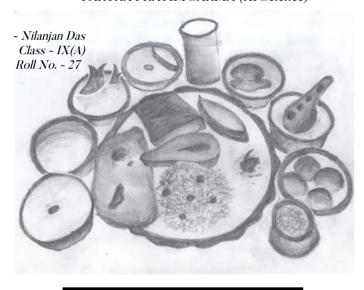
Now, whenever I gaze at the night sky, I look for the brightest star because I believe that it's you who is looking at me..... GRANDPA...



INDIAN CUISINE

- THE COALESCENCE OF FLAVOURS

- PARTHA PRATIM SARMA (XI Science)



romatic and deeply flavorful, Indian food is full of fresh ingredients, heady spices and vibrant colors. The cooking style varies from region to region and is largely divided into South Indian and North Indian cuisine.

North Indian cuisine is again an aggregation of various cultures and techniques. Kashmiri food, Mughalai, Punjabi, Rajasthani cuisine all come together to shape the renowned cuisine of the nawabs and emperors. Tandoor or clay oven is widely used for creating delicious tikkas, tandoori chicken, rotis, naans, kababs etc.

South Indian food comprises a spectrum of rice and pulses based dishes yet each one being different in flavor. Dosa, idlis, vadas, sambhar etc is served with many scintillating chutneys. South Indian cuisines also include everyone's favorite 'Biryani' complemented with a refreshing raita.

There can be made another geographical/regional division of palate which has limited use of spices and employs various traditional methods of cooking. Yes, it's the North Eastern cuisine. The seven sisters have given India many succulent recipes. Assam's masor tenga, pitha, uhar, uhorika, Mizoram's sanpiau, vawksa rep, Manipur's nga atoiba thongba, iromba etc are some to die for.

There is an emergence of a new food culture which incorporates the flavors and techniques of various traditions across the world. Chowmien, momos, chilli chicken, fried rice are all children of the various interactions between China and India (Indo- Chinese). The one thing that everyone loves is food. Man's love for food has created a gradient of culinary artworks. There may be many cuisines across the world some using cheese (Italian and American) some using sea fishes (Japanese and Lebanon) some using green stalks (Thai) but Indian cuisine stands as a winner among them, loaded with flavors, color and also medicinal properties.

EXPERIENCING TIME

- BIPASHA BAISHYA (XI SC)

word we use every day. A word that can change the world. It is the most precious and important of all. It is one of those things which cannot be controlled. It is one thing which we never have enough of. Yes, this, is nothing but a small little four letter word "TIME" which can turn the world upside down. This word to which our whole life revolves around. It is something which should be respected and understand the value of, because when this is gone it never turns back to us. We must have had heard about the phase "Time and tide waits for none", it says no matter how powerful a person is, he/she neither can stop a tide nor can stop time.

Time plays an important role in everyone's life. One can gain experience and develop skills overtime, time also helps to heal things whether external wounds and feelings.

Though time has no beginning and no end either but we people try to measure it in years, months, days, hour's etc. Time flows, it keeps on moving. What was yesterday is not today. What is today will not be tomorrow and this continues.

We need time in every aspect of life. We need to work, to rest and accomplish all the chores of living. We need time to understand the prevailing circumstances. Each of us has 24 hours a day and no one else can live this time in our place.

Therefore, to ensure best use of time in life, one needs to be very punctual and manage time very wisely. Hence, it's better not to waste time.

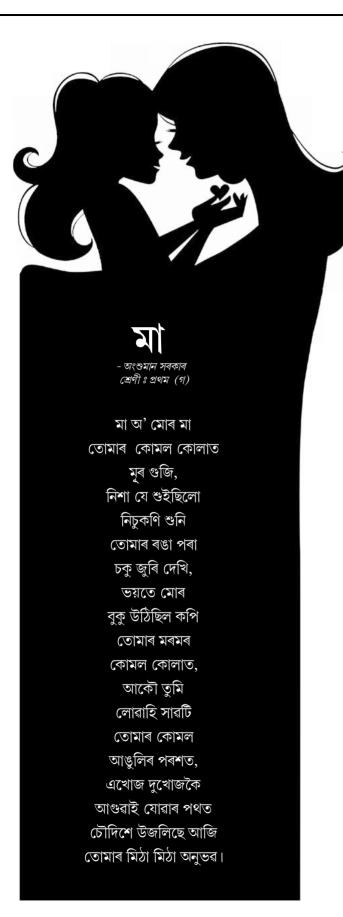
WHY MODERN GENERATION IS SO STRESSED

- BIPASHA BAISHYA (XI SC)

The one thing that pops into our mind when we think about life in the current century is "stress." It is needless to say that most people are victims of this dangerous monster and there is almost no escape from it. There are 5 major factors that increased stress levels in the current times they are-

- Rat race- The world is changing at a rate faster that we could have ever imagined. There are inventions and innovations every day. This creates a constant drive among people to strive for the best and push their limits.
- Social media-The advent of social media has worsened the condition of certain individuals and a large part of it includes the teenagers. The bustling internet crowd is always on the go, following the latest trends and exploring new places.
- Lack of outdoor activity- Be it children or adults, most of us are stuck in our schools, houses or offices with very little time outside of our air conditioned rooms. We have no form of physical exercise that will drain out the negative energy from our body.
- Financial pressure- Owing to our increased needs and demands we are bound to earn more or sometimes loans, house loans and education loans are common thing these days. This compels us to work harder and earn better. All of us are striving hard for a promotion.
- Pessimism- With all the negativity around, it takes a lot to think positive and act accordingly. We often fail to look at the brighter side of things and focus only on what we lack. Pessimism is an evil that grabs every individual in its way and destroys them. Negative thoughts and toxic people are harmful for our well being.

Assamese



আমাৰ পৰিৱেশ

- আয়ুস্মান বৰদলৈ শ্ৰেণী ঃ প্ৰথম (গ)

আমি আমাৰ চাৰিওফালৰ ঠাই আৰু ঘৰবোৰ চাফা কৰি ৰাখিব লাগে। বেমাৰ সহজে নহয় তেতিয়া। পৃথিৱী শুকাই গৈছে দিনে দিনে সেয়ে আমি পাৰো মানে গছ পুলি ৰুৱ লাগে আৰু তাত পানী দিব লাগে। প্লাষ্টিক ব্যৱহাৰ কৰিব নালাগে কাৰণ প্লাষ্টিকে পৰিৱেশ দুষিত কৰে। পৰিৱেশ চাফা থাকিলে আমাৰ স্বাস্থ্য ভালে থাকিব।

মহৎ লোকৰ বাণী

তোমাৰ অন্তৰৰ 'বিবেক' নামৰ সেই স্বৰ্গীয় জুইকুৰা সদায় জ্বলাই ৰাখিবলৈ যতুবান হ'বা।

- জর্জ ৱাশ্বিংটন

খাবৰ বাবে, পিন্ধিবৰ বাবে, স্বদেশৰ মংগলৰ বাবে যিহকে কৰে, সেয়েই কৃষ্টি।

- বিষ্ণুৰাভা

শিক্ষাৰ দ্বাৰাই মানুহৰ সুখ-দুখ উপলব্ধি কৰিব পৰা যায় আৰু দেহত সুস্থ মনৰ সৃষ্টি কৰে।

- এৰিষ্টট'ল

'মা' কোন ?

- ৰংকি কলিতা শ্ৰেণী ঃ দ্বিতীয় (ক)

যিগৰাকী মানুহে ঘৰখন আনন্দময় কৰি ৰাখে সেইগৰাকীয়ে 'মা'

যিগৰাকী মানুহৰ কোলাত অলপ সময় শোৱাৰ পাছত শৈশৱ উভতি অহা যেন লাগে 'সেইগৰাকীয়ে হ'ল 'মা' যিগৰাকী মানুহে ডাঙৰকৈ পঢ় যাতে মই পাকঘৰৰ পৰা শুনা পাওঁ তেনেকৈ কোৱাগৰাকীয়ে হ'ল 'মা'

কৰবাৰ পৰা ঘৰলৈ উভতি আহি বিচাৰি উধাতু খাই ফুৰো সেইগৰাকীয়ে হ'ল 'মা'

যিগৰাকী মানুহে ৰাতিপুৱা উঠাত দেৰি হ'লে বিচনাতে গালি পাৰে সেইগাৰীকয়ে হ'ল 'মা'

পৰিপাটিতা

-পূৰ্ণাক্ষী তালুকদাৰ শ্ৰেণীঃ দ্বিতীয় (ক)

পৰিপাটিতা শিক্ষাৰ এটা অংগ। ই জীৱনৰো এটা অংশ। পঢ়া কিতাপ বহী বা অন্যান্য সামগ্ৰী পৰিপাটি কৰি ৰাখিব লাগে। পৰিপাটিকৈ সাজ-পোছাকো লাগে। লিখা-পঢ়াকে আদি কৰি সকলো কাম পৰিপাটিকৈ কৰিব লাগে। পৰীক্ষাত প্ৰশ্নৰ উত্তৰ কৰোঁতে পৰিপাটিকৈ কৰিব লাগে। বিশৃংখলতা অতি বেয়া। সৰুৰে পৰা পৰিপাটি নহ'লে জীৱনত পৰিপাটিতা নাহে। পৰিপাতি হ'লে নিজকে ধুনীয়া লাগে। পঢ়া মেজত কিতাপ, বহী, কলম, পেঞ্চিল আদি পাৰিপাটিকৈ ৰাখিব লাগে। মেজত কিতাপ-বহী ছেদেলি-ভেদেলি কৰি থ'ব নালাগে। সেইদৰে পিন্ধা পোছাক, জোতা, মোজা আদি য'তে ত'তে দলিয়াই থ'ব নালগে। শোৱা বিছনাখনো পৰিপাটিকৈ ৰাখিব লাগে।

নোবোলো তোমাক সোণৰ অসম

- জিণিষা বৰুৱা শ্ৰেণী ঃ চতুৰ্থ (গ)

নোবোলো তোমাক সোণৰ অসম
মাটিৰ অসম আই,
সোণতকৈও যে চৰা এই মাটি
এয়ে মোৰ ওপজা ঠাই।
অতীতত তোমাৰ কি ধন আছিলে
কেলেই লাগিছে মোক
এতিয়া যে নিচেই নিচলা
দুবেলা নুগুচে শোক।
দুখীয়া হ'লেও নিচলা হ'লেও
আই মোৰ মৰমৰ
আইতকৈনো বাৰু আছেনে আপোন

সময়

- সম্ভাৱী কলিতা শ্ৰেণী ঃ চতুৰ্থ (গ)

সময় অতি গতিশীল
অবাবত নকৰিবা ব্যয়,
সময়ৰ কাম সময়ত নকৰিলে,
নিজৰেই হ'ব ক্ষয়।
নৈ সোঁতৰ স'তে তুলনা কৰি
জ্ঞানীসকলে কয়,
সময়ৰ লগত খোজ দিলেহে
জীৱন সাৰ্থক হয়।
সময়ৰ সদব্যৱহাৰ তুমি
নিজে কৰি যাবা,
তেহে তুমি জীৱনত
ভাল ফল পাবা।

বানপানী

- তন্ময়ী নাথ শ্রেণী ঃ চতুর্থ (গ)

খাল-বিল, নদ-নদী একাকাৰ কৰি; আহিল এদিন-বানপানী কালৰূপ ধৰি। আইতাই খৰ-খেদাকৈ টোপোলা বান্ধে; ককাৰ দিনৰ দুই-এপদ সম্পত্তি আছে। খুৰায়ে গোহালিৰ পৰা গৰুবোৰ আনে; খুৰীয়ে গোহালিৰ পৰা গৰুবোৰ আনে; খুৰীয়ে গোহালিৰ পৰা গৰুবোৰ আনে; খুৰীয়ে গানৰ পাচি মূৰত লৈ দৌৰে। মায়ে বাচনবৰ্তন বস্তাত ভৰাই; দেউতাই ধানৰ বস্তা পিঠিত বোজাই। বানপানী আহিলেই ৰাস্তাৰ কৰো। ভাত-মাছ খাবলৈ সুবিধা নাই; কিতাপ কাগজ বেগত ভৰাই ওপৰত ৰাখো। ডাঙৰ-ডাঙৰ মানুহ আহি মেল-মিটিং পাতে; বানপানী শুকাই গ'লে আমাক পাহৰে।

আমাৰ অসম

- তৃষ্ণা ডিহিংগিয়া শ্রেণী ঃ চতুর্থ (ক)

আমাৰ অসমখন প্ৰকৃতিৰ বিনন্দীয়া ৰূপেৰে পৰিপূৰ্ণ এখন সৌন্দৰ্যশালী ৰাজ্য। অসমৰ ৰাজধানী হৈছে দিশপুৰ। অসমক সাতভনীৰ বাকী ছয়খন ৰাজ্যই আৱৰি আছে। পূবে-নাগালেণ্ড, মণিপুৰ ম্যানমাৰ। পশ্চিমে-পশ্চিমবংগ, উত্তৰে-ভূটান আৰু অৰুণাচল। দক্ষিণে- মিজোৰাম, ত্ৰিপুৰা, বাংলাদেশ আৰু মেঘালয়।

অসমক ইংৰাজীত (আছাম) বুলি কয়। অসম এখন কৃষি প্ৰধান ৰাজ্য। চাহপাত, মৰাপাত, ধান, মাহ সৰিয়হ আৰু বিভিন্ন শাক-পাচলি এই ৰাজ্যৰ প্ৰধান কৃষি।

সেই কাৰণে বাহিৰৰ দেশত অসমৰ চাহৰ নাম আৰু দাম আছে। প্ৰাকৃতিক সৌন্দৰ্যৰ ক্ষেত্ৰত কোনো গুনেই কম নহয় আমাৰ অসমখন।

মহৎ লোকৰ বাণী - কৌধিক কলিতা শ্ৰেণীঃ পঞ্চম (ক)

অধ্যৱসায় মনত লুকাই থকা প্ৰতিজ্ঞাৰ ফুল মনত প্ৰতিজ্ঞা থাকিলে কামত অধ্যৱসায় জন্মে।

- সত্যানাথ বৰা

সত্যক কেতিয়াও ঢাকি ৰাখিব নোৱাৰি কাৰণ সত্যই অন্ধকাৰক ঘূণা কৰে।

- মহাত্মা গান্ধী

জীৱনক ভাল পোৱানে ? তেনেহ'লে সময়ৰ অপব্যয় নকৰিবা, কাৰণ জীৱন সেই বস্তুটোৰেই গঢ়া।

- বেঞ্জামিন ফ্রেংকলিন

সৰু বুলি কাকো অৱহেলা নকৰিবা, তুমি সৰু বুলি ভবা বস্তু এটাই কেতিয়াবা বিৰাট সত্যৰ সন্ধান দিব পাৰে।

- গোটে

মূৰ্খ আৰু অজ্ঞানীয়ে সত্য কি বস্তু নাজানে।

- বুদ্ধদেৱ

এজন মানুহৰ সৰ্বপ্ৰধান কাম হ'ল নিজক সহ্য কৰা। - ছিগমুগু ফ্ৰয়েড

জানানে ? ?

- ত্রিদিশা কাশ্যপ শ্রেণী ঃ পঞ্চম (খ)

প্ৰশ্ন ঃ প্ৰথম অসমীয়া ৰাজ্যপাল কোন ? উ ঃ বিষ্ণুৰাম মেধি।

প্ৰশ্ন ঃ প্ৰথম অসমীয়া মুখ্যমন্ত্ৰী কোন ? উ ঃ গোপীনাথ বৰদলৈ

প্ৰশ্ন ঃ অসমৰ জাতীয় বীৰ কোন ? উ ঃ লাচিত বৰফুকন।

প্ৰশ্ন ঃ অসমৰ পুৰণি নাম কি ? উঃ প্ৰাগজ্যোতিষপুৰ বা কামৰূপ

নেমুৰ উপকাৰিতা

- হৰচিদ আহমেদ শ্ৰেণী ঃ পঞ্চম (ক)

নেমু এবিধ অতি উপকাৰী ফল। এইবিধ ফলক আমাৰ শৰীৰৰ বন্ধু বুলিও ক'ব পাৰি। বিশেষকৈ গৰমৰ দিনত নেমুৰ ব্যৱহাৰ স্বাস্থ্যৰ কাৰণে অতিশয় উপকাৰী। পিওৰোগ, কোষ্ঠাৰ্চন্য, বমি হাইজা আদিৰ উপশম ঘটোৱাৰ ক্ষেত্ৰত নেমুক উত্তম বুলি কোৱা হয়। নেমুত প্ৰচুৰ পৰিমাণে ভিটামিন 'চি' থাকে। সেয়ে নেমু খালে শৰীৰৰ ৰোগ প্ৰতিৰোধক ক্ষমতা দ্ৰুত গতিৰে বৃদ্ধি পায়। আমাৰ শৰীৰটোক ৰোগৰ পৰা ৰক্ষা কৰাৰ উপৰি নেমুৱে সৌন্দৰ্য বৃদ্ধিতো সহায় কৰে। গৰমৰ দিনবোৰত পানীত নেমুৰ ৰস দি স্নান কৰিলে বা স্নানৰ পূৰ্বে নেমু এটা কাটি লৈ সমগ্ৰ শৰীৰত ঘঁহিলে ছাল পৰিষ্কাৰ হয় আৰু গাৰ ৰং উজ্জ্বল হয়। আধা কাপ গাজৰৰ ৰসত নেমুৰ ৰস চেপি লৈ খালে বক্তহীনতা দূৰ হয়। নেমু ৰসত চেনি মিলাই ভালদৰে গুলি লৈ চুলিৰ গুৰিত লগাই এফন্টাৰ পাছত ভালদৰে মূৰ ধুলে উফি দূৰ হয় আৰু চুলি সৰা বন্ধ হয়।



প্রশ্ন ঃ প্রথম অসমীয়া গদ্য লেখক কোন ? উ ঃ ভট্টদেৱ

প্রশ্ন ঃ প্রথম অসমীয়া ছপা পুথিখন কি? উ ঃ ধর্মপুক্তক

ব্ৰজন ভোদা ল'ৰা

- হিমাংশু দাস শ্রেণীঃ পঞ্চম (ক)

এখন সৰু গাঁৱত প্ৰায় ৫০ ঘৰমান মানুহ বসবাস কৰিছিল। সেই গাঁওখনত প্ৰায় দহ-এঘাৰ বছৰীয়া ল'ৰা কেইজনমান আছিল। তাৰে ভিতৰত এজন ল'ৰা অলপ ভোদা প্ৰকৃতিৰ আছিল। সি সৰুৰে পৰা পঢ়া-শুনা, কথা-বতৰা সকলোতে লেহেমীয়া গতিৰ আছিল আৰু সেয়েহে তাক সকলোৱে ভোদা বুলি মাতিছিল। আৰু তাৰ লগৰবোৰে তাক খেলা-ধূলাত ল'বলৈ টান পাইছিল। কিন্তু তাৰো খেলিবলৈ মন যায় বাবে সি লগৰবোৰৰ মাজত সোমাই এনেয়ে খেলি থাকে। এদিন সিহঁতে এটা পুখুৰীৰ পাৰত বল খেলি আছিল। হঠাৎ এজন ল'ৰা পুখুৰীত পৰি গ'ল আৰু সি পানীত পৰি ককবকাবলৈ ধৰিলে। তেতিয়া তাৰ লগৰ কোনেও তাক বচাবলৈ আগবাঢ়ি অহা নাছিল। তেতিয়া ভোদাৰ এটা কথা মনত পৰিলে যে দেউতাকে তাক এদিন কৈছিল মানুহে বোলে পানীত পৰিলে চুলিত ধৰি উঠাই আনিব লাগে। লাহে লাহে ভোদাই পুখুৰীটোৰ ফালে আগবাঢ়ি গৈ পানীত নামি লৰাটোৰ চুলিত ধৰি পাৰলৈ উঠাই আনিলে। তেতিয়া লগৰবোৰে আহি ভোদাক সুধিলে। 'ভোদা তই ইমান সাহস ক'ৰ পৰা পালি' ভোদাই ক'লে 'এইটো কথা মই দেউতাৰ পৰা শুনিছিলো। এনেদৰে ভোদাৰ সাহসিকতা দেখি সকলোৱে তাক ভাল পাবলৈ ধৰিলে আৰু সিহঁতৰ লগত সমানে খেলা-খেলিবলৈ সুযোগ পালে।

মেঘৰঞ্জনী

- স্বপনিল ফুকন শ্রেণী ঃ পঞ্চম (ক)

সেউজী ধৰাৰ
তুমি ৰাণী মেঘৰ জ্ঞাতী
তোমাতেই আমাৰ ধ্যান,
তুমিয়েই আমাৰ প্ৰাণ,
লঠঙা শিমলু
ৰঙা মদাৰৰ তুমি লাজৰ উৰণী
শাওনৰ চিৰাল ফাট
পথাৰত দেউতাৰ দুখৰ ৰঙনী
ক'লা মেঘৰ আৰে আৰে,
মিচিকি হাঁহিবে,
ৰাণী তুমি মেঘৰ জ্ঞাতী!
এজাক মুষলধাৰ বৰষুণত
সেউজী ধৰণী
দেউতাৰ মুখত

গোঁফ থকা পক্ষী

- হৰচিদ আহমেদ শ্ৰেণী ঃ পঞ্চম (ক)

বহু পক্ষীৰে গোঁফ থকা দেখা যায়। কিন্তু সবাতোকৈ দীঘল গোঁফৰ অধিকাৰী হ'ল ডার্ক গ্রেলিমেজড বা ইনকা টার্ন পক্ষী। দুহাত মেলি ধৰাৰ ঠোঁটৰ দুফালে মতা মাইকী উভয়ৰে গোঁফ থাকে ৰঙা ৰঙৰ ঠোঁটৰ দুফালে গোঁফ থাকে। কিন্তু এটা ইনকা সভ্যতাৰ সতেও এইবিধ পক্ষীৰ সামান্য সম্পৰ্ক আছে। বংশবৃদ্ধিৰ কাৰণে ইনকা টার্নে উত্তৰ পেৰুৱা পৰা মধ্য চিলী, অৰ্থাৎ দক্ষিণ আমেৰিকা মহাদেশৰ পশ্চিম উপকুলত উপস্থিত হয়। সেই প্রাচীনকালত ইনকাসকলে ৰাজত্ব কৰিছিল। সেইবাবেই চৰাইবিধৰ নাম ৰখা হৈছে ইনকা টাৰ্ণা সৰু মাছেই ইহঁতৰ প্ৰধান খাদ্য। ইহঁত দক্ষ চিকাৰী। চিলনিৰ দৰেই আকাশৰ পৰা লক্ষ্য স্থিৰ কৰি একে চোঁচাই নামি আহি পানীৰ তলৰ পৰা মাছ ঠাপ মাৰি ধৰি নিয়ে। সেই বাবেই ইহঁতে সাগৰীয় অঞ্চলত বসবাস কৰে। মাহৰ উপৰী ইনকা টাৰ্নে হী লায়ন, ডলফিল আদিয়ে খাই খাই এৰা উচিষ্ট আৰু জাহাজৰ লেতেৰা পেলাই দিয়া খাদ্য আদিও খায়।

জীৱনৰ অৰ্থ বিচাৰি

- স্বপনিল ফুকন শ্রেণী ঃ পঞ্চম (ক)

প্রতিক্ষণে জীৱন সময় গৈ আছে উৰি, পাৰিব জানো

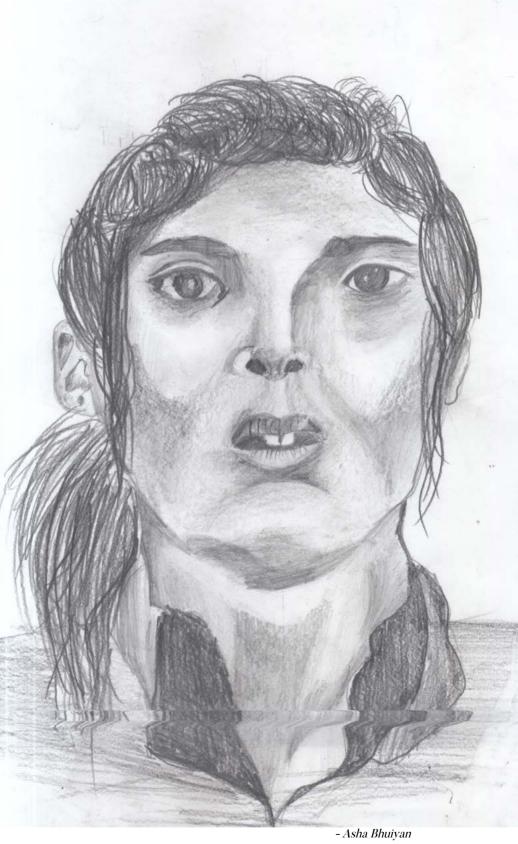
কোনোবাই ৰাখিব সময়ক ধৰি, যেন কাৰোবাৰ নিৰ্দেশত বিশ্বব্ৰহ্মাণ্ড আছে চলি, ৰাতিৰ

পাছত দিন, দিনৰ পাছত ৰাতি। দেখুৱাই দিয়া জীৱন-লক্ষ্য প্ৰভু ক'ৰবাত আছা যদি, কৈশোৰ আৰু যৌবনৰ এই সন্ধিক্ষণত পৰি কণা হৈ পৰিছো বগলীৰ দৰে বহু বাট দেখি। মই দেখিছো বিভিন্ন বাটেৰে যোৱা হেজাৰ নৰ-নাৰী কিন্তু মই থমকি আছো ৰৈ, সেই একে দুবিধাক সাৱটি গৈ আছে জীৱন, গৈ আছো মই মোৰ জীৱনৰ অৰ্থ বিচাৰি।

দুৰন্ত অসম জীয়ৰী হিমা দাস

- হিমাংকি বৰা শ্ৰেণী ঃ তৃতীয় (খ)

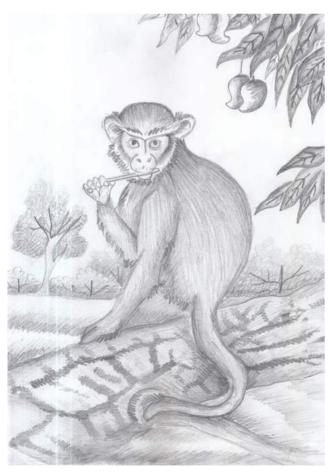
ফিনলেণ্ডৰ টেম্পেৰে চহৰত অনুষ্ঠিত ২০ অনুধৰ্ব বিশ্ব এথলেটিকস্থ চেম্পিয়নশ্বিপৰ ৪০০ মিটাৰ দৌৰত অসম জীয়ৰী হিমা দাসে স্বৰ্ণ পদক দখল কৰিছে। ভাৰতীয় সময় মতে যোৱা ৰচ জুলাইৰ নিশা ১০.৪০ বজাত ৰেটিনা ষ্টেডিয়ামত অনুষ্ঠিত ফাইনেলত হিমাই কেৰিয়াৰৰ শ্ৰেষ্ঠ সময়েৰে ৫১.৪৬ ছেকেণ্ডত প্রথম স্থানত দৌৰ সমাপ্ত কৰে। প্রথম অৱস্থাত হিমাৰ আৰম্ভণি সিমান দ্ৰুত নাছিল যদিও ২০০ মিটাৰ অতিক্ৰম কৰাৰ পাছত অসম জীয়ৰীয়ে নিজৰ গতি বৃদ্ধি কৰি সকলোকে চমক দেখুৱায়। হিমাৰ এই সাফল্যত সমগ্ৰ দেশতে চাঞ্চল্যৰ সৃষ্টি হৈছে। এই বিশ্বজয়েৰে হিমাই ভাৰতীয় এথলেটিকছত জগতৰ ইতিহাসত এটা স্বৰ্ণিল অধ্যায়ৰ সূচনা কৰিলে। নগাঁও জিলাৰ ধিঙৰ কান্ধলীমাৰী পামৰ গাঁৱৰ এটা সাধাৰণ পৰিয়ালত জন্মগ্ৰহণ কৰা হিমাই মাত্ৰ দটা বছৰৰ ভিতৰতে ভাৰতীয় এথলেটিকছ জগতক বিস্মিত কৰি তুলিছে। দুবছৰৰ আগতে কান্ধলীমাৰীৰ পথাৰৰ বোকা-পানী গচকি ল'ৰাৰ লগত ফুটবল খেলা ছোৱালীগৰাকী আজি বিশ্ব যুৱ এথলিটৰ মঞ্চত সম্ৰাজ্ঞীসদৃশ। কোনো দিনেই ট্ৰেকত দৌৰি নোপোৱা হিমাৰ এনে সাফল্যৰ কাহিনী ভাৰততে নহয় বিশ্বতে বিৰল।



চিম্পাঞ্জী

- আয়ুশী নাগ শ্রেণী ঃ ততীয় (খ)

চিম্পাঞ্জীবোৰ হৈছে এক বিশেষ ধৰণৰ বান্দৰ। ইহঁত হৈছে সকলোতকৈ বুদ্ধিমান বান্দৰ। ধৰা ইহঁত জানিবা ঠিক মানৱ জাতিৰ দৰেই এবিধ উন্নত জাতৰ প্ৰাণী। আচলতে মানুহৰ লগত আটাইতকৈ বেছি সাদৃশ্য থকা বান্দৰবিধেই হ'ল চিম্পাঞ্জী। ইহঁতৰ মানুহতকৈ বেলেগ কথাকেইটা হ'ল য়ে, মানুহৰ ১২ যোৰ কামিহাড় থাকে আৰু চিম্পাঞ্জীবোৰৰ থাকে ১৩ যোৰ। অৱশ্যে আন আন বান্দৰবোৰৰ দৰে ইহঁতৰো গাটো ক'লা বৰণৰ নোমেৰে ঢকা যদিও মুখত কিন্তু নোম নাথাকে। বয়স বাঢ়ি অহাৰ লগে লগেহে ইহঁতৰ মুখত ধোৱাবৰণীয়া নোম গজিবলৈ ধৰে। চিম্পাঞ্জীবোৰৰ ঠেং আৰু হাতোৰাত নখ আছে। বিজ্ঞানীসকলে পৰীক্ষা কৰি এইটো জানিব পাৰিছে যে চিম্পাঞ্জীবোৰে অতি কমেও কুৰিটা বেলেগ-বেলেগ মাত বা শব্দ উলিয়াব পাৰে, যাক চিম্পাঞ্জীৰ ভাষা বুলি জনা যায়।



- Hittakhi Boro Class - VII (A) Roll No. - 16

গৰম পানীৰ উঁহ

- দিশা দাস শ্রেণী ঃ তৃতীয় (খ)

গৰম পানীৰ উহঁবোৰ হৈছে ভূ-গৰ্ভৰ পৰা ওলাই অহা বিভিন্ন খনিজ পদাৰ্থৰে ভৰা পানীৰ উঁহ বা প্ৰস্ৰৱণ। অসমৰ গোলাঘাট জিলাৰ নামবৰ হাবিত এনে গৰম পানীৰ উহঁ দেখা যায়। এই তপত পানীৰে গা ধুলে ছালৰ নানাবিধ ৰোগ নাশ হয় বুলি কোৱা হয়। পৃথিৱীৰ বিভিন্ন প্ৰান্তত প্ৰাকৃতিকভাৱে সৃষ্ট এনে ভালেমান গৰম পানীৰ উহঁ আছে। তাৰেই মাজত, মার্কিন যুক্তৰাষ্ট্ৰৰ ইয়েল স্টোন ৰাষ্ট্ৰীয় উদ্যানত পৃথিৱীৰ আটাইতকৈ বেছি গৰম পানীৰ উঁহ একেলগে থুপ খাই আছে। তেনেই শেহতীয়া সমীক্ষা অনুসৰি, বৰ্তমানে এই উদ্যানখনত ৫০০ ৰো বেছি এনে উই সক্রিয় অৱস্থাত আছে। তাৰেই মাজৰ আটাইতকৈ ওখ উহঁটোৰ নাম হ'ল 'ষ্টিমবোট। ইয়াৰ পানীৰ উচ্চতা গড়ে ১২০ মিটাৰ পর্যন্ত হয় বুলি লিপিবদ্ধ কৰা আছে।

আমাৰ বিদ্যালয়

- সম্প্রীতি গৌতম শ্রেণী ঃ দ্বিতীয় (গ)

অতিকে ধুনীয়া আমাৰ এছ এফ এছ
তাতে ভালকৈ পঢ়ি মই হ'ম
ডাক্তৰ নাইবা আই এছ
আমাৰ ছাৰ, বাইদেউহঁত
অতিকে মৰমিয়াল
ভালকৈ শিকাই বুজাই
প্রতিদিনে ৰাখে খেয়াল
আমাৰ বিদ্যালয়ত আছে
ৰং বিৰঙৰ ফুল
ফুলৰ সুবাসে, কৰে আমোলমোল
সপ্তাহত এদিন খেল-ধেমালি কৰে।
খেলৰ শেষত আমি ভাগৰি পৰো
ছুটিৰ শেষত মই মাৰ লগত যাওঁ
ভাত-পানী খাই অলপ জিৰণি লওঁ।

দেউতা

- ৰিশিকা কৌশিক শ্ৰেণী ঃ তৃতীয় (খ)

দেউতা এনে এজন মানুহ যি মোৰ হাঁহিৰ বাবে নিজৰ দুখ লুকুৱাই ৰাখে দেউতা এনে এজন মানুহ যিজনে মোৰ প্ৰথম আৰু প্ৰিয় নায়ক. দেউতা এনে এজন মানুহ যিজনৰ দুচকুত মোৰ সফলতাৰ মুখৰ চকুলো বিৰিঙে, দেউতা এনে এজন মানুহ যিজনে মোক সদায় বিশ্বাস কৰে, দেউতা এনে এজন মানুহ যিজনে এনে এজন মানুহ যিজনে মোক সঠিক পথৰ ঠিকনা দিয়ে, দেউতা এনে এজন মানুহ যিজনৰ মৰম শেষ হৈ নাযায় দেউতা এনে এজন মানুহ যিজনক মই কেতিয়াও পাহৰিব নোৱাৰিম দেউতা এনে এজন মানুহ যিজনৰ শূন্যতা আনে পুৰাব নোৱাৰে, দেউতা মই তোমাক বহুত ভালপাও

তুমি য'তেই থাকা শান্তিত থকা সুখত থাকা।

- Aishwaraya Rai Class - VII (B) ভ াৰতৰ মহামান্য ৰাষ্ট্ৰপতি, বিজ্ঞানী, স্বপ্নদ্ৰস্তা মিছাইলমেন ড°এ পি জে আব্দুল কালামৰ বিষয়ে লিখাটো মোৰ বাবে দুঃসাধ্য। তথাপি মোৰ মানস পটত জিলিকি থকা মাননীয় ড° এ পি জে আব্দুল কালাম দেৱৰ বিষয়ে চমুকৈ লিখাৰ প্ৰয়াস কৰিছো।

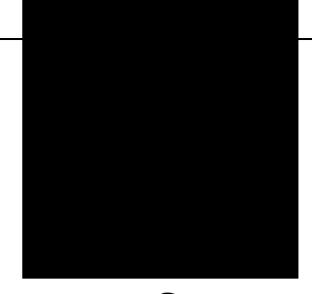
কালামদেৱৰ জীৱন দৰ্শনে মোক সৰুৰ পৰাই আকৰ্ষণ কৰি আহিছে। এটা দুখীয়া পৰিয়ালত জন্ম গ্ৰহণ কৰি নানা, দুখ কষ্ট্ৰৰ মাজেৰে তেওঁৰ নিজৰ লক্ষ্যত উপনীত হৈছিল। ১৯৩১ চনৰ ১৫ অক্টো বৰত তেওঁৰ জন্ম হৈছিল তামিলনাডু ৰাজ্যৰ ৰামেশ্বৰম নামৰ এখন সৰু গাঁৱত। তেওঁৰ পিতৃৰ নাম জয়নাল তাবেদিন আৰু মাকৰ নাম আচিয়ান্মা। ঘৰৰ পাঁচটা ল'ৰা-ছোৱালীৰ ভিতৰত কালাম আছিল সকলোতকৈ সৰু আৰু সকলোৰে আলাসৰ লাৰু। কালামৰ মাক আছিল অতিথি পৰায়না এগৰাকী আদর্শ মহিলা। মাকৰ লগত কালামে পাক ঘৰত মজিয়াত বহি ভোজন কৰিছিল। দেউতাক জয়নাল আবেদিনে পৰিয়ালটোক আৰাম আৰু বিলাণি স তা পৰিহাৰ কৰি অনাড়ম্বৰ জীৱন যাপন কৰিবলৈ শিকাইছিল।

কালামৰ গাঁওখন আছিল মুছলমান প্ৰধান, কেইঘৰ মান হিন্দু মানুহ আছিল। দুয়োটা পৰিয়ালৰ মাজত আছিল সম্ভাৱ আৰু সম্প্ৰীতি।

ৰামেশ্বৰমৰ ছামিয়াৰা বিদ্যালয়ত কালামে প্ৰাথমিক শিক্ষা গ্ৰহণৰ বাবে নামভৰ্তি কৰিছিল। বিদ্যালয়ৰ প্ৰতিজন শিক্ষকে তেওঁক বৰ মৰম কৰিছিল। ইয়াৰ মূল কাৰণ আছিল কালাম আছিল নিৰ্জু আৰু মৰমীয়াল স্বভাৱৰ। কালামে প্ৰাথমিক শিক্ষা শেষ কৰি মাধ্যমিক শিক্ষা গ্ৰহণৰ বাবে জিলা সদৰ ৰামনাথ পুৰমলৈ যাবলৈ দেউতাকৰ পৰা প্ৰামৰ্শ বিচাৰিছিল।

জীৱনত উন্নতি কৰিবলৈ হ'লে ঘৰ এৰি যাৱই লাগিব, এয়াই আছিল দেউতাকৰ বক্তব্য ইচ্ছা বিশ্বাস আৰু আশা এই তিনিটা প্ৰধান গুণ আয়ত্ব কৰি ল'ব পাৰিলে জীৱনত যি হবৰ ইচ্ছা তাকে হ'ব পাৰি। মনত তীব্ৰ বাসনা থাকিলে জীৱনটোত নিজৰ লক্ষ্যত উপনীত হ'ব পাৰি। নিষ্ঠা আৰু বিশ্বাস থাকিলে মানুহে নিজৰ ভাগ্য নিজে গঢ়িব পাৰি। উক্ত বাক্য কেইটাই কালামৰ জীৱনত বিশেষ প্ৰভাৱ পেলাইছিল। ভৱিষ্যত ৰঙীন জীৱনৰ কল্পনা কৰিছিল।

ড ° এ পি জে আব্দুল কালাম দেৱৰ ব্যক্তিত্বক সন্মন জনাই ভাৰতবৰ্ষৰ নাগৰিকে তেওঁক ৰাষ্ট্ৰপতি পদত অধিষ্ঠিত কৰিছিল। কালামৰ জীৱনৰ পৰা আমাৰ শিকিব লগা বহুতো আছে। তেওঁ আমাক সপোন দেখিবলৈ শিকাইছে, দেশৰ প্ৰতি দায়বদ্ধ হ'বলৈ শিকাইছে। তেওঁৰ কৰ্মত কোনো ধৰ্মীয় সংকীৰ্ণতা নাই। তেওঁ আমাৰ বাবে সদায় প্ৰেৰণাৰ উৎস।



ড° এ.পি.জে আব্দুল কালাম

- পৰিস্মিতা দাস শ্ৰেণীঃ তৃতীয় (ক)



ৰূপমৰ অনুভৱ

– জীপাল নন্দিনী বৰবৰুৱা শ্ৰেণী ঃ তৃতীয় (ক)

ৰূপমৰ বয়স প্ৰায় ৮ বছৰ। সি তাৰ মাক দেউতাকৰ লগত এখন সৰু চহৰত বাস কৰে। তাৰ মাক দেউতাকে তাক বহুত মৰম কৰে। কিন্তু, মাক দেউতাকে তাক কিবা সহায় কৰি দিবলৈ ক'লে অকণো নুশুনিছিল।

এদিন দেওবাৰে পুৱা গাঁৱৰ পৰা তাৰ ককাক সিহঁতৰ ঘৰত ফুৰিবলৈ আহিল। তাৰ মনত বৰ ৰং। ককাক আহি পোৱাৰ লগে লগে তাৰ মাক দেউতাকে ভৰি চুই সেৱা জনালে। গা ধুবলৈ মাকে গামোচা-কাপোৰ যতনাই দিলে। দেউতাকেও ককাকৰ বাবে কিবা কিবি বজাৰ কৰিবলৈ ওলাই গ'ল। ৰূপমে কথাবোৰ মন কৰি আছিল। মাক দেউতাকে ককাকৰ প্ৰতি কৰা শ্ৰদ্ধা মৰম দেখি তাৰ মনতো এনেই বৰ ভাল লাগি গ'ল। ককাকে ৰূমপক কোলাত বহুৱাই মৰম কৰিলে আৰু আইতাকে বনাই দিয়া পিঠাৰ টোপোলাটো তাক আগবঢ়াই দিলে। সি দিনটো ককাকৰ পৰা বহুত সাধু কথা শুনিলে। ককাকে তাক আৰু শিকালে যে নিজৰ পঢ়া শুনাৰ উপৰিও মাক দেউতাকক সৰু সুৰা ঘৰুৱা কামতো সহায় কৰিব লাগে।

কিছুদিন থাকি ককাক পুনৰ গাঁৱলৈ গুচি গ'ল। ৰূপমৰ মনটো বৰ বেয়া লাগিল। মনটো মাৰি থকা দেখি মাক দেউতাকে তাক মৰমেৰে ওচৰলৈ মাতিলে। ৰূপমে এখোজ দুখোজকৈ মাক-দেউতাকৰ ওচৰলৈ আহিল আৰু ক'লে — তোমালোকে ককাক মৰম কৰাৰ দৰে ময়ো তোমালোকক সদায় মৰম কৰিম আৰু কথা শুনিম দেই। তাৰ কথা শুনি মাক দেউতাকে তাক মৰমতে সাবটি ধৰিলে।

মা-দেউতা

– দ্বীপশিখা শর্মা শ্রেণী ঃ তৃতীয় (ক)

আমাৰ অতি মৰমৰ মা-দেউতা। যাৰ কাৰণে আমি এই সুন্দৰ পৃথিৱীখন দেখা পাইছো। য'ত নেকি আমাৰ সুখৰ কাৰণে তেওঁলাকে কিমান যে দুখ-কস্ট সহ্য কৰে। তেওঁলোকে আমাক দুখ কস্ট নোপোৱাকৈ বহুত মৰম চেনেহেৰে ডাঙৰ দীঘল কৰে। আমাৰ সকলোৰে মা-দেউতাই তেওঁলোকৰ সন্তানক ভালকৈ পঢ়া-শুনা কৰি এজন ভাল মানুহ হোৱাটো বিচাৰে। সেই গতিকে আমিও তেওঁলোকৰ মনত দুখ পোৱা কাম নকৰি তেওঁলোকক সন্মান কৰি তেওঁলোকে দেখুৱাই দিয়া বাটে দি আগবাঢ়ি যাব লাগে। তেতিয়াহে আমি জীৱনত এজন ভাল মানুহ হোৱাৰ লগতে আমাৰ মা-দেউতা আৰু দেশৰ সন্মান ৰক্ষা কৰিব পাৰিম।

ভাৰত জননী

- নিকিতা ছেত্রী শ্রেণী ঃ সপ্তম (খ)

তোমাৰ কোলাত জনমি আই
দেখিলো এই ধৰাখন
তোমাৰ বুকুতে উমলি জমলি
গঢ়িছো জীৱন ধন।
চৰাই পাখিৰ মৰম চালিৰে
তুলি তালি কৰি ডাঙৰ
তুমি অবিহনে ভাবো মই
শূন্য ধৰাখনে
ধৰাৰ বুকুত মোৰ বুলি কোৱা
তুমিয়ে মোৰ জীৱন
পাহৰিব নোৱাৰো তোমাৰ সত্ত্বাক

জীয়াই আছোঁ মই

– ৰাণী কুমাৰী শ্ৰেণী ঃ সপ্তম (খ)

কোনোৱাই সুধিলে আছানে ?
আছোঁ বুলি ক'বলৈ
নিঃসংগ মোৰ এই জীৱন
বৰ অসহন
বাস্তৱ মোৰ বাবে
বৰ নিষ্ঠুৰ
অভিনয় কেৱল অভিনয়
সংসাৰ নাটঘৰত সুখ আনন্দ
আৰু জীৱাই থকাৰ অভিনয়
কিন্তু জীৱন এক বিশাল সাগৰ।

আহিবনে সুদিন

– জেনিফাৰ ইয়াছমিন শ্ৰেণী ঃ ষষ্ঠ (ক)

দিনবোৰ সলনি হ'ল

সময়ৰ গতিত।

যান্ত্ৰিকতাৰ শব্দময় পৃথিৱীত

বাস কৰিছো এতিয়া আমি।

নিৰ্দয় নিষ্ঠুৰ জঘন্য মানুহেৰে

ঠাহ খাই পৰিছে আজি

সৌন্দৰ্যময়ী পৃথিৱীখন।

দিশে দিশে ভাহি আহে মাথোঁ

হিয়াভগা কান্দোনৰ সুৰ

মর্মান্তদ বিননি।

মৰমবোৰ হেৰাল

নিৰ্মল স্নেহ প্ৰণয় প্ৰীতিবোৰ

বিল্প্ডীৰ পথত ধাৱমান আজি

জীৱ শ্ৰেষ্ঠ মানৱৰ।

আহিবনে সুদিন?

হবনে নিঃশেষ

কু-সংস্কাৰ দুষ্কৰ্ম

হত্যা-ধৰ্ষণ, জাতি-ধৰ্ম, সৰু-বৰ?



– আশ্বনা ।বশ্বাস শ্ৰেণী ঃ ষষ্ঠ (ক)

প্ৰশ্নঃ বিশ্বৰ আটাইতকৈ পুৰণি খেলবিধ কি?

উত্তৰ ঃ ধনুবিদ্যা বা আৰ্চাৰি।

প্ৰশ্ন ঃ বিশ্বৰ সৰ্বশ্ৰেষ্ঠ ফুটবল প্ৰতিযোগিতাখনৰ আচল নাম কি?

উত্তৰঃ ফিফা কাপ।

প্ৰশ্ন ঃ বছৰৰ দীঘল দিন কোনটো ? উত্তৰ ঃ ২১ জন

প্ৰশ্ন ঃ বছৰৰ ছুটি দিন কোনটো উত্তৰ ঃ ২২ ডিচেম্বৰ

প্ৰশ্ন ঃ বিশ্বৰ দ্বিতীয় সৰ্বাধিক জনবহুল দেশ কোনখন ? উত্তৰ ঃ ভাৰতবৰ্ষ

প্ৰশ্ন ঃ বিশ্বৰ আটাইতকৈ ডাঙৰ আগ্নেয়গিৰি কোনখন? উত্তৰ ঃ জাপানৰ মাউণ্ট আচো।

প্ৰশ্ন ঃ বিশ্বৰ আটাইতকৈ কম জনসংখ্যা থকা দেশ কোনখন? উত্তৰ ঃ ভেটিকান চিটি।

প্ৰশ্ন ঃ বিশ্বৰ আটাইতকৈ শীতল ঠাই কোনখন ? উত্তৰঃ ভামুয়ান' (ছাইবেৰিয়া)

প্ৰশ্ন ঃ বিশ্বৰ ক্ষুদ্ৰ দ্বীপটোৰ নাম কি ? উত্তৰ ঃ উমানন্দ।



– বৈভৱ তালুকদাৰ শ্ৰেণী ঃ সপ্তম (ক)

সৰু সৰু চৰাই বোৰে

ফুলৰ মৌ চোহে,

নানা ৰঙী ফুলবোৰেও

আকোঁৱালি ধৰে।

সৰু জোঙা ঠোঁট টিৰে

ফুলৰ মৌকোঁহ খাই,

উৰি-উৰি নাচি বাগি

জীৱনটো জীয়াই।

নানা ৰঙী পাখি জুৰিৰে পৰিভ্ৰমী ফুৰে,

ধল পুৱাতে সুৱদী গীতেৰে

আমাক জগাই দিয়ে

সাঁথৰ

– হিয়া ৰাজবংশী শ্ৰেণী ঃ সপ্তম (ক)

কাক কি কোৱা হয়?

- বৈভৱ তালুকদাৰ শ্ৰেণী ঃ সপ্তম (ক)

জগতগুৰু ঃ শ্ৰীমন্ত শংকৰদেৱ

ৰসৰাজ ঃ লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা

বিহগী কবি ঃ ৰঘুনাথ চৌধৰী

শেৱালী কবি ঃ ৰত্নকান্ত বৰকাকতি

প্ৰতিমাৰ খনিকৰ ঃ চন্দ্ৰকুমাৰ আগৰৱালা

ৰূপকোঁৱৰ ঃ জ্যোতিপ্ৰসাদ আগৰৱালা

পণ্ডিত প্ৰৱৰ ঃ কৃষ্ণকাস্ত সন্দিকৈ

কলাগুৰুঃ বিষ্ণু প্ৰসাদ ৰাভা

নটসর্য ঃ ফণী শর্মা

দেশভক্ত ঃ তৰুণৰাম ফুকন

পশুৰাজ ঃ পশুৰ ৰজা

গজৰাজঃ হাতীৰ ৰজা

দৈত্যৰাজ ঃ দৈত্যৰ বা দানৱৰ ৰজা

গিৰিৰাজ ঃ গিৰিৰ বা পৰ্বতৰ ৰজা

দেৱৰাজ ঃ গিৰিৰ বা পৰ্বতৰ ৰজা

দেৱৰাজ ঃ দেৱৰ ৰজা

ঋষিৰাজ ঃ ঋষিৰ ৰজা

জন্ম হ'লে ৰঙা মৃত্যু হওঁতে ক'লা কি বস্তু সেইটো কোৱা? উ ঃ জুইৰ আঙঠা

গছৰ ওপৰত গুটি, গুটিৰ ওপৰত গছ, ইটো কি নিলজৰ সঁচা ? উ ঃ আনাৰস

সৰুৰ পৰা ডাঙৰ হ'লো নিজৰ পাচখন দেখা নাপালো? উ ঃ পিঠি

হাত নাই ভৰি নাই, বেগাই যায় গাত মাংস নাই, সকলোৱে খায় ?

উঃ পানী

অসমীয়া কৌতুক

- নিৱনিতা কলিতা শ্রেণী ঃ সপ্তম (ক)

পৰীক্ষা শেষ হোৱাৰ পাছত দুই বাদ্ধৱীৰ কথোপকথন মীনা ঃ আজি তোমাৰ পৰীক্ষা কেনেকুৱা হ'ল ? পূজা ঃ আৰু নকবা বাদ্ধৱী, একো এটাও লিখিব নোৱাৰিলো, পুৰাপুৰি খালী থকা বহীখন জমা দি আহিলো। মীনা ঃ কি কোৱা, মইও একেই, পুৰাপুৰি খালী উকা বহীখনেই জমা দি আহিলো। পূজা ঃ ইয়ে ৰাম খালী খালী, এতিয়া চাৰে ভাবিব মই তোমাৰ পৰা চাই চাই লিখিছো বুলি ধেইত।

শিক্ষক ঃ এজনী গাঁই গৰুৱে দিনে ৪ লিটাৰ গাখীৰ দিলে, সপ্তাহত কিমান লিটাৰ গাখীৰ দিব?

ছাত্ৰ ঃ চাৰ ২৪ লিটাৰ

শিক্ষকঃ কেনেকৈ ২৪ লিটাৰ হ'ব?

ছাত্ৰ ঃ ৰবিবাৰে যে বন্ধৰ দিন, চাৰ।

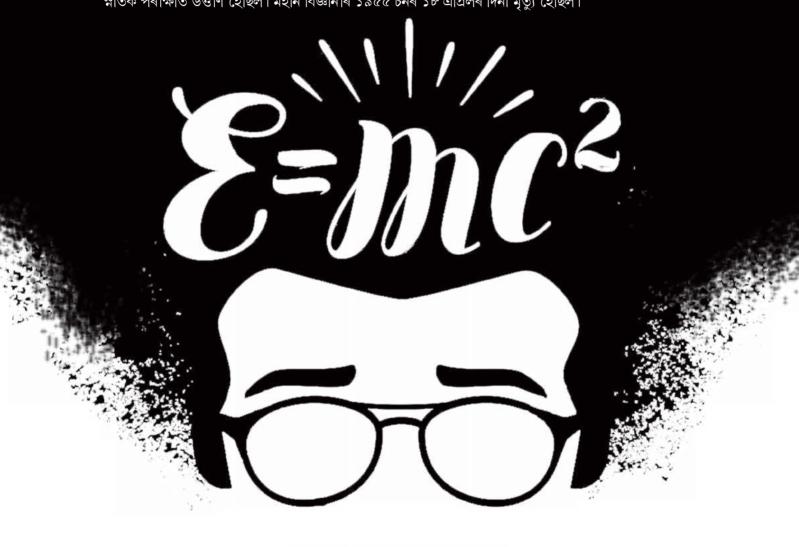
জীয়েক ঃ মা-দেউতাই কৈছে আমাৰ পূৰ্বপুৰুষ হেনো বান্দৰ আছিল, কথাটো হয় নেকি ? মাক ঃ মই সঠিক ক'ব নোৱাৰিম মাজনী, তোৰ দেউতাৰৰ পূৰ্বপুৰুষ কাকো মই দেখাই নাই নহয়।

এলবার্ট আইনস্টাইন

- শ্রেয়া দেব শ্রেণী ঃ সপ্তম (ক)

সেইদিনা ৰাতি এলবাৰ্টৰ টোপনি নাহিল। ১৮৭৯ চনৰ ১৪ মাৰ্চ দিনা জাৰ্মানিৰ উলম্ চহৰত এলবাৰ্টৰ জন্ম হয়। তেওঁৰ দেউতাকৰ নাম হাৰমেন আইনষ্টাইন আৰু মাকৰ নাম পাউলিপ আইনষ্টাইন। এলবাৰ্টৰ এবছৰ বয়সতে হাৰমেনে ব্যৱসায় বঢ়াবলৈ মিউনিক চহৰলৈ আহে। তাত তেওঁ বৈদুতিক যন্ত্ৰপাতি আৰু ৰাসায়নিক দ্ৰব্যৰ ব্যৱসায় কৰিছিল। মাক পাউলিনৰ সংগীতৰ প্ৰতি যথেষ্ট ৰাপ আছিল। সৰুৰে পৰা আইনষ্টাইনে বেহেলা বজাবলৈ শিকে আৰু সেই অভ্যাস শেষ বয়সলৈকে আছিল। দুবছৰ বয়সত তেওঁৰ ভনীয়েক মাজাক জন্ম হৈছিল।

এলাবার্টে মিউনিকত পঢ়ি থাকোতেই পৰিয়ালটো ব্যৱসায়িক কাৰণত মিলান চহৰলৈ গৈছিল। দেউতাকে ভাবিছিল যে আইনষ্টাইনে ইঞ্জিনিয়াৰিং পঢ়ি উঠি তেওঁৰ ব্যৱসায়ত সহায় কৰিব। সেই কাৰণে, স্কুলীয়া শিক্ষা সাং কৰাৰ পাছতে তেওঁক জুৰিখ চহৰত থকা পলিটেকনিক শিক্ষানুষ্ঠানত পঢ়িবলৈ পঠালে। তাত তেওঁ প্রথম বছৰ নামভর্তি পৰীক্ষাত উত্তীর্ণ হ'ব নোৱাৰিলে কাৰণে পাছৰ বছৰতেহে নামভর্তি হ'ব পাৰিছিল। জুৰিখৰ পলিটেকনিকৰ পৰা ১৯০০ চনত তেওঁ স্নাতক পৰীক্ষাত উত্তীর্ণ হৈছিল। মহান বিজ্ঞানীৰ ১৯৫৫ চনৰ ১৮ এপ্রিলৰ দিনা মৃত্যু হৈছিল।



কেইটামান মূল্যৱান বাক্য…

- হিত্যাক্ষী বড়ো শ্রেণী ঃ সপ্তম (ক)

সকলোতকৈ বিশ্বাসী বন্ধু ঃ নিজৰ হাত

সকলোতকৈ সৰল কাম ঃ আনৰ দোষ উলিওৱা সকলোতকৈ ডাঙৰ শিক্ষক ঃ যিয়ে আমাক শিকিবলৈ শিক্ষা দিয়ে।

সকলোতকৈ ভগ্যৱান ব্যক্তি ঃ যিয়ে নিজৰ কামত ব্যস্ত থাকে। সকলোতকৈ বুধিয়ক ব্যক্তি ঃ যিয়ে নিজৰ মতে কাম কৰে। সকলোতকৈ ডাঙৰ সৰ্বহাৰা ঃ যিয়ে নিজৰ উৎসাহ হেৰুৱাই পেলাইছে

হাঁহিৰ খলকনি... ৰগৰ

– বিবা খাখলাৰী শ্ৰেণী ঃ সপ্তম (ক)

শিক্ষক ঃ তোমাৰ আজি স্কুললৈ আহোতে কিয় দেৰি হ'ল, হা?

ছাত্ৰ ঃ ছাৰ, মা আৰু দেউতা দুয়োজনেই কাজিয়া কৰি আছিল। শিক্ষক ঃ তাতে তোমাৰ দেৰি হোৱাৰ কাৰণ কি ? ছাত্ৰ ঃ চাৰ, মোৰ স্কুলৰ এপাত জোতা মায়ে হাতত লৈ আছিল আৰু এপাত দেউতাই লৈ আছিল।



ফুলনি আৰু আকাশৰ মাজত মই সাজিম এটি দীঘলীয়া আলি মই পোহৰক কম, এন্ধাৰবোৰ আঁতৰাই আমাৰ ফলনিত ৰংবোৰ দিয়া ছটিয়াই। ছবি আঁকি ভালপাওঁ মই সেয়েহে পৃথিৱীয়ে দেখাকৈ আকাশত আঁকিবৰ মন যায়. মানুহৰ মৰমবোৰ ৰংবোৰ সাৱটি লৈ ভাৱবোৰক ক'বৰ মন যায় সোনকালে আঁহাচোন বৰষুণ হৈ তুমি আহিলেহে আমি পৃথিৱী সজাব পাৰিম পৃথিৱী সজাব পাৰিম

সেউজীয়া হোৱাকৈ



- ল'ৰা কালত দুই শিং, ডেকা কালত সৰে, বুঢ়া কালত আৰু গজে, আকাশত চৰে - (জোন)
- জলত জন্ম স্থলত বাস পানী পালে সর্বনাশ - (নিমখ)
- বেচোতাই বেচে কিনোতাই কিনে ৰান্ধোতাই ৰান্ধে পিছে খাওঁতাই নেখায় দিয়া গোলাম - (তেজপাত)
- ৰজাৰ বাৰীত সোমালোঁ, ফুল দেখি চমক খালো, ফুললৈ মেলিলো হাত ফুল গ'ল ওঠৰ হাত
 (জোনাকী পৰুৱা)

বান উৎপীড়িতৰ অনুভৱ....

- বিক্রমাদিত্য স্বর্গীয়াৰী শ্রেণী ঃ সপ্তম (ক) সৌ তাত হেনো এবাৰ
বান আহিছিল
নৈখনেও হেনো
কিছুদিনৰ আগৰেপৰাই
উত্ৰাৱল হৈ আহিল
তাৰ বুভুক্ষা পূৰাবলৈ,
কিন্তু মই নুবুজিলোঁ,

নিজৰ বক্ষত সকলোকে আঁকোৱালি লৈ
নিজৰ ক্ষুধা নিবাৰণ কৰি
সি জানো পাইছিল কিবা
কিন্তু,

নৈখনৰ উৎপীড়নত
উৎপীড়িতৰ চকুলো যেন
তাৰ সৈতেহে মিলিত হৈছিল
আৰু যেন কৈছিল,
'অহাবাৰ আকৌ আহিবি
খেলিম তোৰ সৈতে



সপোন

শিৱসাগৰ জিলাৰ কোনোবা এখন গাঁৱত জন্ম হৈছিল হৰেন ডেকা নামৰ চতুৰ্থবৰ্গৰ কৰ্মচাৰীজনৰ পত্নী অলকাৰ পুত্ৰ ছোৱালী ক্ৰমে নীৰৱ আৰু নিবেদিতা। নীৰৱ আৰু নিবেদিতা গাঁৱৰে এখন ব্যক্তিগত জাতীয় বিদ্যালয়ত পঢ়ি আছে। সৰুৰে পৰা নীৰৱ পঢ়া শুনাত বৰ চোকা আছিল। কিন্তু অকস্মাৎ এটা পথ দৰ্ঘটনাত দেউতাকৰ মৃত্যু হোৱাত মাকে নীৰৱক পঢ়া শুনাৰ বাবে দিবলগীয়া সুবিধাখিনি দিব পৰা নাছিল। ঘৰৰ অৱস্থাৰ কথা গমপাই বিদ্যালয়ৰ শিক্ষকসকলে নীৰৱক বিনামূলীয়াকৈ পাঠদান কৰিলে। দেউতাকৰ সীমিত পেঞ্চনেৰে পাঠদান কৰিলে। দেউতাকৰ সীমিত পেঞ্চনেৰে মাকে নিবেদিতাকো সেইখন স্কুলতে পঢ়ুৱাই থাকিল। দেউতাকৰ সপোন আছিল নীৰৱ এজন সূচিকিৎসক হোৱাৰ। দেউতাকৰ সপোনটকে নীৰৱে বুকুত বান্ধিলৈ অধ্যয়ন কৰি গৈছিল। প্ৰথম শ্ৰেণীৰ পৰাই প্ৰথমস্থান অধিকাৰ কৰা নীৰৱে হাইস্কুল শিক্ষান্ত পৰীক্ষাত অসমৰ পঞ্চমস্থান অধিকাৰ কৰি বিদ্যালয়ৰ লগতে শিৱসাগৰ জিলালৈ গৌৰৱ কঢ়িয়াই আনিলে। কিন্তু ইমান সুন্দৰ খবৰটো পোৱাৰ পাছতো মাকে চকুৰ পানীৰে বাট নেদেখা হ'ল। দেউতাকৰ কথা মনত পৰি আৰু ল'ৰাজনৰ ভৱিষ্যতৰ পঢ়াৰ খৰচৰ কথা ভাবি মাকে কান্দোনত ভাঙি পৰিল। কিন্তু দৰিদ্ৰতাই পঢ়াৰ ক্ষেত্ৰত হেঙাৰ হ'ব নোৱাৰে। নীৰৱক চৰকাৰ আৰু শিৱসাগৰৰ ৰাইজে নীৰৱৰ পঢ়াৰ দায়িত্ব সম্পূৰ্ণকৈ ল'লে। তাৰ পাছতো নীৰৱে ধৈৰ্য্যৰে পঢ়া শুনা কৰি এজন সুচিকিৎসক হৈ শিৱসাগৰলৈ ঘূৰি আহিল আৰু নিবেদিতায়ো এজনী বিষয় শিক্ষয়িত্ৰী হৈ মাক-বাপেকৰ আশা পুৰণ কৰিলে।



মাতৃ দিৱসৰ বিশেষ

মা এটি মিঠা শব্দ, যিটো শব্দ সন্তানৰ মুখত প্ৰথম বাৰৰ বাবে শুনা যায়। মাকৰ জৰিয়তেই সন্তানে এখন পৃথিৱী দেখিবলৈ পায়, মাকৰ হাতৰ পৰশতেই সন্তান একোলা দুকোলাকৈ ডাঙৰ হয়। পৃথিৱীখন চোৱাৰ হেঁপাহেৰে আগবাঢ়ি যায় জীৱনৰ নতুন পথত, এই পথত আগবাঢ়ি যাওঁতে প্ৰতিটোক্ষণতে মাক সদায় সন্তানৰ লগত থাকে। প্ৰতিটো খোজতে আগবাঢ়ি যোৱাৰ বাবে মাকে সহায় কৰে, নিজে এসাঁজ নাখায়ো সন্তানক খোৱায়। এযোৰ কাপোৰ নিজে নিপিন্ধি সন্তানক পিন্ধায়, নিদ্ৰাহীন হৈ ৰাতি কটাই মাত্ৰ সন্তানৰ প্ৰগতিৰ কাৰণে।



ল'ৰা কালত দুই শিং, ডেকা কালত সৰে, বুঢ়া কালত আৰু গজে, আকাশত চৰে (জোন)

ঘৰ আছে দুৱাৰ নাই, মাত আছে মানুহ নাই (ৰেডিঅ)

জলত জন্ম স্থলত বাস পানী পালে সর্বনাশ (নিমখ)

বেচোতাই বেচে কিনোতাই কিনে ৰান্ধোতাই ৰান্ধে পিছে খাওঁতাই নেখায় দিয়া গোলাম (তেজপাত)

ৰজাৰ বাৰীত সোমালোঁ, ফুল দেখি চমক খালো, ফুললৈ মেলিলো হাত ফুল গ'ল ওঠৰ হাত (জোনাকী পৰুৱা)



অসমীয়া কৃষ্টি-সংস্কৃতিৰ পূজাৰী, গায়ক বাদক চিত্ৰকৰ, অভিনেতা, খেলুৱৈ নৃত্যুকৰ, কবি, গল্পকাৰ, ৰাজনীতিবাদ সৰ্ব অভিধাৰে বিভূষিত বিষ্ণুপ্ৰসাদ ৰাভা অজ্যে বিপ্লৱী শিল্পী। এই মহান ব্যক্তিজন ১৯০৯ চনৰ ৩১ জানুৱাৰীত অবিভক্ত ভাৰতবৰ্ষৰ ঢাকা চহৰৰ সেনা ছাউনিত জন্ম হয়। ৰাভাদেৱে কলেজীয়া ছাত্ৰ জীৱনতে বিপ্লৱী কবিতাৰ সৃষ্টিৰে অসমীয়া কাব্যজগতত আলোড়ন কৰাৰ লগতে অসমীয়া ভাষাক এক অনন্য মাত্ৰা প্ৰদান কৰিছিল। ১৯৪০ চনত কাঁশী বিশ্ববিদ্যালয়ত নটৰাজ নৃত্যু প্ৰদৰ্শন কৰি সেইখন বিশ্ববিদ্যালয়ৰ উপচাৰ্য ড০ সৰ্বপল্লী ৰাধাকৃষ্ণনৰ দ্বাৰা বিষ্ণুপ্ৰসাদ ৰাভাই 'কলাগুৰুও' উপাধি গ্ৰহণ কৰিছিল। নিজস্ব অধ্যৱসায়েৰে অসমৰ শ্ৰমিকৰ কৃষকৰ ঘৰে ঘৰে জনতাৰ বুকুৰ কোহে কোহে আজিও প্ৰাণবন্ত হৈ আছে আমাৰ বিষ্ণু প্ৰসাদ ৰাভা।

বিষ্ণু প্ৰসাদ ৰাভা অসমীয়া জাতীয় জীৱনৰ অন্যতম পুৰুষ। বিষ্ণু প্ৰসাদ ৰাভাই ১৯৬১ চনৰ ২০ জুন তাৰিখে ইহলীলা সন্বৰণ কৰিছিল। ২০ জুনৰ দিনটো কলাগুৰু বিষ্ণুপ্ৰসাদ ৰাভাৰ মৃত্যু দিৱস হিচাপে সমগ্ৰ অসমত পালন কৰা হয়।

বিহুৰ বিষয়ে জানিবলগীয়া তথ্য কিছুমান

শ্রেণী ঃ একাদশ (কলা)

ৰঙালী বিহুৰ শেষ দিনটোক চেৰা বিহু বোলে। সেইদিনা ২১ বিধ শাক গোটাই আঞ্জা বনাই খোৱাৰ নিয়ম।

বড়োসকলে ব'হাগ বিহুক বৈছাণ্ড বোলে। এই বিহুত তেওঁলোকে বাথৌ দেৱতা অৰ্থাৎ মহাদেৱক পূজা কৰে।

হাজংসকলে ব'হাগ বিহুক লেৱাটনা বিহু বোলে। এডাল লতাৰ এমূৰে ডেকা এমূৰে গাভৰুৱে ধৰি টনা-টনী কৰি গীত গাই আৰু নাচে।

ব'হাগ মাহৰ কোনো এটা বিশেষ শুকুৰবাৰৰ পৰা বিহু পালন কৰা মৰাণসকলে প্ৰতি বছৰে বিহুত হুঁচৰি গোৱাৰ দিন স্থিৰ কৰি লয়।

ৰাভাসকলে তেওঁলোকৰ জাতীয় বাদ্যযন্ত্ৰ হেন, কাৰা, গামেনা, লাখৰ ব্ৰাংছি আদিৰ সহযোগত নৃত্য-গীত কৰি বৈশাখ দোমাহী পালন কৰে।

গোৱালপাৰাৰ মহামায়া ধামত ব'হাগৰ একৰ পৰা সাত তাৰিখলৈ বিষুৱা উৎসৱ, পূজা-পাতল আৰু মেলা আদিৰে মহাসমাৰোহেৰে পালন কৰা হয়।

বিভিন্ন স্থানত সাত দিন জুৰি পালন কৰা ব'হাগ বিহুৰ প্ৰত্যেক দিনৰে সুকীয়া নাম আছে। যেনে-গৰু বিহু, মানুহ বিহু, গোঁসাই বিহু, তাঁতৰ বিহু, নাঙলৰ বিহু, ঘৰচীয়া জীৱ-জন্তুৰ বিহু আৰু চেৰা বিহু।



- Jyotismita Mazumdar Class - VIII (A)

পঢ়ি পঢ়ি হাঁহক, হাঁহি হাঁহি পঢ়ক

অভিভাৱকঃ মাষ্ট্ৰৰ মহাশয়, মোৰ ল'ৰা ডাঙৰ হৈ ডাক্তৰ হ'ব পাৰিবনে?

শিক্ষক ঃ ওঁ কিয় নোৱাৰিব ? তাৰ হাতৰ লেখা এতিয়াই ডাক্তৰৰ প্ৰেছক্ৰিপছনৰ দৰে দুৰ্বোধ্য। তাৰ বাহিৰে অন্য কাৰো পক্ষেই হাতৰ লেখাৰ পাণিদ্বাৰ কৰা অসম্ভৱ।

এজন ভদ্ৰলোকে মন দি কিবা লিখি আছিল। এনে সময়তে তেওঁৰ পুতেকে হমৱৰ্কৰ বহী লৈ আহি প্ৰশ্ন কৰিলেঃ দেউতা আল্লছ পৰ্বতমালা ক'ত অৱস্থিত?

ভদ্ৰলোকে ক'লেঃ তোমাৰ মাৰাক সোধা। তেওঁহে ঘৰৰ সকলো বয়-বস্তু সামৰি সুতৰি থয়।

প্ৰহৰী

– লুনা বশিষ্ঠ শ্রেণী ঃ একাদশ (কলা)

ধৰ্মৰ আফিং খুৱাই সিহঁতে ৰাখিলে শুৱাই অনেক কাল... নীলকণ্ঠ হৈ আমি বুজি পালো চব তলা-নলা।। এতিয়া টোপনি নাই সিহঁতেও মিছা টোপনিত বাঁহীহে বজায়। দুষিত বতাহজাক ক'ৰ পৰা বৈছে উৎস বিচাৰি আহিছো উজাই সমুখ দুৱাৰত তলাবন্ধ বুলি আগে-আগে ৰাতিৰ প্ৰহৰীহঁতে পথ দেখুৱাব উভতি যোৱাৰ জোনাকী পৰুৱা বহুতো জ্বলিছে সাজি দিছে ছহীদ মিনাৰা।

কোনে কৈছে

– তনাভ দত্ত শ্রেণী ঃ ষষ্ঠ (গ)

যিজনে আত্মাৰ সেৱা কৰে যি দৰাচলতে পৰমাত্মা ঈশ্বৰৰ হে সেৱা কৰে - স্বামী বিবেকানন্দ

যাৰ ঘৰত সদায় আলহী আহে, আৰু উপযুক্ত শুশ্ৰুষা কৰে, তেওঁ কেতিয়াও দৰিদ্ৰৰ দ্বাৰা পিড়িত নহয় - চাণক্য

শ্ৰী শ্ৰী মহাপুৰুষ মাধৱদেৱ

শ্রেণী ঃ নৱম (ক)

শ্রীশ্রীমাধৱদেৱৰ পিতৃৰ নাম আছিল গোবিন্দগিৰি। মাতৃৰ নাম আছিল মনোহাৰী বা মনোৰমা। প্রথমে গোবিন্দগিৰি বাংলাদেশ ৰংপুৰত আছিল। পাছত অসমৰ লখিমপুৰ জিলাৰ নাৰায়ণপুৰৰ লেতেকুগুৰি পুখুৰীত নিগাজিকৈ বাস কৰিবলৈ ধৰিলে। তাতেই মাধৱদেৱৰ জন্ম হয় ১৪৮৯ খৃঃ বা ১৪১১ শকত মাধৱদেৱৰ ভনীয়েকৰ নাম আছিল উকাৰ্শী। মাধৱদেৱে বাণ্ডুকাৰ, ৰাজেন্দ্ৰ অধ্যাপকৰ ওচৰত শিক্ষা লাভ কৰে। ব্যাকৰণ, ভাৰত পুৰাণ, খোলা বিদ্যা, ভাগৱত আদি এবছৰৰ ভিতৰতে শিক্ষা লাভ কৰে।

ৰামদাসে মাধৱদেৱক শংকৰদেৱৰ ওচৰলৈ লৈ গ'ল আৰু দুয়োজনৰ মাজত শাস্ত্ৰীয় তৰ্ক যুদ্ধ আৰম্ভ হয়। শেষত মাধৱদেৱ পৰাজয় হৈ শংকৰদেৱৰ ওচৰত শয়ন লৈ সেইদিনাৰ পৰাই যোগ্য শিষ্য হয়। এই শংকৰ-মাধৱ মিলনকে মণি-কাঞ্চন মিলন বুলি কোৱা হয়।

শ্ৰীমন্ত শংকৰদেৱৰ কবিতা

– লুনা বশিষ্ঠ শ্রেণী ঃ একাদশ (কলা)

কৰতল কমল, কমল দল নয়ন।
ভৱদৱ দহন গহন বন শয়ন।।
নপৰ নপৰ পৰ শতৰত গময়।
সত্য় সকয ভয় সমহৰ শতয়।।
খৰতৰ বৰশৰ হতদশ বদন।
খগচৰ নগধৰ ফণধৰ শয়ন।।
জগদঘ সমহৰ ভৱভয় তৰণ।
পৰপদ কৰ কমলজ নয়ন।।

সন্ধিয়াৰ লগন

– অনামিকা পাল শ্রেণী ঃ নৱম (ক)

সন্ধিয়া লগনত গৰজিল আকাশ, লগতে গৰজিল মোৰ হিয়া, আকাশখন ডাৱৰে আগুৰি ধৰিলে, ৰং হ'ল ক'লা নীলা।

ৰ দালিৰ চিঠিত লিখা কথাবোৰ পঢ়ি কঁপে মোৰ বুকু, তাকে দেখি মতলীয়া বলীয়া ফাণ্ডন, সূৰ্যৰো ভৰিল চকু।

আহিলে বৰষুণ এটোপাল দুটোপালকৈ যেন কাৰোৱাৰ পায়েলৰ ৰুণজুন, সেই ধ্বনি শুনি জোনাকো আহিল, হ'ল এই ধ্বনিত মগন।

আজি আছে হাতত সুখ, কালি থাকিবও পাৰে হাতত দুখ, আজিয়েই জীয়াই লোৱা এই সুখখিনি। কি থিক! কালি ক'ত বা থাকা তুমি?

এলাহ

– টানজীল ৱাজেদ শ্রেণী ঃ অস্ট্রম (খ)

এলাহ নকৰিবা তুমি,
তেনে হ'লে নহ'বা জীৱনত বলি।
ভাল কাম কৰিবা,
এলাহ নকৰিবা।
এলেহুৱা হ'লে পাবা পৰিণাম,
কৰিব মন নাযাব কাম।
মন ভাল ৰাখা,
সকলো সুস্থ থাকা
সময় বৰবাদ নকৰিবা,
ইয়াৰ ভাল ব্যৱহাৰ কৰা।
শুই নাথাকিবা বেছি,

সাঁথৰ

– মাধুর্য দাস শ্রেণী ঃ একাদশ (বাণিজ্য)

বাৰীত কাহে ওলাই নাহে

- কুঠাৰ

গাঁৱত আছে নগৰত নাই, হাঁহত আছে কুকুৰাত নাই - চন্দ্ৰবিন্দ

এনেকুৱা এটা বস্তু যাৰ জন্ম সাগৰত হয় কিন্তু থাকে ঘৰত - নিমখ

এনেকুৱা কি আছে যি, পানী খোৱাৰ লগে লগে মৰি যায - পিয়াহ

আঁচৰিত কথা যিটো, কোনে ক'ব পাৰে, যেতিয়া সন্তান জন্ম হয়, মাক নাথাকে ঘৰে

- কুলি চৰাই

হুল হেন চকু দুটাৰে, জাবৰ হেন কেশ, দেহাটিৰ আকৃতি তাৰ, নাঙলৰ বেশ

- মিছামাছ

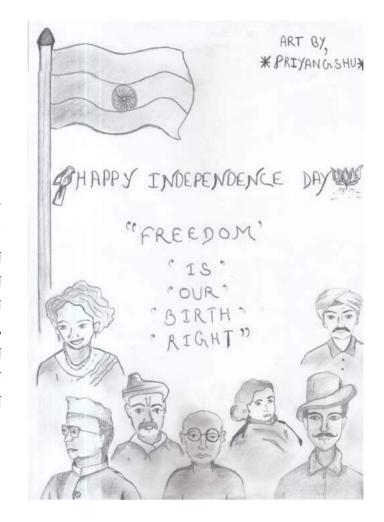
ভোঁ ভোঁ কৰে কিন্তু ভোমোৰা নহয়, লণ্ডণ পিন্ধে কিন্তু বামুণ নহয়

- যঁতৰ

স্বাধীনতা দিৱস

- জ্যেতির্ময় নাথ শ্রেণী ঃ অষ্টম (খ)

১৯৪৭ চনৰ ১৫ আগস্ত তাৰিখে আমাৰ দেশ ভাৰতবৰ্ষই স্বাধীনতা লাভ কৰিছিল। ১৫ আগস্ত তাৰিখেই আমাৰ দেশ ভাৰতবৰ্ষই ব্ৰিটিছৰ শাসনৰ পৰা মুক্ত হৈছিল। ভাৰতক ব্ৰিটিছৰ পৰা মুক্তি দিবলৈ ভাৰতৰ বহুতো দেশপ্ৰেমী শ্বহীদ হৈছিল। আমাৰ দেশৰ কিছুমান স্বাধীনতা সংগ্ৰামী হ'ল-মহাত্মা গান্ধী, জৱাহাৰলাল নেহেৰু, তৰুণৰাম ফুকন, মণিৰাম দেৱান, ভগত সিং। ১৯৪৭ চনৰ ১৫ আগস্তত আমাৰ দেশ ব্ৰিটিছৰ হাতৰ পৰা-স্বাধীন হোৱা বাবে এই তাৰিখত গোটেই দেশ জুৰি স্বাধীনতা দিৱস হিচাপে পালন কৰে।



কিৰা মিৰি এগৰাকী সুযোগ্য অসমীয়া নাৰী আছিল। ১৯১০ চনত শ্বিলঙত এই মহীয়সী নাৰীৰ জন্ম হয়। তেওঁ জন্মৰ কিছুবছৰ পাছতেই মাকৰ মৃত্যু হৈছিল আৰু তেওঁ তেওঁৰ দেউতাক সোনাধৰ সেনাপতিয়ে কৰিছিল। ইন্দিৰা মিৰিক দেউতাকে পঢ়া-শুনাৰ কাৰণে কলিকতালৈ পঠিয়াইছিল। কলিকতা স্কটিছ চাৰ্জ কলেজৰ পৰা ইন্দিৰা মিৰিয়ে বি এ ডিগ্ৰী সম্পূৰ্ণ কৰিছিল। তাৰ পাছত ইন্দিৰা মিৰি মহীচন্দ্ৰ নামৰ বন বিষয়াৰ লগত বিবাহ পাশত আবদ্ধ হয়। কিন্তু বিয়াৰ সাত বছৰৰ পাছতে তেওঁৰ স্বামীৰ মৃত্যু হয়। ইন্দিৰা মিৰি আহমেদাবাদলৈ গৈছিল মৰিয়া মণ্টেছৰী পদ্ধতিৰ প্ৰশিক্ষণ ল'বলৈ য'ত মাৰিয়া মণ্টেছৰীয়ে তেওঁক এই প্ৰশিক্ষণ দিছিল। তেওঁ চৰকাৰৰ ফালৰ পৰা বৃত্তি লাভ কৰি ইউ কেত এডিনবাৰ্গ বিশ্ববিদ্যালয়ৰ এটা তিনি মহীয়া প্ৰশিক্ষণ হয়।

বিদেশৰ পৰা ১৯৪৭ চনত ইন্দিৰা মিৰি ভাৰত চৰকাৰৰ অধীনত মুখ্য শিক্ষা বিষয়া চাকৰি ১৯৫৭ চনত ইস্তফা দিয়ে আৰু ১৯৬৯ আৰু ২০০৪ চনত তেওঁ শংকৰদেৱ বঁটা লাভ আৰু সাহসী মহিলা আছিল। যি সময়ত



স্বদেশলৈ ঘূৰি আহে আৰু শদিয়াত তেওঁ হিচাপে নিযুক্তি হয়। তেওঁ সেই চৰকাৰী চনত তেওঁ চাকৰিৰ পৰা অৱসৰ গ্ৰহণ কৰে। তেওঁ এগৰাকী অতি বিদৃষী কৰ্মপটু অসমৰ আন আন মহিলাসকলে শিক্ষা-দীক্ষাৰ

পৰা আঁতৰত থাকি কেৱল ঘৰুৱা কাম-বনৰ মাজতে থাকি জীৱন নিৰ্বাহ কৰিছিল সেই সময়ত ইন্দিৰা মিৰিয়ে পুৰুষৰ সমানে সমানে পঢ়া-শুনা কৰি ভাৰত চৰকাৰৰ উচ্চ পদবীৰ চাকৰি কৰিবলৈ সমৰ্থ হৈছিল। ওৰে জীৱন শিক্ষাৰ লগত জড়িত ইন্দিৰা মিৰিয়ায়ে ২০০৪ চনৰ ৫ ছেপ্টেম্বৰত ৯৪ বছৰ বয়সত শেষ নিশ্বাস ত্যাগ কৰে।



- নিকিতা দাস শ্রেণী ঃ অস্ট্রম (গ)

\(
\begin{align*}
\text{X\overline{\text{Z}}} & \text{X\overline{\text{P}}} & \text{P} \\
\text{X\overline{\text{Z}}} & \text{X\overline{\text{Z}}} & \text{X\overline{\text{Z}}} \\
\text{X\overline{\text{Z}}} & \text{X\overline{\text{Z}}} & \text{X\overline{\text{Z}}} \\
\text{X\overline{\text{D}}} & \text{X\overline{\text{Z}}} & \text{X\overline{\text{D}}} \\
\text{X\overline{\text{D}}} & \text{X\overline{\text{D}}} & \text{X\overline{\text{D}}} & \text{X\overline{\text{D}}} & \text{X\overline{\text{D}}} & \text{X\overline{\text{D}}} \\
\text{X\overline{\text{D}}} & \text{X\overline{\

'মই সোপাধৰা নহয়' 'মই শিল্পী' 'মই অসমীয়া, সচাঁয় অসমীয়া'

এই কথাষাৰ শুনি চাগে আপোনাৰ মনত পৰিছে, যে মই কাৰ কথা কৈছে। হয়, মই নিলোৎপল আৰু অভিজিতৰ কথা কৈছে। ৪ জুলাই ২০১৮ চনৰ সেই ভয়ংকৰ ৰাতিটো কোনো অসমীয়াই পাহৰিব নোৱাৰে। দুজন ডেকা কেনে দৰে মাৰি, মাৰি মাৰি পেলোৱা হৈছিল। কাৰ্বি আংলঙৰ ডকমকা আৱৰ্তত হোৱা এই দুৰ্ঘনাটো মানৱ জাতিৰ বাবে এক লজ্জাজনক কথা। স্বৰ্গীয় ভূপেন হাজৰিকাদেৱে লিখি



গৈছে যে—

মানুহে মানুহৰ বাবে যদিহে অকণো নেভাৱে অকণি সহানুভূতিৰে ভাবিব কোনেনো কোৱা-সমনীয়া

সচাঁকৈয়ে নে মানৱতা বোলা বস্তু এই সমাজৰ পৰা নোহোৱা হৈ গৈছে নে? নীলোৎপল আৰু অভিজিতক এনেদৰে হত্যা কৰাৰ কাৰণ হ'ল এটা উৰা-বাতৰি। উৰা-বাতৰিতো আছিল যে- আমাৰ গাঁৱত দুজন সোপাধৰা সোমাইছে, সিহঁতক ধৰ।' এই এটা মিছা উৰা-বাতৰিৰ বাবে আজি নিলোৎপল আৰু অভিজিৎ আমাৰ ওচৰত নাই। এই ঘটনা প্ৰথম নহয়, এনে ক'ত ঘটনা সমগ্ৰ ভাৰতবৰ্ষত প্ৰায় সদায় হয়। সেই পাষণ্ডকেইজনক কঠোৰ শাস্তি দিয়াৰ বাবে আন্দোলন কৰিলে।

কিন্তু এই আন্দোলন কেইদিনমানৰ বাবেহে চলিল। কিছু দিন পাছত সকলো নিজৰ কামত ব্যস্ত হৈ পৰিল। মই সমগ্ৰ অসমবাসীক ক'ব বিচাৰো যে দুদিনমান চিঞৰ-বাখৰ আৰম্ভণিৰ পাৰ অন্তলৈকে যুঁজিব লাগিব। সেইবাবে আমি সকলোৱে মিলি আৰু এবাৰ নীলোৎপল আৰু অভিজিতৰ ন্যায়ৰ বাবে যুদ্ধ লাগিব লাগে।

ৰঙালী বিহু

– অঞ্জলি তিৱাৰী শ্ৰেণী ঃ ষষ্ঠ (গ)

আকৌ আহিল ৰং মনেৰে
ৰঙালী বিহুটি
কুলি, কেতেকীয়ে গছৰ ডালত
বিনালে কুউ...কুউ... কৰি
ৰঙালী বিহু আমাৰ আহিলে
লাগে মজা
নতুন নতুন কাপোৰ পাওঁ
মা দেউতাৰ পৰা
পাঁও নতুন সাজ পাওঁ।

পখিলা

– তাপশ্রী দাস শ্রেণী ঃ সপ্তম (গ)

চোৱাচোন পখিলাটি কেনেকুৱা শুৱনি, কেনেনো শুৱনি তাইৰ পাখি দুখনি। কেতিয়াবা ওপৰত আকৌ তলত এটা এৰি পৰিছেহি আনটো ফুলত। আপোন পাহৰা হৈ উৰি উৰি ফুৰে। প্ৰকৃতিৰ ৰূপ যেন দুগুণ চৰে। পখিলাটি দেখি মোৰ পখিলা হ'ব মন যায়, কিন্তু প্ৰভূৱে যে নিদিলে মোক বনাই।

সত্ৰীয়া নৃত্য

- বিদিশা দাস শ্রেণী ঃ সপ্তম (গ)

অসমৰ প্ৰাচীন সত্ৰসমূহত প্ৰচলিত নৃত্য সমূহকে সত্ৰীয়া নৃত্য বোলে। বিশেষকৈ মহাপুৰুষ শ্ৰীমন্ত শংকৰদেৱ আৰু মাধৱদেৱৰ দ্বাৰা স্থাপিত সত্ৰসমূহত এই নৃত্য বিশেষভাৱে প্ৰচলন আছে।

এই নৃত্যৰ আৰ্হি বোলেতে ক'ব লাগিব এই নৃত্যত প্ৰথম মাটি আথৰা, পাতে নাদুভংগী, কৃষ্ণ, ঝুমুৰা, চালি, বাহাৰ নৃত্য, বৰপ্ৰৱেশ নৃত্য, সূত্ৰধাৰী, ৰজাঘৰীয়া চালি, গোপী নৃত্য, সত্ৰীয়া বিয়হী বা

ওজাপালীৰ নৃত্যই প্ৰধান। ইয়াৰ বাদেও সৰু সৰু ভাগত আছে কালিয় দমন নৃত্য, শৱনুচোৰৰ নৃত্য, ধনু ভংগৰ নৃত্য ইত্যাদি।



কাউৰী

- চিংকি দাস শ্রেণী ঃ সপ্তম (গ)

কা কা কাউৰী
ক'ৰ পৰা উৰি আহি
গছৰ ডালত বহি
দিছ জাননী
আহিব আলহী
চাওঁ দুৱাৰ মেলি
পদূলিত আছে হাঁহি
আমাৰ পেহা-পেহী

পখিলা

আলফুলীয়া কুমলীয়া
কণমাণি মন,
পখিলাৰ দৰে আকাশত
উৰিবৰ মন।
টৌদিশে আছে আমাৰ
গছ-লতা, ফুল
মৰম- চেনেহৰ মাজত আমি
সকলো বিয়াফুল।
প্ৰকৃতিৰ বুকুত নাচি-বাগি ফুৰো
দুখ নাই অন্তৰত ভাগৰো নাই দেহত
সকলোৱে মিলিজুলি বাস কৰো আমি

সাঁথৰ

– অভিনৱ হাজৰিকা শ্ৰেণী ঃ ষষ্ঠ (গ)

কাটি থাকিলে বাঢ়ি থাকে কি ? উত্তৰ ঃ পুখুৰী

> গুচি যায় নাহে ঘূৰি? *উত্তৰ ঃ বয়স*

আদি আছে অন্ত নহি, জন্ম আছে মৃত্যু নাই ? উত্তৰ ঃ সময়

পাত আছে ডাল নাই, কথা আছে শব্দ নাই, তাক চালে জ্ঞান পায় *উত্তৰ ঃ কিতাপ।*

মোৰ মৰমৰ ভণ্টি

- নিশিতা ডেকা শ্রেণী ঃ সপ্তম (গ)

মোৰ এজনী মৰমৰ ভণ্টি আছে
তাইৰ নাম হয় তনু,
তাইক ক'ৰবাত ঘূৰাব লৈ যাম বুলি ক'লে তেতিয়া তাই জাপ মাৰি বিচনাত নাচিব ধৰে।
যদি ভূটৰ ফ্লীম দেখাম বুলি কও তেন্তে তাই বিচনাৰ তলত লুকাই থাকে।

আইচ-ক্ৰীম খাই তাই সবাতোকৈ ভাল পাই
তিতা কেৰেলা খাই তাই সবাতোকৈ বেয়া পাই
দুপৰীয়া শুব যাব দিলে
তাই ফোন লাৰিব ধৰে।
পঢ়িব যাব দিলে তাইৰ
মূৰৰ বিষ উঠিব ধৰে।

- Ruksana Khatun Class - VIII (B)



প্ৰথম পদবীৰ ব্যক্তিসকল

– নশিতা ৰয় শ্ৰেণী ঃ পঞ্চম (গ)

ভাৰতৰ প্ৰথম প্ৰধানমন্ত্ৰী
-জৱাহৰলাল নেহৰু
ভাৰতৰ প্ৰথম ৰাষ্ট্ৰপতি
- ড০ ৰাজেন্দ্ৰ প্ৰসাদ।
অসমৰ প্ৰথম মুখ্যমন্ত্ৰী
- গোপীনাথ বৰদলৈ।
প্ৰথম অসমীয়া ৰাষ্ট্ৰীপতি
- ফকৰুদ্দিন আলী আহমেদ।
প্ৰথম অসমীয়া ৰাজ্যপাল
- বিফুৰাম মেধি
প্ৰথম অসমীয়া ডি পি আই
- সূৰ্য কুমাৰ ভূঞা।

আমাৰ বিদ্যালয়

- সম্প্রীত গৌতম শ্রেণী ঃ দ্বিতীয় (গ)

অতিকে ধুনীয়া আমাৰ এছ এফ এছ
তাতে ভালকৈ পঢ়ি মই হম
ডাক্তৰ নাইবা আই এছ
আমাৰ ছাৰ-বাইদেউহঁত
অতিকে মৰমিয়াল
ভালকৈ শিকাই বুজাই
প্রতিদিনে ৰাখে খেয়াল
আমাৰ বিদ্যালয়ত আছে
বং বিৰঙৰ ফুল
ফুলৰ সুবাসে, কৰে আমোলমোল
সপ্তাহত এদিনা খেল-ধেমালি কৰো
খেলৰ শেষত আমি ভাগৰি পৰো
ছুটীৰ শেষত মই মাৰ লগত যাওঁ
ভাত-পানী খাই অলপ জিৰণি লওঁ।

আশা

- সম্প্রীত গৌতম শ্রেণী ঃ দ্বিতীয় (গ)

মনে ভাবে, সপোনবোৰ ভাঙে
অতীতৰ কুঁৱলী ফালি
সুন্দৰ দিনবোৰ ধৰা দিয়েহি
যিয়ে দিয়ে জীয়াই থকাৰ প্ৰেৰণা
য'ত আছে-সুন্দৰতা, সৰলতা, মানৱতা
আৰু ভাতৃত্ববোধ।
বৰ্তমানে দিয়ে দুখ, দিয়ে হতাশা
য'ত নাই জীয়াই থকাৰ মাদকতা,
মানৱতা আৰু ভালপোৱা
মনে হাহাকাৰ কৰি উঠে
অনাগত ভৱিষ্যতৰ কথা ভাবি
আহিবনে আমাৰ নতুন প্ৰজন্মৰ বাবে,
অজ্ঞানতাৰ আন্ধাৰ ফালি
সেই সোণালী সৃদিন?



– নিলোৎপলা বৰা একাদশ (বিজ্ঞান)

(ক) ট্ৰেফিক পুলিছে ট্ৰাক ড্ৰাইভাৰ এজনক পিছে পিছে খেদি গৈ ধৰিলে আৰু ট্ৰাকখনৰ পৰা টানি নমালে। ট্ৰেফিক পুলিছ ঃ অই, তই কিয় মই হাত দঙাৰ পাছতো গাড়ী ৰখোৱা নাছিলি হা? ট্ৰাক ড্ৰাইভাৰ ঃ ধেৎ তেৰি মই আপোনাক টা টা দি থকা বুলিহে ভাবি আছিলো।

(খ) শিক্ষক ঃ ২ খন কিতাপ ২ খন কিতাপ কিমান হয় ?

মই ঃ চাৰিখন কিতাপ, আচাৰ্য
শিক্ষক ঃ ঠিক আছে, এতিয়া এটা টান প্ৰশ্ন শুধিম…. ১২৪৬৭৯১০ কিতাপ ৯৪৬৭৫৩২২ কিতাপ কিমান হ'ব ?

মই ঃ এখন পৃথিভঁৰাল, আচাৰ্য

কিছুমান জানিবলগীয়া কথা

- চন্দপ্রাণ গার্গ একাদশ বিজ্ঞান

- ১.• পাৰ চৰাইৰ হাড়বোৰৰ ওজন তাৰ পাখীবোৰৰ ওজনতকৈ কম।
- ২.●কলৰ আশীটোক এখন হাত বুলি কোৱা হয় আৰু ইয়াৰ গোটবিলাকক আঙুলি বুলি কোৱা হয়।
- ৩.• চীনৰ বেইজিঙত থকা ডাক ৰেষ্টুৰেণ্টত ৯ হেজাৰ মানুহে একেবাৰতে বহি আহাৰ পান কৰে।
- ৪.● জপিয়াব নোৱাৰা জন্তুৰ ভিতৰত হাতী হৈছে একমাত্ৰ।
- ৫.●প্ৰাচীন কালত ইউৰোপীয়ানসকলে কাঠ আৰু টিমি মাছৰ চালেৰে ছাটি নিৰ্মাণ কৰিছিল।
- ৬.• চীনৰ চিত্ৰকাৰসকলে মহিলাৰ ভৰিৰ ছবি অংকন নকৰে।
- ৭.• ঘড়িয়ালে তাৰ জিভাখন কেতিয়াও বাহিৰত নুলিয়ায়।
- ৮.●কালি ফাৰ্ণিয়াৰ ছাৰা উইনচেষ্টাৰে ভূটক মূৰ্খ-সজাবলৈ ৭৫০ টা কোঠাৰ এটি ঘৰ নিৰ্মাণ কৰিছিল।
- ৯.● হলিচ স্টেনমেনে এক লাখ বাতৰি কাকতেৰে এটি এটি ঘৰ আৰু আচবাব তৈয়াৰ কৰিছিল।
- ১০.●দহদিন পৰ্যন্ত টোপনি নমৰাকৈ থকা মানুহ মৃত্যু মুখত পৰে।
- ১১.• সকলোবোৰ মকৰাৰ জাল একে নহয়।
- ১২.●মাখিৰ জীৱন মাত্ৰ দৃই সপ্তাহ।
- ১৩.• মানুহৰ মৃত্যুৰ বাবে জীৱ-জন্তুৰ ভিতৰত মহেই দায়ী।
- ১৪.● বেছিভাগ মৌ-মাখিয়ে মানুহক কামোৰাৰ পাছত মৰে।
- ১৫.• জীৱ-জন্তুবোৰৰ ভিতৰত আকৃতিৰ ফালৰ পৰা পৰুৱাৰ মগজুটোৱেই ডাঙৰ
- ১৬.●ভাৰতীয় বৈজ্ঞানিকৰ দ্বাৰা উদ্ভাৱিত পৰমাণু বিকিৰণৰ ওপৰত চকু ৰখা প্ৰযুক্তিৰ নাম হৈছে গামা ড'জ লগাৰ।

HINDI

सूरज

- निशिता कक्षा : चौथी (स)

रोज सुबह को सूरज आकर, सबको सदा जमाता है। शाम हुई लाली फैलाब अपने घर को जाता है दिनभर खुद को जला–जलाकर यह प्रकाश फैलाता है उसका जीना ही जीना है। जो काम सभी के आता है।

जिदंगी

- रीशा सिंह कक्षा 9 (स)

मंजिल मिल ही जाएगी एक दिन भटकते भटकते ही सही गुमराह तो वह है जो घर से निकलते ही नही। खुशियाँ मिल जाएगी एक दिन रोते–रोते ही सही, कमजोर दिल के है वो जो हँसने की सोचते ही नही। पुरे होगे हर वी खवाब जो देखे है अँधेरे रातों में ना समझ है वो जो डर से पूरी रात सीते ही नही।

बंदर मामा

- शिव प्रसाद कर कक्षा : चौथी (ब)

बन्दर मामा पहन पैजामा दावत खाने आए ढीला कुर्ता, टीपी, जूता पहन बहुत इतराए रसगुल्ले पर जी ललचाया मुँह में रखा रसगुल्ले नरम नरम था गरम गरम था जीभ जल गयी लप से बन्दर मामा रोते रोते वापस घर को आए फेंकी टोपी फेंका जूता रोए और पछताए।

मित्रता

- रागिणी बैश्य कक्षा : 6(स)

मित्र हमारा सबसे प्यारा लगता हमें सबसे प्यरा। मित्र हमारे साथ-साथ खाता पीता, और साथ साथ कुदता-फिरता। मित्र हमारे साथ नाचता। और साथ हमारे उछलता। मुसीबत में वो साथ हमारे, मित्र हमारे प्यारे-प्यारे। मित्र हमारा सबसे प्यारा।

कड़वा सच

- Manhoihkim Class : IX C

जबूती की झंकार,
थिरकती जिसके मन में,
स्वस्थ रूपी पेड़,
पनपे उसके तन में,
पहनकर आलस का चोला जो आगे बढ़ता
है।
दूसरों की देख विजय,
जो बस हाथ ही मलता हैं।
छोटा सा है जीवन,
इसमें कुछ काम बड़ा तु कर।
पूजा से कही अधिक बड़ा है,
अच्छे कमीं का दर्जा

प्यारे पापा

- अंकुर बरगोहाइ कक्षा : 6(स)

प्यारे पापा, सच्चे पापा,
बच्चो के संग बच्चे पापा।
करते हैं पूरी हर इच्छा,
मेरे सबसे अच्छे पापा।
पापा ने ही तो सिखलाया,
हर मुश्किल में बन कर साया।
जीवन जीना क्या होता है।
जब दुनिया में कोई आया।
दिन रात जो पापा करते है,
बच्चों के लिए जीते–मरते है।
बस बच्चों की सुखों के लिए
अपने सुखों की हरते है।

पानी की बचत

- अनिश देव गोस्वामी कक्षा : तीसरी (स)

जल ही जीवन है।

पानी या जल की एक एक बूँद बहुत उपयोगी है। इसलिए हमे ज्यादा से ज्यादा पानी की बचन करनी चाहिए। पानी की बचत हम इस प्रकार कर सकते है :

- १. नहाते समय शावर की जगह बाल्टी और डिब्बों का प्रयोग करना चाहिए।
- २. मंजन करते समय, बर्तन धोने समय नल की लगातार खोलकर नहीं रखना–चाहिए।
- ३. गाड़ी या स्कूटर धोते समय पाइप को जगह बाल्टी एवं मग का प्रयोग करना चाहिए।
- ४. जहाँ कही भी नल या पाइप लीक करे तो तुरंत उसे ठीक करना चाहिए।
- ५. पानी पीने के लिए गिलास में जितना पानी आवश्यक हो उतना ही पानी लेना चाहिए।

इस प्रकार से काफी पानी की बचन हो सकता है। पानी के बिना जीवन की कल्पना भी मुश्किल है।

जल नहीं तो कल नही।



- Dhrub Das Class - VII (A) Roll No. - 11

आज के विद्यार्थी

- साकेत सोनी कक्षा : 11 विज्ञान

चाहता है हर विद्यार्थी सफलता,
पर मेहनत से जी चुराता,
लेकिन सफलता जी-चरण-चुमती,
कड़ी मेहनत के बाद ही मिलती
माता-पिता दोनों, दिलाते सुख-सम्मान
करके सर्दी, गमी एक समान,

और हम-कक्षा में जब शिक्षक पढ़ाते, मजे में तब झपकी लेते। नतीजापरीक्षा में होते बूरी तरह असफल,
उल्टे शिक्षक की गाली बकते
परअब कीई कैसे करेगा निवारण,
जब याद न था उनको परिश्रम
कठिन परीक्षा करना जो बाकी है,
वही आपकी सफलता की चाबी है।



सृष्टि महज एक खेल है राग और रंगो का। फागुन के महीने में यह खेल चरम पर होता है, प्रकृति के मनोहारी व लुभावते रूप को निहार कर जीता के भोतर राग हिलारें लेने लगता है। ये भीतर की हिलोरे जब बाहर प्रकट होती है तो उत्सव का रूप ले लेती है और रंगो का पर्व होली मनाया जाता है।

हर इंसान किसी न किसी रंग में रंगा है, किसी न किसी रंग में मस्त है। दुनिया के रंगमंच पर विभिन्न भूमिकाएँ अदा कर रहे इंसान अलग अलग रंगों की शरण लेते है। साधु–सन्यासी गेरूआ पहनते है तो समाज सेवी सफेद, वही सिनेमा के पदों पर अभिनय कर रहे कलाकार दशकों का दिल बहलाने के लिए रंग विरंगे वस्रों में पेश आते है। रंग क्या है–

इस जगत में किसी भी चीज मे रंग नही है। पानी, हवा, अंतरिक्ष और पुरा जगत ही रंगहीन है। रंग केवल प्रकाश में होता है। रंग वह नही है, जो वो दिखाता है, बिल्क वह है जो वो त्यागता है। हम जो भी रंग बिखेरते है, वही हमारा रंग हो जाएगा। हम जो हमारे पास रंख लेगे। वह हमारा रंग नही होगा। ठीक इसी तरह से जीवन में जी कुछ भी हम देते है, वही हमारा गुण हो जाता है। अगर हम आनंद देंगे तो लोग कहेगे कि हम एक आनंदित इंसान है।

रंगो का असर

रंगों से तीन रंग सबसे प्रमुख हैं– लाल, हरा और नीला। इस जगत में मौजूद बाकी सारे रंग इन्हीं तीन रंगों से पैदा किए जा सकते हैं। हर रंग का हमारे उपर एक खास प्रभाव होता है। जैसा की हम सब जानते हैं कि कुछ लोग रंग चिकित्सा यानी कलह–थेरेयी भी कर रहे हैं। वे इलाज के लिए अलग–अलग रंगों का हमारे उपर एक खास प्रभाव होता है।

दुनिया के रंगमंच पर शानदार अभिनय के लिए इंसान को खुद को उच्चातर में विकासित करना होगा। इम सबको अपने जीवन का आनंद तभी प्राप्त होगा जब हम इस रंगमंच के महत्व की पहचान लेंगे।

माँ की अहमियत

- सिद्धार्थ कक्षा : 11 विज्ञान हर रोज रात को अक्सर

मै चुपके अकेले रोता हूँ
कीई होता न है पास मेरे
जब संग तेरी यादो के होता है,
तु आएगी युँ लगता है
पर उम्मीद नहीं है आने की
अब तो आदत सी होने लगी है
रो–रो कर सो जाने की
कभी डाँट के मुझे खिलाती थी।
रूठा तो मुझे मनाती थी
अब फिक्र कया कीई करता है
बस हँस के जमाना मिलाता है

मेरे होने या नही होने से
लग गई है बीमारी अब
तेरे खयालो में खो जाने की
अब तो आदत सी पड़ गई है
रो-रो कर सो जाने की
तेरे जाने के बाद
लापता सा मेरा बचपन है
खामोश दीवारे है घर में
और एक अधूरापन है
सहेज के रखता हूँ उन करही थी
अकसर बैठ जाता हूँ वहाँ जहाँ
मेरे लिए तु रोज दुआ करती थी
तेरे सिवा याद कहा कुछ रहता है

भूल चुका हूँ मैं अदा भी
मुस्कुराने की
अब तो आदत सी पड़ गई है
रो-रो कर सी जाने की
माँ की अहमियत
अब जाकर पता-चला हैं
माँ कितने ही जनमो के किए हुए
पुष्यों की कमाई हैं
माँ होती है तो एक मकान की
स्वर्ग सा घर बना देती हैं
अब तो आदत सी पड़ गई है
रो-रो कर सी जाने की।

जिन्दगी

- अनिकेत शर्मा सातवी (स)

उलझनों मे रहकर भी सुलझे रहना ही तो जिन्दगी है, सब कुछ हार कर भी जीत की कल्पना करना हो तो जिन्दगी है,

> अपने को खोकर, किसी गैर को, अपना बनाने का प्रयन्त करना ही तो जिन्दगी है,

> > दिल जश्न से भरा हो,

पर होठ मुस्कुराते रहे

यही एहसास ही तो जिदंगी है,

खवाबों के टूट जाने पर, नए खवाब देखने की अभिलाषा रखना ही तो जिन्दगी है,

बनते-बिगड़ते हालातो का हिसाब हो तो

जिन्दगी है,

जिन्दगी है सदा चलते रहने का नाम डटकर, गिरकर, बिखरकर,

सम्भलना ही तो जिन्दगी है॥

कामयाबी पाना आसान है

> - आयुश नाग कक्षा : नौर्वी (स)

> > खवाबं शी र्ष क को पढ़ते ही आपकी थोड़ा आशचर्य हो सकता है और ऐसा होना स्वाभाविक भी है। मैने जब पहली बार यह सुना तो मै भी आर्चर्य चिकत रह गया था। ज्यादातर हम सुनते है कि कामयाबी पाना त कठिन है। यह हर किसी की प्राप्त नहीं होती। पंरन्तु असलियत

याकत रह गया था। ज्यादातर हम सुनत है। क कामयाजा पाना बहुत कठिन है। यह हर किसी की प्राप्त नहीं होती। पंरन्तु असलियत यह है कि कामयाबी पाना आसान है। कुछ दिन पहले मैंने एक संगोष्ठी देखा था। जिसमें कामवाबी की यह वात कहीं गई थी। जैसे–जैसे वह संगोष्ठों आगे बढ़ी मुझै

विश्वास होने लगा कि यह सत्य है। वह संगोष्ठी थी संदीप महेश्वरी का भारत के सबसे कामयान

फोटोग्राफर का। उसका यह कहना था- जरुरीयह नहीं कि हम क्या सीचते हैं या क्या करने हैं बल्कि जरुरी यह है कि हम क्या मानते हैं। क्योंकि प्रयन्त कर ले हम वह कार्य नहीं कर जाएगे और यदि हम मान ले कि हम वह कार्य कर सकते हैं तो भले ही वह कितना भी कठिन क्यों न हो प्रयन्त करने पर हम वह कार्य कर लेगे। इन वातों का मुझपर बहुत प्रभाव पड़ा है। मुझे भी ऐसा ही प्रतीत होता है कि यह शत-प्रतिशत सत्य है। उदाहरण के तौर पर एक घोटी सी कहानी ले लीजिए-एक वार एक महाव्त अपनी कुछ हाथियों के साथ जा रहा था। सभी हाथियों के पैर बेहद पतली जंजीशों से बंधे हुए थे। यह देखकर किसी व्यक्ति ने उस महावत से पूछा कि क्या हाथी जंजीर तोड्कर भागते नहीं? तब महावत ने जावाब दिया कि बचपन में एक-दो बार उन्होंने तोड़ने की की शिश की थी। परंतु ने न कर सके। उब बड़े होने के बाद ये हाथी उसी जंजीर से बंधे हुए है परंतु ने तोड़ते नहीं क्योंकि वे बचपन में नहीं तोड़ सके। इससे यह पता चलता है कि हाथी जंजीर नहीं तोड़ सकते सिर्फ इसलिए क्योंकि ने ऐसा मानते हैं उन्हें अपनी काबिलियत का अंठजा नहीं। यदि वे-चाहे तो ऐसे १० जंजीर तोड़ सकते हैं परन्त अनकी मान्यता उन्हें सकती है। इसलिए यदि हम यह सोचे कि कीई कार्य आसान बनाने के लिए मेहनत तो करनी ही टोगी। इच्छाशिक्त का भी सफलता के पीछे पीछे बढ़ा हाथ होता है। यह सब बाते मुझे संगीष्ठी के द्रारा पता चला। संदीप महेश्वरी ने एक और वात कही है- कामयाबी मिलती है अनुभव आता है बुरे अनुभव से।



एक कविता हर माँ के नाम

- आकर्षणा काश्यप कक्षा : पाँचवी (ब)

घुटनों से रेंगते-रेंगते,
कब पैरी पर खड़ा हुआ।
तेरी ममता की छाँव में
जाने कब बड़ा हुआ।
काला टीका दूध मलाई,
आज भी सब कुछ वैसा है।
मैं ही मैं हूँ हर जगह,
प्यार यह तेरा कैसा है?
सीधा-साधा, भोला-भाला,
मै ही सबसे अच्छा हूँ।
कितना भी हो जाँऊ बड़ा
माँ मै आज भी तेरा बच्चा हूँ।

सीखो

- स्वणं प्रभा बारा कक्षा : 11 कमार्च

सैनिक से बिलदान सीखो,
पेड़ से तुम झुक जाना।
बैल से बोझ उठाना सीखो,
पत्थर से मजबुत बन जाना।
पेड़ से तुम छाँव देना सीखो,
सूरज से नियमित बनना।
मोमबती से रोशन करना सोखो
उजाले से सदा फैल जाना।
मूर्ति से सहन करना सोखो,
ईश्वर से माफ कर देना।
इस धरती पर तुम आए हो तो,
कुछ अच्छा सीख कर ही जाना।

जीवन की परिभाषा

- प्राची गिरि कक्षा : 9 अ

जन-जन की भाषा है हिंदी
भारत की आशा है हिन्दी...
जिसने पुरे देश को जोड़े रख
वो मजबूत धागा है हिन्दी....
हिन्दुस्तान की गौरवगाथा है हिन्दी
एकता की अनुपम परम्परा है हिन्दी...
जिसके बिना हिन्द थम जए
ऐसी जीवनरेखा है हिंदी...
जिसने काल की जीत लिया है
ऐसी कालजयी भाषा है हिंदी...
सरल शब्दो में कह जाए तो
जीवन की परिभाषा है हिंदी..

मेरी इच्छा पूरी करने दो...

- स्वर्ण प्रभा बोरो कक्षा : 11 कमार्च

हमे पंछियों की तरह उड़ने दो,
खेती की तरह लह-लहाने दो,
किलयों की तरह मुसकुराने दो
सागर की धारा जैसे बहने दो,
मन जो चाहे केवल उसे पुरा करने दो।
हवाओ की ओर हुई दीवानी हूँ
मुझे न रोको मैं तो बड़ी मनमानी हूँ।
मुझे किसी का डर नहीं,
हमारे ऊपर किसी का कर नहीं।
जरा मंजिल को न छू लेने दो,

सुबह का मंजर

- निकिता शर्मा कक्षा : 11 कमार्च

गरम गरम लहुसा सूरज लिपरा बैठा लाली में सुबह सुबह रख आया कौन इसे आसमान की प्याली में॥ मुंदी आँखे खोली कलियो नें। चिड़िया ने गाया गाना गुन-गुन करते भवरों ने रिवलते फूलों को पहचाना॥ तभी आई फुदक-फुदक कर एक तितलियों की टोली। मधुमिकखयाँ ने मधुरस लेकर भर डालो अपनी झोली॥ उगे उगे हम लगे काम पर तब आगे बढ़ पायेगे। वे क्या पाऐगे जीवन मे जो सोते रह जाएगे॥

मन जो चाहे केवल उसे पुरा करने दो। यदि दिल की आग बूझ गई तो उसे बुझने दो, मेरे लिए तो एक दीपक की बाती ही काफी है, उसे तो जलने दो।

रंग-बिरंगी धरती

- स्वर्ण प्रभा बोरो कक्षा : 11 कमार्च

सुदंर-सुदंर प्यारी प्यारी रंग बिरंगी घरती, पहन चुनरियाँ रंगो वाली दुल्हत जैसी लगती।

नीला-नीला आसमान है बादल काले-काले, लाल, गुलाबी, नीले, पीले फूल बड़े मतवाले

हरियाली की फैली चादर सब के मन को हरती, सुदंर सुदंर प्यारी प्यारी रंग बिरंगी धरती।

सुबह-सुबह को भूरी चिड़िया ची-ची ची-ची करती, सुदंर-सुदंर प्यारी-प्यारी रंग बिरंगी घरती।

कलम

- कशमी शहरीया कक्षा : 6 (ब)

कलम से किवता, कलम से कहानी, कागज से हो गई गहरी निगरानी क्योंकि रचती है अपनी कहानी कागज कलम मे एक ही वास्ता दिखाए हमे ऊँचाई का रास्ता क्योंकि बनना है ग्यानी उँचा पहाड़ सा



प्रकृति

- स्वर्ण प्रभा बोरो कक्षा : 11 कमार्च

हरी-हरी खेतो में बरस रहे है बूँदे खुशी-खुशी से आया सावन, भर गया मेरा आँगन॥ ऐसा लग रहा है जैसे मन की कलियाँ खिला गया वैसे. ऐसा कि आया वसंत, लेकर फुलो का जरान॥ धूप से प्यासी मेरे तन को बुदो ने दी ऐसी अंगड़ाई कृदे पडा मेरा तनमन, लगता है मै हूँ एक दामन॥ यह संसार है कितना सुंदर लेकिन लोग नहीं उतने अकलमंद यह है एक निवेदन, न करो प्रकृति का शोषण॥

माइकल जैक्सन

- कशमी शहरीया कक्षा : 6 (ब) माइकल जोसेफ जैक्सन एक अमेरिकी गायक, गीतकार, रिकॉर्ड निर्माता, डांसर और कलाकार हैं, जिन्हे किंग आँफ पाँप कहा जाता हैं। डाँस और म्युजिक में उन्हेने अतुलनीय योगदान दिए हैं। 4 दशक से भी ज्यादा समय तक कैश्विक स्तर पर वे प्रसिद्धध्य थे।

Off the Wall (1979), Bad (1991), Dangerous (1991), History (1995) उनके सबसे प्रसिद्ध अल्बम हैं। उन्होंने 13 ग्रैमी अवार्ड, 26 अमेरिकन म्युजिक अवार्ड जीते है। उनकी मृत्यु 2005 के 25 जून में एक हृदय विकार के कारण हुई थी।

में और मेरा परिवार

- रिया सिन्हा कक्षा : 6 (ब)

ठंडा-ठंडा पानी
ठंडा-ठंडा पानी
मम्मी मेरी रानी।
पापा मेरे राजा
फल खाए ताजा
सोने की सीढ़ी
चाँदी का दखाजा
उसमे से बाहर आया
मेरा भैया राजा।



हिन्दी चुटकुले

- नवनीता कलिता कक्षा : 7 क

१. जज: घर मे मालिक होते हुए तुने चीरी कैसे की? चोर: साहिब आपकी नौकरी भी अच्छी है, सैलरी भी अच्छी है, फिर आप ये सब सीख कर कया करोगे।

२. जज: तुमने समाज के लिये कौन सा भला काम क्या है? मुजरिम: साहब हमारे कारण ही पुलिस और अदालत में लाखों लोगों के नौकरी मिली हुई है।

३. टीचर : नालायक पढ़ ले कभी तुने अपनी कोई बुक खोल के देखी है ?

देव : हाँ मैं रोज खोलता हूँ एक बुक।

टीचर : कौन सी ? देव : फेसबुक। ४. टीचर : बेता तुम्हारे घर में सबसे छोटा कौन है ?

बच्चा : मेरे पापा,

टीचर : (टीचर हैरान होकर बोला) बेटा वो कैसे ?

बच्चा : क्यौंकि वो अभी तक मामी के साथ सोते है

५. टीचर छ : न्युतन का नियम बताओ...

लड़का : सर पुरी लाइन तो याद नहीं, लास्ट का याद है

टीचर : चली लास्ट का ही सुनाओ

लड़का : और इसे ही न्युटन का नियम कहते है...

नवनीता कलिता

कक्षा : सातवी (अ)

पानी बचाओ

- परि तिवारी कक्षा : 5 स

जल मानवता के लिए प्रकृति की अनमोल उपहारों में से एक है। मानव शरीर में पानी की मात्रा दो तिहाई है। हमारे जीवन में बहुत सी पानी की आवश्यक होती है। पेड़-पौधों को बहुत पानी की आवश्यकता होता है। तरल में पानी का गढन किया जा सकता है, दोस और गैस का रूप है। पानी जीवन का सबसे आवश्यक घटक है और यह जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। पानी हमारे दैनिक जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। हमारा जीवन इस पर निर्भर करता है। यह शरीर के पाचन समारोह में मदद करता है और हमारे शरीर के तापमान को नियंत्रित करता है।

प्रकृति

– रूद्रानी दास

प्रकृति ने अच्छा दृश्य रचा
इसका उपभोग करे मानव।
प्रकृति के नियमो का उल्लंघन करके
हम क्यों बन रहे हैं दानव।
सब है प्रकृति के वरदान
ऊँचे वृक्ष द्यने जंगल ये
इसे नष्ट करने के लिए
तत्पर खड़ा है क्यों इंसान
इस धरती ने सोना उगला
उगे हैं हीरों के खान
इसे नष्ट करने के लिए
तत्पर खड़ा हैं क्यों इंसान

यशपाल

- नवनीता कलिता कक्षा : 7 क

यशपाल का जन्म फिरोजपुर छावनी मे सन 1903 में हुआ। इन्होंने आरंभिक शिक्षा स्थानीय स्कूल मे और उच्च शिक्षा लाहौर मे पाई। यशपाल विदयार्थी काल से ही गतिविधियों मे जूट गए थे। अमर रहीद भगत सिंह आदि के साथ मिलकर इन्होंने भारतीय स्वतांत्रता आंदोलन मे भारा लिया।

यशपाल की प्रमुख कृतियाँ है : यशप्रोही, पाटी कामरेड, दादा कामरेद झूटा सत तथा मेरी–तेरी। उसकी बात। जानदन, तर्क का तुफान, पिडडे की उजान, फूलो का काती, उत्तयधिकारी और सिंहावलोकन,

मेरी, तेरी उसकी बात, पर यशपाल को साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।

क्रिकेट का खेल

- नृशम दला, कक्षा -सातवी (अ)

क्रिकेट का जन्म सन 1850 को इग्लैंड के गिलपोड नामक एक विदयालय में हुआ था। यह खेल विभिन्न देशों में खेला जाता है जैसे-भारत न्यूजीलेल्ड, इग्लैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, हाँगकांग, आदि देशों की क्रिकेट ने बहूत प्रभावित किया है।

क्रिकेट समुह मे खेला जाता हैं। एक विशालमे 22 गज की पिच होती हैं। एक पारी मे दस बल्लेबाज आउट होने से पहले जितने रन बनते है वह टीम का स्कीर होता हैं। जब बारीश गिरती है तब खेल रोक दिया जाता है। ज्यादा रन बनाने वाली टीम विजेता होती है।

क्रिकेट में कई लोगों ने अपनी प्रतिभा दिखाई है। जैसे-सचीन तेदुलकर, सनाथ जयसूर्य, देवीद हस्सी, ब्रेट ली, ब्रायने लारा, डोनाल ब्रेडमेन, शोन वाँनी, आदि।



अटल बिहारी वाजपेजी

- रविर शनार कक्षा : 9 (क)

प्रधानमंन्त्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी देश के एकमात्र ऐसे नेता है, जो अपनी पार्टी में ही नहीं, विपक्षी पार्टी में समान रूप से सम्माननीय रहे हैं। उदार, विवेकशील, निदुर, सरल-सहज, राजनेता के रूप में जहां इनकी छवी अटपंत लोकप्रिय रही है, वहीं एक ओजस्वी वकता, किव की संवेदनाओ से भरपूर इनका भावुक ह्दय, भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति आस्थावान इनका व्यक्तित्व सभी को प्रभावित करना है। ये देश के सफल प्रधानमंन्त्रीयों में से एक है।

इनकी विलक्षण प्रतिभा को देखकर लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने यह कहा कि- इनके कण्ठ मे सर्स्वती का वास है। तो नेहरूजी ने इन्हे अदभुत वन्ता की विध्रीवस्यता छवि से नवाजा

समय का सदुपयोग और सफलता



समय चक्र की गित बड़ी अदुभृत है। समय का चक्र निरंतर गितशील रहता है। रूकना इसका धर्म नही है। विश्व में समय को सबसे अधिक महत्वपूर्ण एवं मुल्यवान धन माना गया है। यदि मनुष्य की अन्य धन सम्पित नष्ट हो जाए तो संभव है वह पिरश्रम , प्रयन्त एवं संघर्ष से पुन: प्राप्त कर सकता है। किन्तु बीता हुआ समय वापस नही आता। इसी लिए समय का सदुपयोग करना चाहिए।

समाज के कुछ लोग यह कहकर, हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते है कि समय अभी आया नहीं हैं, सरपट सोचकर अपना समय व्यर्थ करते है और अच्छे अवसर खो देते है, जिनके परिणाम गरिबों की ओर ढकेल देते है।

समय के सदुपयोग में ही जीवन की सफलता का रहस्य निहित है। जो व्येंकित समय का चक्र पहचान कर उचित ठंग से कार्य करे तो उसकी उन्नित में चार चाँद लग सकता है। संसार में जितने महापुरुष हुए हैं वे सभी समय के सदुपयोग करने के कारण ही इस मुकाम पर पहुँच सके है। काम को समय पर संपन्न करना ही सफलता का रहस्य है।

इसिलए संत कबीर का यह दोहा समय के सदुपयोग का महत्व प्रतिपादित करता है।

काल्ह करे से आज कर, आज करे सो अब।

खुद को पहचानिये

- रागिनी वौश्व कक्षा : 6 स

दुनिया लाखो लोगो से भरी हुई है। कुछ लोग सफल है, तो कुछ असफल है। जो लोग सफल होते है, वो लोग भीड़ से हटकर कुछ नया करने है, उनकी सोच रचनात्मक होती है, उनमे कुछ नया करने और इतिहास बदलते का जोश और बुलंद हौसला होता है। जो दुखी लोग असफल होते है, उनकी असफलता का प्रमुख कारण है भीड़ का हिस्सा बनना।

सबसे अधिक दुखी होने का कारण यह है कि ये लोग अपनी असफलताओं से कुछ भी नहीं सीखते, और सारा दोष दूसरौ या फिर अपने भाग्य पर लगा देते है। ऐसे लोग असफल होने पर कुछ नया करने की योजनाएँ नहीं सोचते। हम लोग अल्बर्ट आइंस्टीन को जानते है, क्योंकि वह एक महान वैज्ञानिक है। अगर आपको सफल होता है, तो अपनी अंदर की प्रतिभा को पहचान ना होगा, आपको पहले ये जानना होगा, कि वास्तव में आप क्या करना चाहते है। हर इंसान के अंदर एक अलग खुबी होती है, हर इंसान के अंदर एक टेलेंट होता है बस जरुरत है उस खुबी को पहचानते की। जिस दिन आप वो पहचान गये, उस दिन समझ लेना आपने सफलता तक जाने का सही मार्ग खोज लिया। इसलिए कहा गया है कि पहले खुद को पहचानना चाहिए।

भ्रष्टाचार का रोग

- सबरिन सातवी ब

भ्रष्टाचार का अर्थ है भ्रष्ट या दुषित आचरण। हालांकि भ्रष्टाचार एक विश्वव्यापी रोग है, परंतु हमारे देश में इसकी तीव्रता कुछ अधिक पाई जाती है। सरकारी बाबू, डॉक्टर, कर्मचारी यहाँ तक कि चपरासी तक इस रोग की चपेट में है। नेता, मंत्री, विधायक सत्ता सुख प्राप्त होने पर करोड़ों-अरबों के स्वामी बन जाने है। यही कारण है कि सरकारी योजनाओं का सही लाभ आम जनता तक नहीं पहुँच पाता। भ्रष्टाचार के अन्य रूप भी है। सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाना तथा सरकार दवारा दिए गए सुबिधाओ का गलत प्रयोग करना भ्रष्टाचार की उदाहरण है। देश को भ्रष्टाचार मुवन बनाने के लिए आज भगीरथ प्रसारन की आवश्यकता है। हमें भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजूट होकर संधर्ष करना होगा ताकि देश आगे वढ़े और सही मायने में हम भारतीय कहलाए।

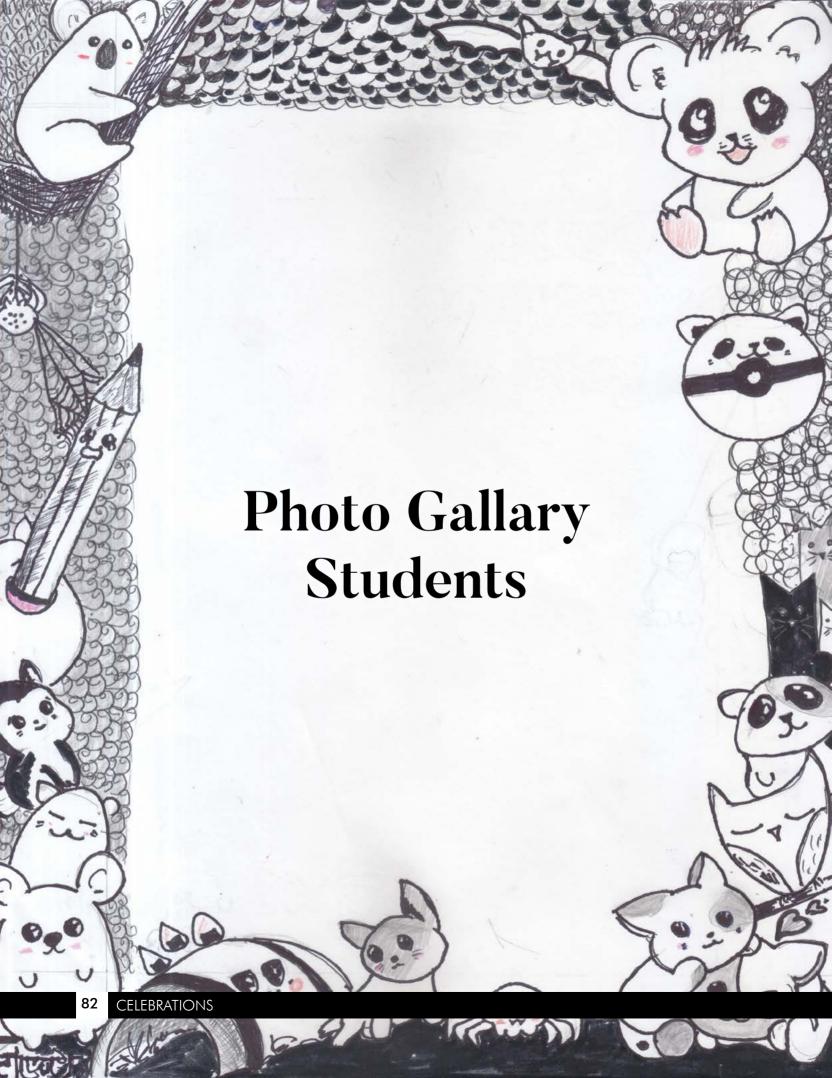
मानवता

- तराली देवी हिंदी शिक्षिका

मानवता एक ऐसा शब्द है, जिसे सुनते ही हमारा मन प्राण में एक अलग अनुभूति पैदा कर जाती है। इस शब्द में एक ऐसा जादु है, जिसके सुनते ही हमारे दिल और दिमाग में उन महान लोग याद आ जाते है, जिन्होंने अपने कर्मी से मानवता को ऊँचे शिखर पर पहुँचा दिया है। मानवता के पुजारी इस विश्व में तो कई है, जिन्होंने हमारे मन में अमिट छाप छोड़ी है। मदर टेरेसा, स्वामी विवेकानन्द, दंयानंद सरस्वती, राजा राममोहन राय, महात्मा गांधी, गौतम बुद्ध, गुरुनानक, हजरत मोहम्मह आदि मानवता के पुजारी थे। इनके द्वारा किए गए कर्मो का लेखा–जोखा अगर करना शुरु कर दे तो सदियाँ बीत जाएगी। इन्होंने केवल मनुष्य के हित के लिए कार्य किया। इनका नाम युगों–युगों तक लिया जाता रहेगा।

लेकिन दुख की बात तो यह है कि वर्तमान मानवता शब्द बहुत कम सुनाई देने लगी है। लोगों में आपसी बैर, ईष्या, जलन, नफरत आदि शब्द घर कर गयी है। लोग एक दूसरे के बीच केवल नफरत की भावना ही रखने लगे है। एक-दूसरे को मारने तथा मरने के लिए तैयार रहते है। एक भाई दूसरे भाई को संदेह की नजरों से देखने लगे है। माता-पिता के प्रति बच्चों का स्नेह कम हो गया है। दिन व दिन अनाथ आश्रम, वृदधा श्रम की संख्या बढ रही है। कोई किसी के प्रति सदभाव नही रखता है। लोगों के बीच से मानवता शब्द लगभग अतीत हो गया है। हम दूसरे के दुख में दुखी न होकर वरन खुश होते है। यह सब देखकर कुछ लोग विरकत हो गए है। उनके मन में निराशा द्यिर गयी है। लेकिन किसी ने कहा था कि नर हो, न निराशा करो मन को। हमें मानवता का स्खलन होते हुए देखकर निराशा नही होना चाहिए। बल्कि हिम्मत से काम लेना चाहिए। हमें महापुरुषों के डारा दिखाए हुए रास्ते पर चलना चाहिए। उनके पथ का अनुसरण करके हमें मानवता के लिए कार्य करना चाहिए।

हमें हमेशा परोपकार की भावना को लेकर चलना चाहिए। जब भी कोई मानवता के लिए कार्य करने का मौका मिले उसे गँवाना नही चाहिए। मानवता के लिए किया गया कार्य छोटा ही क्यों न हो, उसमें मानव की सेवा होती है। मानवता की सेवा के लिए, कीई तिथि, दिनाकं की आवश्यकता नहीं है। सिर्फ मन में अच्छा विचार तथा परोपकार की भावना होनी चाहिए।







SFS_Class_I (B)



SFS_Class_I (C)

CELEBRATIONS

83







84 CELEBRATIONS SFS_Class_II (C





SFS_Class_III (B)



SFS_Class_III (C)

CELEBRATIONS

85



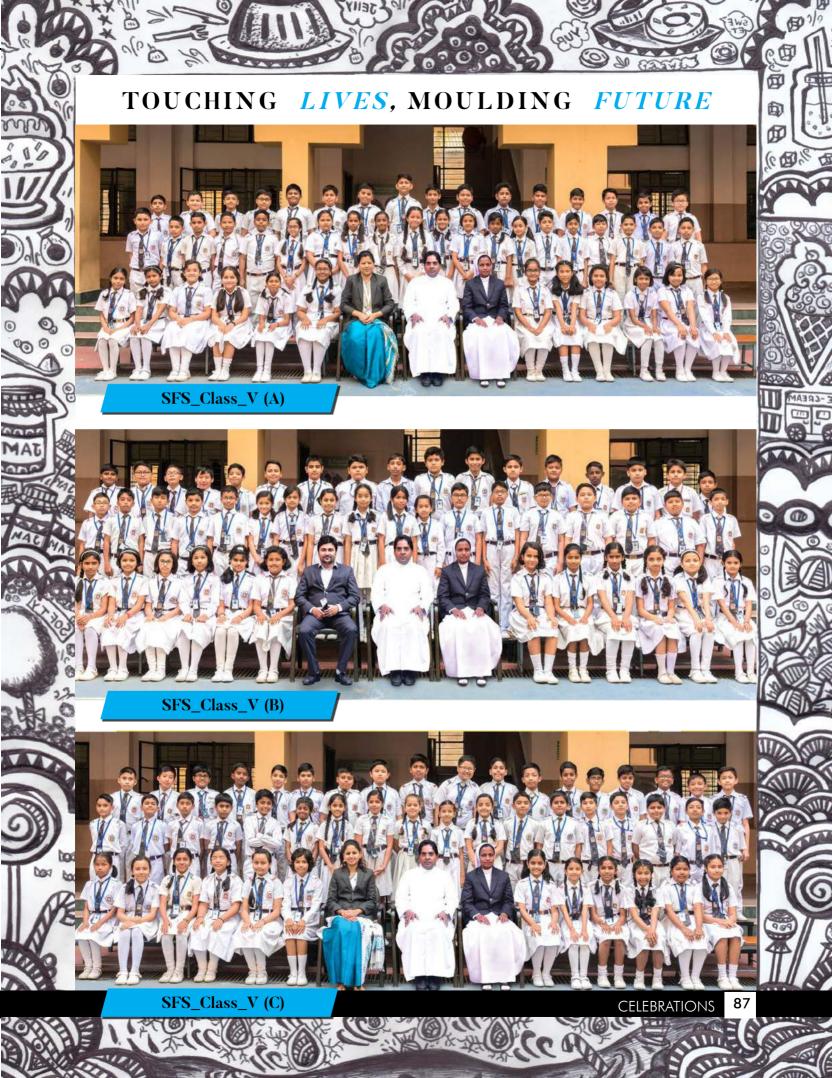




SFS_Class_IV (B)



1







CELEBRATIONS 88 SFS_Class_VI (C) MONSTER.







SFS_Class_VII (B)



SFS_Class_VII (C)

CELEBRATIONS

NON'S TER.









SFS_Class_IX (B)



SFS_Class_IX (C)

CELEBRATIONS

9







92 CELEBRATIONS SFS_Class_X (C)







SFS_Class_XI (Humanities)

CELEBRATIONS



SFS_Class_XII (Science)



SFS_Class_XII (Commerce)



CELEBRATIONS

SFS_Class_XII (Humanities)

Photo Gallary Teachers







96 CELEBRATIONS

Dept. of Computer Science







Dept. of G.K. CELEBRATIONS 97







98 CELEBRATIONS

Dept. of Moral Science







Coaches (Football & Karate)

8888888888









100 CELEBRATIONS **Cultural Commitee** MONSTER.









Literary Committee

NOW TER.





NCC Scouts & Guide Clubs & Bulbul











Back Office Staff



Health Care CELEBRATIONS 103



11576 के 01500 0 00 1616



हिता

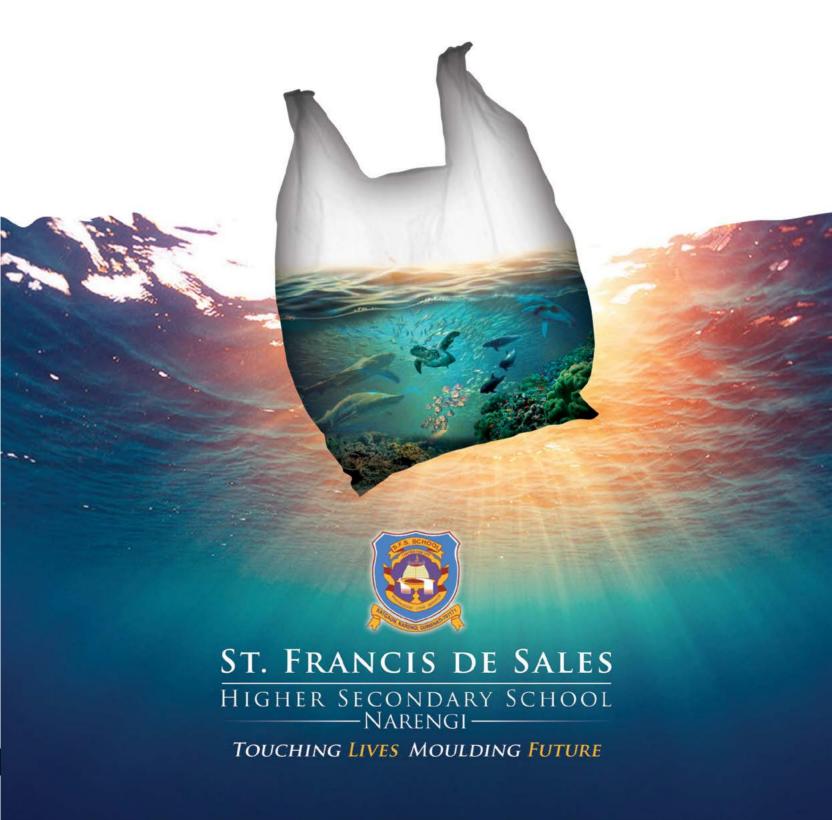
AO

Group Photo (Teachers)

TOUCHING LIVES, MOULDING FUTURE



SAY NO TO PLASTIC





ST. FRANCIS DE SALES

HIGHER SECONDARY SCHOOL NARENGI

Thimmaya Marg, Puberun Nagar, Kalitakuchi, Satgaon Guwahati, Assam - 781171

> Website: www.sfsnarengi.ac.in E-mail ID: office@sfsnarengi.ac.in